THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 6 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.6 2082 गुरुवार, 3 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शाह के दौरे से पहले नक्सली शांति वार्ता को तैयार

जगदलपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले ही नक्सली केंद्र और राज्य सरकार से शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो गए हैं। नक्सलियों के केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने एक पर्चा जारी किया है। अभय ने कहा कि, पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं। अगर राज्य और केंद्र सरकार नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रोकती है, तो हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। नक्सली नेता अभय ने तेलगु भाषा में पर्चा जारी किया है। इसमें लिखा है कि, 24 मार्च को हैदराबाद में संगठन की एक बैठक हुई थी। जिसमें बिना किसी शर्त के शांति वार्ता के लिए आगे आने और बातचीत कर युद्धविराम की घोषणा करनी चाहिए इस पर बात हुई।

अमित शाह का वक्फ बिल पर बड़ा दावा

> सरकारी संपत्ति का दान नहीं किया जा सकता > वक्फ बिल पर अमित शाह की दो टूक

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक पर लोकसभा में चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि दान अपनी संपत्ति का कर सकते हैं, सरकारी जमीन का नहीं। उन्होंने कहा कि वक्फ एक प्रकार का चैरिटेबल एंडोरमेंट है। इसमें व्यक्ति पवित्र दान करता है। दान उसी चीज का किया जा सकता है जो हमारा है। मैं सरकारी संपत्ति या किसी दूसरे की संपत्ति का दान नहीं कर सकता। ये सारी बहस इसी बात पर है। यही नहीं शाह ने अपनी बात रखते हुए दो टूक कहा कि संसद का कानून है सबको स्वीकार करना पड़ेगा।

अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि मैं अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी द्वारा पेश किए गए बिल के समर्थन में खड़ा हुआ हूं। मैं दोपहर 12 बजे से चल रही चर्चा को ध्यान से सुन रहा हूं। मुझे लगता है कि या तो निर्दोष भाव से या राजनीतिक कारणों से कई भ्रांतियां कई सदस्यों के मन में है और सदन के माध्यम से कई सारी भ्रांतियां पूरे देश में फैलाने की कोशिश की जा रही है। ये जो भ्रम खड़ा किया जा रहा है कि यह एक्ट मुस्लिम भाइयों के धार्मिक क्रियाकलापों के अंदर उनकी दान की हुई संपत्ति के अंदर दखल करने का है। ये बहुत बड़ी भ्रांति फैलाकर माइनोरिटी को डराकर अपनी वोटबैंक खड़ी करने के लिए किया जा रहा है। मैं कुछ बातों को स्पष्ट करने का प्रयास करूंगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने सदन में दो टूक कहा कि सबसे पहले, वक्फ में किसी भी गैर-मुस्लिम व्यक्ति की नियुक्ति नहीं की जाएगी। हमने धार्मिक संस्थाओं के प्रबंधन के लिए गैर-मुस्लिमों को नियुक्त करने का न तो कोई प्रावधान किया है और न ही ऐसा करने का इरादा है। वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड की स्थापना 1995 में हुई थी। यह गलत धारणा है कि यह अधिनियम मुसलमानों की धार्मिक गतिविधियों और दान की गई संपत्तियों में हस्तक्षेप करता है। अल्पसंख्यकों में डर पैदा करने और विशिष्ट मतदाता जनसांख्यिकी को खुश करने के लिए यह गलत सूचना फैलाई जा रही है।

वक्फ एक अरबी शब्द है

शाह ने कहा कि वक्फ एक अरबी शब्द है। वक्फ का इतिहास कुछ हदीसों से जुड़ा हुआ मिलता है और आज कल जिस अर्थ में वक्फ का प्रयोग किया जाता है, इसका अर्थ है अल्लाह के नाम पर संपत्ति का दान... पवित्र धार्मिक उद्देश्यों के लिए संपत्ति का दान। वक्फ का समकालीन अर्थ, इस्लाम के दूसरे खलीफा उमर के समय अस्तित्व में आया। ये जो भ्रम खड़ा किया जा रहा है कि यह एक्ट मुस्लिम भाइयों के धार्मिक क्रियाकलापों के अंदर उनकी दान की हुई संपत्ति के अंदर दखल करने का है... ये बहुत बड़ी भ्रांति फैलाकर माइनोरिटी को डराकर अपनी वोटबैंक खड़ी करने के लिए किया जा रहा है।

अमित शाह ने कांग्रेस पर डायरेक्ट अटैक करते हुए कहा कि वक्फ बिल पर साल 2013 में जो संशोधन आया, वो अगर नहीं आया होता तो आज ये संशोधन लाने की नौबत नहीं आती। उस समय कांग्रेस सरकार ने दिल्ली में लुटियंस की 125 संपत्तियां वक्फ को दे दीं। उत्तर रेलवे की जमीन वक्फ को दे दी। हिमाचल में वक्फ की जमीन बताकर मस्जिद बनाने का काम हुआ। उन्होंने तमिलनाडु से कर्नाटक तक के उदाहरण दिए जिस पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया और सदन को भ्रमित करने का आरोप लगाया।

अमित शाह ने आगे कहा कि मैं पूरे देश के मुस्लिम भाइयों को कहना चाहता हूं कि आपके वक्फ में एक भी गैर मुस्लिम नहीं आएगा। वक्फ बोर्ड में जो संपत्तियां बेच खाने वाले, सौ-सौ साल के लिए औने-पौने दाम पर किराए पर देने वाले लोग है। वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद उन्हें पकड़ने का काम करेगा। ये चाहते हैं कि इनके राज में जो मिलीभगत चली, वह चलती रहे, नहीं चलेगा।

'आप 20-25 साल और अध्यक्ष रहेंगे'

> अखिलेश यादव के तंज पर अमित शाह ने ली चुटकी

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक (उम्मीद एक्ट) पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच हंसी-मजाक के अंदाज में आरोप-प्रत्यारोप दिखाई दिया। दरअसल, वक्फ बिल पर बोलते हुए अखिलेश ने भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष के चुनाव में देरी को लेकर तंज कसा। इस पर परिवारवाद का जिक्र कर पलटवार करते हुए शाह ने अखिलेश से कहा कि आप तो 25 साल तक अपनी पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे, हमें कार्यकर्ताओं में से चुनना है, इसलिए समय लग रहा है।

उन्होंने कहा कि ये दावा करते हैं कि ये दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, पर ये इतने दिनों से अपना अध्यक्ष नहीं चुन पा रहे हैं। इस पर सदन हंसी ठहाकों से गूं उठा। इस बीच अमित शाह ने कहा कि अखिलश जी ने हंसते हुए यह बात कही है, इसलिए मैं भी हंसते हुए ही जवाब देना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि आपको तो परिवार के ही कुछ सदस्यों में से अध्यक्ष चुनना होता है, पर हमें अपने करोड़ों पंजीकृत सदस्यों में से लोकतांत्रिक तरीके से अध्यक्ष का चुनाव करना होता है। इसलिए हमें थोड़ा समय लगता है।

आइए अब जाते हैं अखिलेश ने क्या कहा?

वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि जो पार्टी खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहती है, वह अभी तक अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं चुन पाई है।

अमित शाह ने दिया करारा जवाब

इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने चुटकी लेते हुए कहा कि मेरे सामने जितनी भी पार्टियां हैं, उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कुछ परिवार के लोग ही करेंगे। हमें 12-13 करोड़ सदस्यों में से प्रक्रिया के बाद चुनना है। इसलिए इसमें समय लगता है। आपके मामले में तो ज्यादा समय नहीं लगेगा। मैं तो कह रहा हूं कि आप 25 साल तक अध्यक्ष बने रहेंगे। अमित शाह की टिप्पणी पर अखिलेश यादव भी मुस्कुराते हुए नजर आए।

रविशंकर प्रसाद ने सदन में कांग्रेस को याद दिलाया 'इतिहास'

'तब शाहबानो केस में सुप्रीम कोर्ट का पलटा था फैसला'

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान शाहबानो केस का जिक्र करते हुए कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'वक्फ की प्रॉपर्टी पर कितने स्कूल खुले, कितने अनाथालय बने, कितने सिलाई केंद्र बने, यह सवाल है। आज वक्फ की प्रॉपर्टी की फंडिंग बढ़ाने और उनके समाज को आगे बढ़ाने के लिए कुछ हो रहा है तो विपक्ष को इससे क्या परेशानी है। दिल से तो कह रहे हैं कि सुधार हो, लेकिन राजनीतिक इच्छा इन्हें रोकती है।' उन्होंने कहा, 'शाहबानो केस में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि शाहबानो को मुआवजा दिया जाए, तो हल्ला मचा, तब राजीव गांधी पीएम थे। बहुमत था। आरिफ मोहम्मद खान सरकार में मंत्री थे। दो दिन ऐतिहासिक भाषण हुआ। राजीव गांधी ने उन्हें बुलाया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदलने के लिए कानून ला रहे हैं। तीन तलाक पर फैसला आया। 2 साल तक इनकी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब नहीं फाइल किया, ताकि फैसला अटका रहे। राजीव गांधी को 400 सीट मिली और शाहबानो में वे झुक गए। उसके बाद आज तक कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला। देश की हवा कहां चल रही है, आप समझिए। पीएम मोदी को एक बार बहुमत मिला, दूसरी बार बहुमत मिला। तीसरी बार लोगों ने जिता दिया, दिल्ली भी जिता दिया और अब बिहार भी जीतेंगे।'

उन्होंने कहा, 'आज मैं ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बारे में बात करना चाहता हूं। जब सुप्रीम कोर्ट में तीन तलाक के मामले की सुनवाई चल रही थी, तो बोर्ड ने कोर्ट से कहा था कि, 'आप फैसला मत दीजिए, हम एक निकाहनामा बनाकर पूरे देश में प्रसारित करेंगे, जिसमें लिखा होगा कि निकाह करते समय एक शर्त यह भी रखी जाएगी कि तीन तलाक न हो।' याद कीजिए, जब कानून पास हुआ था, तो ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने तीन तलाक कानून के खिलाफ बहुत बड़ा आंदोलन खड़ा किया था।'रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा, 'मैं विपक्ष की बात सुन रहा था, वह कह रहे थे कि वक्फ बिल में संशोधन होना चाहिए, लेकिन नहीं भी होना चाहिए। ये कैसे हो सकता है। आजकल एक लाल किताब चल रही है।

ब्रिटिश नागरिकों की हत्या के मामले में छह आरोपी बरी

अहमदाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात उच्च न्यायालय ने सत्र अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए साल 2002 के दंगों के दौरान तीन ब्रिटिश नागरिकों की हत्या के मामले में छह आरोपियों को बरी कर दिया। जस्टिस एवाई कोगजे और जस्टिस समीर जे दवे की खंडपीठ ने यह आदेश पारित किया। यह आदेश 6 मार्च को दिया गया था और अब यह उपलब्ध हुआ है। उच्च न्यायालय ने गवाहों और जांच अधिकारी की गवाही पर विचार किया और कहा कि उनके पास सत्र अदालत के फैसले में दखल देने का कोई आधार नहीं है। इससे पहले 27 फरवरी 2015 को साबरकांठा की सत्र अदालत ने आरोपियों को हत्या के मामले में बरी करने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दायर की गई। अब उच्च न्यायालय ने भी आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया है। सत्र अदालत ने अपने आदेश में माना कि एफआईआर रिपोर्ट में आरोपियों के हुलिये को लेकर लंबाई, कपड़े और उम्र को लेकर ही जानकारी दी गई थी। अदालत ने सिर्फ इस आधार पर आरोपियों को दोषी मानने से इनकार कर दिया। अब उच्च न्यायालय ने भी सत्र अदालत के तर्क को सही माना है और कहा कि सिर्फ इस आधार पर दोषी नहीं माना जा सकता।

केरल में पिछड़ी जाति के पुजारी ने छोड़ी नौकरी, जातीय भेदभाव होने का आरोप

तिरुवनंतपुरम, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के प्रसिद्ध कुदलमनिक्यम मंदिर के एक पिछड़ी जाति के कझकम (पुजारी) ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। आरोप हैं कि इस पुजारी के साथ जातीय भेदभाव हुआ, जिसके चलते उसने नौकरी छोड़ी। बालू नामक पुजारी राज्य में मंदिरों का प्रबंधन करने वाले देवास्वम रिक्रूटमेंट बोर्ड का कर्मचारी था और बोर्ड ने ही उसे पुजारी की जिम्मेदारी के लिए मंदिर में नियुक्त किया गया था। बालू ने मंगलवार शाम को अपना इस्तीफा बोर्ड के अधिकारियों को सौंप दिया। कझकम केरल में उन पुजारियों को कहा जाता है, जो भगवान की माला तैयार करने और अन्य पारंपरिक धार्मिक कामों को करते हैं। इस्तीफा देने वाला व्यक्ति बालू पिछड़ी जाति एझवा से ताल्लुक रखता है। इस घटना को लेकर एक बार केरल के मंदिरों में जातीय भेदभाव का मुद्दा गरमा गया है। इस मामले पर देवास्वम मंत्री वीएन वसावन ने बताया कि बालू की नियुक्ति नियमों के तहत हुई थी।

'विधेयक से गरीब-पिछड़े मुसलमानों को होगा लाभ'

जगदंबिका पाल बोले-जेपीसी की कड़ी मेहनत रंग लाई

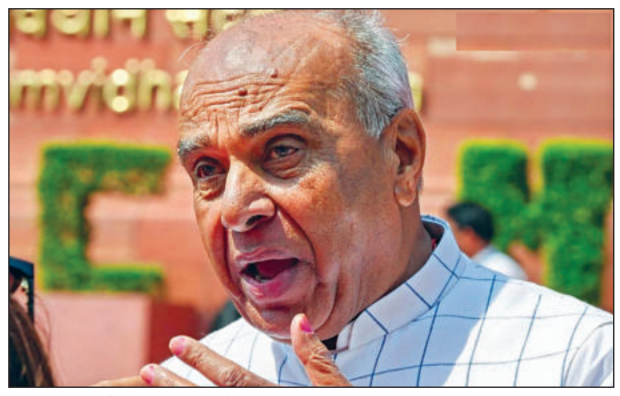

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा सांसद और वक्फ संशोधन विधेयक पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बुधवार को कहा कि इस विधेयक से गरीब और पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि जेपीसी की कड़ी मेहनत रंग लाई है। पाल ने कहा कि जेपीसी की बैठकें आयोजित की गईं और विपक्ष को हर दिन आठ घंटे सुना।

जगदंबिका पाल ने आज के दिन को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा, 'सरकार आज संशोधित रूप में विधेयक को संसद में लेकर आ रही है। यह निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक दिन है। आज इस विधेयक के पारित होने से गरीब और पसमांदा मुसलमानों को लाभ मिलने जा रहा है।'

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पर राजनीतिकरण करने का आरोप

पाल ने विधेयक के विरोध पर भी बात की। इस दौरान भाजपा सांसद ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'चाहे विपक्ष हो या ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जो रमजान में नमाज के दौरान मस्जिदों में काली पट्टी बांधने की अपील कर रहा है, वे इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं।'

मुसलमानों के लिए सबसे बड़ी 'ईदी' होगी बिल में संशोधन : रजा

भाजपा नेता मोहसिन रजा ने वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पेश किए जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिल में संशोधन पारित होना हाशिये पर पड़े मुसलमानों के लिए सबसे बड़ी 'ईदी' होगी।

चर्चा में विपक्ष के मुद्दों पर हो विचार : चमाला

इस बीच, कांग्रेस सांसद किरण कुमार चमाला ने कहा कि यदि विधेयक किसी विशेष समुदाय के खिलाफ है या उसे खत्म करने की कोशिश करता है, तो वे इसका विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने आज लोकसभा में आठ घंटे की चर्चा आयोजित करने पर सहमति दी है। चर्चा के दौरान, विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि यह एक लोकतांत्रिक मंच है। उन्होंने कहा कि मुद्दों को जेपीसी की तरह ध्वस्त नहीं करना चाहिए।

एलओसी पर सेना ने 5 घुसपैठिए मार गिराए

सेना बोली-कृष्णा घाटी की घटना; पाकिस्तान ने फायरिंग कर संघर्ष विराम तोड़ा

श्रीनगर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। हालांकि, इसे लेकर सेना का आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना मंगलवार शाम को पुंछ में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई। एलओसी से सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी।

भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी। जिसमें 4 से 5 घुसपैठियों मारे गए। फायरिंग और ब्लास्ट को लेकर सेना से दैनिक भास्कर ने बात की। सेना ने कहा- एक अप्रैल को एलओसी के उस पार से पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। इसके कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के फायरिंग की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया।' सेना ने कहा-हमारे सैनिकों ने फायरिंग का जबाव दिया। स्थिति नियंत्रण में है और इस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। भारतीय सेना एलओसी पर शांति बनाए रखने के लिए साल 2021 के डीजीएसएमओ समझौते को बनाए रखने की अपील करती है। इधर कठुआ में सुरक्षाबलों का 2 आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन जारी है। राजौरी जिले में सुंदरबनी के सिया बदराई इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान तलाया जा रहा है। यह इलाका बॉर्डर से सटा हुआ है। जून 2024 में आतंकियों ने यहां पर शिव खोरी से लौट रही बस पर हमला किया था।

लालू की तबीयत बिगड़ी शुगर बढ़ने की खबर

पटना, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत बीते 2 दिनों से बिगड़ गई है। बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने पिता लालू प्रसाद को लेकर पारस हॉस्पिटल पहुंचे थे। जहां डॉक्टर्स की एक टीम ने उनका हेल्थ चेकअप किया। इसके बाद वे राबड़ी आवास के लिए निकल गए।

तेजस्वी यादव ने बताया कि दिल्ली एम्स में उनका इलाज होगा। कई दिनों से उनके कंधे और हाथ में जख्म था। लगातार इसकी मॉनिटरिंग कर रहे थे। बाद में पता चला कि बीपी काफी लो रह रहा है।' 'दिल्ली एम्स उनको ले जाना था, लेकिन जब चेकअप हुआ तो उनका बीपी लो होकर 88 और 44 हो गया था। इसके बाद डॉक्टर से संपर्क किया गया। डॉक्टर ने बताया कि जब तक स्टेबल नहीं होते हैं, तब तक फ्लाइट से भेजना सही नहीं होगा।'

वक्फ विधेयक पर किसे-किसका समर्थन

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 को फिर से पेश कर दिया गया। इस विधेयक के संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में भेजे जाने के बाद अब इसे नए सिरे से पेश किया गया है। सदन में बहस के बाद इस पर मतदान होगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि संसद में इस वक्त सत्तापक्ष और विपक्ष के पास कितना संख्या बल है? कौन सा राजनीतिक दल किस ओर है? भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए लोकसभा और राज्यसभा में किस तरह इस विधेयक को पास करा सकता है? इसके अलावा विपक्ष के पास इस वक्त दोनों सदनों में कितना समर्थन है? विधेयक के पास होने के बाद क्या होगा?

543 सदस्यीय लोकसभा में इस वक्त 542 सांसद हैं। पश्चिम बंगाल की बशीरहाट सीट अभी रिक्त है। वक्फ संशोधन विधेयक को पास कराने के लिए 272 सदस्यों के समर्थन की जरूरत होगी। मौजूदा समय में एनडीए गठबंधन की सरकार है यानी इस गठबंधन के पास 272 से ज्यादा संख्याबल है। एनडीए गठबंधन में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। इस गठबंधन में अकेले भाजपा के 240 सांसद हैं। वक्फ विधेयक पास कराने के लिए भाजपा को 32 सांसदों की जरूरत होगी। कुछ मतभेदों के बावजूद तेलुगुदेशम पार्टी (टीडीपी) ने वक्फ संशोधन विधेयक पर भाजपा के साथ रहने की बात कही। टीडीपी के लोकसभा में 16 सांसद हैं। दूसरी तरफ जदयू के 12 सांसद भी विधेयक के साथ हैं। लोजपा (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने अपने 5 सांसदों के समर्थन की बात कही है।

ऐसे ही एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, जयंत चौधरी की रालोद, एचडी देवेगौड़ा की जनता दल (सेक्युलर) और पवन कल्याण की जनसेना पार्टी भी वक्फ संशोधन विधेयक को पास कराने के पक्ष में है। इन दलों के अलावा अजित पवार की राकांपा, अनुप्रिया पटेल का अपना दल, जीतनराम मांझी का हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम), ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन और पूर्वोत्तर के दल- असम गण परिषद, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल ने भी एनडीए के साथ ही जाने का एलान किया है।

विपक्षी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ साथ आने का फैसला किया है। इनमें सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस है, जिसके 99 सांसद हैं। वहीं, दूसरा सबसे बड़ा दल अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी है, जिसके लोकसभा में 37 सांसद हैं। इसके अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी, एमके स्टालिन की डीएमके, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार की राकांपा-एसपी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) जैसे दलों ने भी लोकसभा में वक्फ विधेयक में संशोधनों के खिलाफ वोट करने का फैसला किया है। इन पार्टियों के अलावा असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), वाईएसआरसीपी और आजाद समाज पार्टी ने भी वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध का फैसला किया है।

इसके अलावा लोकसभा में इस वक्त 7 निर्दलीय सांसद हैं, जिनमें पप्पू यादव, मोहमद हनीफा और विशाल पाटिल वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ हैं। इसके अलावा जोराम पीपल्स मूवमेंट और शिरोमणि अकाली दल ने अब तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

पश्चिमी हिंद महासागर में 2500 केजी से अधिक मादक पदार्थ

भारतीय नौसेना की बड़ी सफलता

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिमी हिंद महासागर में भारतीय नौसेना ने 2,500 किलोग्राम से ज्यादा मादक पदार्थ जब्त किया गया है। भारतीय नौसेना को यह बड़ी सफलता हाथ लगी है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि नौसेना के अग्रणी युद्धपोत आईएनएस तरकश ने पश्चिमी हिंद महासागर में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किए हैं। उन्होंने बताया कि 31 मार्च को नौसेना के कुछ जहाजों को संदिग्ध गतिविधियों के बारे में सूचना मिली थी। इसके बाद मादक पदार्थों को जब्त करने का अभियान शुरू किया गया। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि आसपास के सभी संदिग्ध जहाजों से व्यवस्थित तरीके से पूछताछ करने के बाद आईएनएस तरकश ने पी8आई समुद्री निगरानी विमान और मुंबई में समुद्री संचालन केंद्र के साथ समन्वित प्रयासों से एक संदिग्ध जहाज को रोका गया। इसके बाद उसकी गहन जांच की गई है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और क्षेत्र में संभावित रूप से संचालित अन्य जहाजों की पहचान करने के लिए अपने हेलीकॉप्टर लॉन्च किए।

मरीन कमांडो के साथ एक विशेषज्ञ बोर्डिंग टीम संदिग्ध जहाज पर चढ़ी और गहन तलाशी ली। इस दौरान कई सीलबंद पैकेट मिले। उन्होंने बताया कि आगे की तलाशी और पूछताछ में पता चला कि जहाज पर विभिन्न कार्गो होल्ड और डिब्बों में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ रखे हुए हैं। इसमें 2,386 किलोग्राम हशीश और 121 किलोग्राम हेरोइन शामिल है। प्रवक्ता ने बताया कि संदिग्ध नाव को बाद में आईएनएस तरकश की जद में लाया गया और चालक दल के सदस्यों से उनकी कार्यप्रणाली और क्षेत्र में अन्य समान जहाजों की मौजूदगी के बारे में पूछताछ की गई।

बंगाल में 8 दिनों तक पुलिस की सारी छुट्टियां कैंसिल, सरकार ने क्यों लिया ये फैसला?

कोलकाता, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पुलिसकर्मियों को 8 दिन तक कोई छुट्टी नहीं मिलेगी। उनकी छुट्टियों को रद्द कर दिया गया है। एक नोटिस जारी कर बताया गया है कि आवश्यक जरूरतों को छोड़कर किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। बताया गया है कि राज्य में रामनवमी और चुनावी मौसम को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसको लेकर राज्य में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। रामनवमी पर हर साल राज्य के कई इलाकों में शोभायात्राएं निकाली जाती हैं। 6 अप्रैल को रामनवमी का त्योहार है। कोलकाता शहर समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी कई संगठनों द्वारा परेड निकाली जाती है। इस बार चुनावी मौसम में बंगाल में रामनवमी को लेकर हलचल और भी बढ़ गई है। इसको लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर खास नजर रखी जा रही है। जानकारी के मुताबिक, 2 अप्रैल से 9 अप्रैल तक सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं।

बताया गया है कि अत्यंत आवश्यक जरूरतों को छोड़कर किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी।संयोग से, हर साल रामनवमी के दिन, न केवल कोलकाता शहर में बल्कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी कई संगठनों द्वारा जुलूस निकाला जाता है। इस बार चुनावी मौसम में बंगाल में रामनवमी को लेकर हलचल और भी बढ़ गई है। पुलिस का यह भी मानना है कि उस दिन बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर रहे होंगे। त्योहार और चुनावी सीजन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एडीजी दक्षिण बंगाल ने कुछ दिन पहले चिंता व्यक्त की थी। कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी बार-बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बता रहे हैं कि रामनवमी पर किसी भी तरह की अशांति को रोकने के लिए पुलिस सतर्क है। सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। मंगलवार को कोलकाता के मेयर मनोज वर्मा ने शहर के बड़े इलाकों का दौरा किया। उन्होंने गार्डन रीच सहित शहर के विभिन्न इलाकों में उन सभी स्थानों का भी दौरा किया, जहां से रामनवमी जुलूस शुरू हो सकते हैं।

बिहार में पुल ढहने की घटनाओं पर लगी याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने अर्जी पटना हाईकोर्ट स्थानांतरित की

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक जनहित याचिका को पटना हाईकोर्ट को स्थानांतरित कर दिया। याचिका में बिहार में हाल ही के महीनों में कई पुल ढहने के बाद उनकी सुरक्षा और टिकाऊपन के बारे में चिंता जताई गई थी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने कहा कि पटना हाईकोर्ट राज्य में पुलों के संरचनात्मक और सुरक्षा ऑडिट सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों की निगरानी कर सकता है। यह निगरानी मासिक आधार पर किया जा सकता है। पीठ ने जनहित याचिका लगाने वाले याचिकाकर्ता और वकील ब्रजेश सिंह, राज्य के अधिकारियों और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को 14 मई को हाईकोर्ट में पेश होने के लिए कहा। उसी वक्त अगली सुनवाई की तारीख तय की जाएगी। सुनवाई में राज्य सरकार ने कहा कि उसने राज्य में लगभग 10,000 पुलों का निरीक्षण किया है। पीठ ने कहा, 'हमने जवाबी हलफनामे पर गौर किया है। हम मामले को पटना उच्च न्यायालय स्थानांतरित कर रहे हैं। जवाबी हलफनामे में राज्य प्राधिकारियों ने बताया है कि वे क्या कर रहे हैं।।।।' पिछले साल 18 नवंबर को शीर्ष अदालत ने बिहार सरकार और अन्य को इस मुद्दे पर जनहित याचिका पर जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया था। इससे पहले याचिकाकर्ता ने बिहार में पुलों की जर्जर स्थिति को उजागर करने के लिए विभिन्न समाचार पत्रों व वेबसाइट्स की रिपोर्टों और अन्य दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लाने की अनुमति मांगते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने 29 जुलाई, 2024 को बिहार सरकार और एनएचएआई सहित अन्य से याचिका पर जवाब मांगा था। जनहित याचिका में संरचनात्मक ऑडिट के लिए निर्देश देने और पुलों की पहचान करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने की मांग की गई थी।

मासूम ने मांगा टीवी रिमोट

'जल्लाद' ने 7 साल की बच्ची के गले पर मार दी लोहे की रॉड, बेरहमी से की हत्या

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के स्वरूप नगर में सात साल की बच्ची की हत्या के मामले में उसके पिता के दोस्त को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने कथित तौर पर टीवी रिमोट को लेकर हुए झगड़े के बाद बच्ची की हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान 35 साल के रंजीत सिंह के रूप में हुई है, जिसे नरेला औद्योगिक क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि रंजीत मूल रूप से बिहार का निवासी है और स्वरूप नगर के भट्टा रोड क्षेत्र में रहता है। वह एक फैक्टरी में मजदूरी करता है। पुलिस को रविवार को जे-ब्लॉक, खड्डा कॉलोनी में लोगों की भीड़ जमा होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने एक घर में बच्ची को जमीन पर अचेत अवस्था में पाया और उसके शरीर पर चोट के निशान थे। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यौन उत्पीड़न के कोई संकेत नहीं मिले, लेकिन पोस्टमॉर्टम के लिए शव को सुरक्षित रख लिया गया। उन्होंने कहा कि पूछताछ में रंजीत ने अपराध स्वीकार कर लिया। घटना वाले दिन रंजीत ने बच्ची के पिता के साथ शराब पी थी। फिर वह (आरोपी) घर से चला गया लेकिन कुछ देर बाद वापस आकर टीवी देखने लगा, जबकि बच्ची अपने पिता के मोबाइल पर 'गेम' खेल रही थी। अधिकारियों के अनुसार, इसी दौरान बच्ची ने टीवी रिमोट से उसे परेशान कर दिया,

एमपी: बालाघाट-मंडला सीमा पर पुलिस और नक्सलियों की मुठभेड़, दो महिला नक्सली ढेर

बालाघाट, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट और मंडला जिले की सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो महिला नक्सली ढेर हो गईं। बालाघाट के पुलिस अधीक्षक एसपी रजत सकलेचा ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ बुधवार की सुबह हुई। इसमें सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी हुई, इसी दौरान दोनों महिला नक्सली की जान चली गई। उनके कब्जे से एक एसएलआर राइफल एवं एक राइफल, वायरलेस सेट और अन्य दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद की गई है। पुलिस और हॉकफोर्स की सर्चिंग जारी है। बताया जा रहा है दोनों मृतक नक्सलियों पर 14-14 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस अभियान में विशेष रूप से नक्सली गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए गठित हॉक फोर्स शामिल है। यह फोर्स मध्य प्रदेश के उन इलाकों में सक्रिय है, जहां नक्सली गतिविधियां लंबे समय से देखी जा रही हैं। पुलिस का दावा है कि इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में नक्सलियों के प्रभाव को कमजोर करना और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। बालाघाट और मंडला जिले नक्सल प्रभावित क्षेत्र माने जाते हैं। इन इलाकों में समय-समय पर नक्सली गतिविधियों की खबरें आती रहती हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां लगातार नक्सल विरोधी अभियानों को अंजाम दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि खुफिया सूत्रों से उन्हें सूचना मिली थी कि नक्सली इस इलाके में सक्रिय हैं और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इसी सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया और मुठभेड़ हो गई। हाल ही में मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व के पास भी पुलिस ने एक नक्सली को मार गिराने का दावा किया था।

हालांकि, इस घटना ने विवाद को जन्म दे दिया, क्योंकि स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया था कि मारा गया व्यक्ति नक्सली नहीं बल्कि एक निर्दोष आदिवासी था। इसको लेकर पुलिस को सफाई भी देनी पड़ी थी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। सुरक्षा बल यह सुनिश्चित करने में लगे हैं कि कोई अन्य नक्सली इस इलाके से बचकर न भाग सके। पुलिस ने दावा किया है कि इस ऑपरेशन के बाद इलाके में नक्सली गतिविधियों पर लगाम लगेगी।

14 दिन बढ़ाई गई साहिल और मुस्कान की न्यायिक हिरासत, एक-दूजे को देख हुए भावुक

मेरठ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मेरठ के चर्चित सौरभ राजपूत की हत्या के मामले में जेल में बंद पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल की आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेशी कराई गई। दोनों हत्यारोपियों को 14-14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। जेल जाने के बाद दोनों आरोपियों की यह पहली पेशी हुई। आज पेशी के दौरान उनकी न्यायिक हिरासत को और बढ़ाया है। दोनों ही आरोपियों की जेल के भीतर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेशी कराई गई। एक ही कमरे में दोनों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा पेशी हुई। दोनों ही आरोपी 14 दिन बाद दोनों एक-दूजे से मिले और एक-दूसरे को देखा। बताया गया कि दोनों आरोपी एक-दूसरे को देखकर भावुक हो गए। बताया गया कि दोनों ही लगभग दो मिनट तक साथ रहे। हालांकि इस दौरान दोनों की आपस में दोनों के बीच कोई बात नहीं हुई। बता दें कि मुस्कान और साहिल सौरभ हत्याकांड के आरोपी हैं। मुस्कान ने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर लंदन से लौटे पति सौरभ की हत्या की। शव के टुकड़े कर एक नीले ड्रम में भरकर उसे सीमेंट से चिन दिया था। इसके बाद दोनों आरोपी ट्रिप पर हिमाचल चले गए। बताया गया कि अब अगली पेशी 15 अप्रैल को होगी।

वक्फ बिल पर महबूबा मुफ्ती का बड़ा बयान

पाकिस्तान ऐसा ही करके तबाही के रास्ते पर चला गया

जम्मू, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बवाल जारी है। सरकार ने आज (बुधवार, 2 अप्रैल) ही लोकसभा में बिल को पेश किया। बिल पर विपक्षी दलों ने कड़ी आपत्ति जताई है। इस बीच जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि हमारा मुल्क भाईचारे के लिये जाना जाता है। बीजेपी के कारण आज मुसलमान के साथ जुल्म हो रहा है। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान ऐसे ही करके तबाही के रास्ते पर चला गया। आने वाले समय में पूरे मुल्क को भुगतना पडेग़ा।" मुफ्ती ने कहा, "मुसलमानों को तंग करने की, मुसलमानों को बेइख्तियार करने की एक साजिश है। बीजेपी सरकार से हमें तो कोई उम्मीद नहीं है, 10-11 साल से हम देख रहे हैं कि किस तरह मुसलमानों को लिंच किया जाता है। मस्जिदें तोड़ी जाती है। कब्रिस्तान पर कब्जा करने की कोशिश की जाती है।"

हिंदुओं से महबूबा मुफ्ती की अपील

उन्होंने कहा, "इस मुल्क के जो हिंदू भाई हैं, उन्हें सामने आना चाहिए। क्योंकि ये गांधी का मुल्क है। संविधान के हिसाब से चलना चाहिए। वो अगर नहीं चाहते हैं कि हम म्यंमार जैसे नहीं बनें, हमारे मुसलमानों के साथ वही हो, जो कश्मीरी पंडित कहते हैं कि हमारे साथ हुआ हुआ, तो उनको सामने आना चाहिए, जिसके लिए हम अभी भी शर्मिंदा हैं। बीजेपी की पॉलिसी है, मुल्क को ये लोग तोड़ रहे हैं। लेकिन इन्हें समझना चाहिए कि इन्हें भी जाना है। वक्फ बोर्ड को ओवरटेक करने की कोशिश हो रही है। मुझे लगता है कि इसे रोकना चाहिए।"

सरकार ने क्या कहा?

संसदीय कार्यमंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने बिल पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि विपक्ष के लोग मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में कहा, "अगर हमने आज यह संशोधन पेश नहीं किया होता, तो हम जिस संसद भवन में बैठे हैं, उस पर भी वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा सकता था।" उन्होंने कहा कि अगर पीएम मोदी की सरकार सत्ता में नहीं आती, तो कई संपत्तियां गैर-अधिसूचित हो चुकी होतीं। इस बिल का विरोध करके नुकसान होने वाला है। कांग्रेस की बात में मत आना आप लोग, ये लोग भी आपको दुआ देंगे। करोड़ों मुसलमान आपको दुआ देगा।"

पहले कुचला, फिर मदद के बहाने गाड़ी में बिठाया और आगे जाकर गाड़ी से फेंक दिया

नागपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर से इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। जहां दुर्घटना के बाद घायल के आसपास लोगों की भीड़ लग गई, तो कार चालक ने घायल को अस्पताल ले जाने का नाटक किया और उन्हें कुछ दूर आगे जाकर पुल से फेंक दिया। चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि काफी देर तक वहीं पड़े रहने के बाद उसकी मौत हो गई। मृतक का नाम कृष्णा बोरसे है। कृष्णा बोरसे नागपुर में मिहान एसईजेड से सटे कैंसर संस्थान के पास अपनी बाइक पर काम से घर लौट रहे थे, तभी उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई । एक कार चालक की टक्कर से कृष्णा गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। कार चालक कृष्णा को अस्पताल ले जाने की बात कहते हुए उसे नागपुर की ओर ले गया।

इसरो ने दी बड़ी खुशखबरी! बारिश में कहां गिरेगी बिजली, पहले ही मिल जाएगा अलर्ट

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बारिश के मौसम में हर साल देशभर की अलग-अलग जगहों से बिजली गिरने की खबर सामने आती है। बिजली गिरने की वजह से हर साल भारी जान माल का नुकसान भी होता है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। बारिश के मौसम में बिजली कहां पर गिरेगी अब इसकी जानकारी पहले ही मिल जाएगी। इसरो ने एक ऐसी टेक्नोलॉजी तैयार की है जिससे बिजली गिरने का अलर्ट पहले ही मिल जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंदान संगठन ने बिजली गिरने का पूर्वानुमान की क्षमता हासिल कर ली है। इसरो की इस उपलब्धि ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। इसरो की तरफ से बताया गया कि भारतीय भूमिस्थिर उपग्रहों के डेटा को कलेक्ट करके बिजली गिरने की के पूर्वानुमान का पता लगाने में सफलता मिली है। इस उपलब्धि को इसरो के राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ने हासिल की है।

2.5 घंटे पहले ही मिल जाएगा अलर्ट

राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र के वैज्ञानिकों इनसैट-3डी उपग्रह से प्राप्त 'आउटगोइंग लॉन्गवेव रेडिएशन'में खास तरह के संकेत देखे। वैज्ञानिकों ने पाया जब ओएलआर की स्पीड में कमी मिलती है तो इससे आकाशीय बिजली गिरने की संभावना बनती है। नई तकनीक के जरिए बिजली गिरने से करीब 2.5 घंटे पहले पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। इसरो की इस नई तकनीक से आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्र में अहम मदद मिलने वाली है। इसरो की नई टेक्नोलॉजी की मदद से लोगों को पहले से ही उस जगह से हटाया जा सकेगा जहां पर बिजली गिरने की संभावना है। इससे जान-माल की हानि भी कम से कम हो सकेगी। आपको बता दें कि बिजली गिरने का पता लगाने में और सुधार करने के लिए, टीम ने भूमि सतह तापमान (एलएसटी) और हवा सहित अतिरिक्त मापदंडों को शामिल किया, इसका एक मात्र उद्देश्य इसके पूर्वानुमान की सटीकता को बढ़ाना था। इस नई टेक्नोलॉजी के साथ मौसम विभाग करीब 2.5 घंटे पहले जानकारी दे सकेगा कि कहां पर बिजली गिरने वाली है।

'बच्चों की सुरक्षा को लेकर कार्रवाई करे एमसीडी, दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा संचालित एक स्कूल के परिसर में कथित अनाधिकृत निर्माण, अवैध दुकानों और एक धार्मिक ढांचे की मौजूदगी से संबंधित मामले में दायर की गई जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने स्कूल में खिड़की-दरवाजे नहीं होने और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि ऐसे खुले स्थान बच्चों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना एमसीडी की जिम्मेदारी बनती है। एमसीडी को उचित व्यवस्था करने और बच्चों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। अवैध दुकानों के मामले में न्यायालय ने एमसीडी को जांच करने के निर्देश जारी किए। न्यायालय ने कहा कि यदि स्कूल परिसर में कोई भी दुकान अवैध रूप से संचालित पाई जाती है तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। कोर्ट ने साथ ही मामले का निपटारा कर दिया। न्यायालय ने कहा कि स्कूलों में आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाने जरूरी हैं। एमसीडी को सुरक्षा बढ़ाने के लिए स्कूल के चारों ओर एक दीवार का निर्माण करने के आदेश भी कोर्ट ने जारी किए। पीठ ने कहा कि जनहित याचिका में जो शिकायतें की गई हैं, उनके ऊपर ध्यान देने की जरूरत है। याचिका में किए गए दावों को एमसीडी गंभीरता से ले। आरोपों की पुष्टि होती है और धार्मिक निर्माण की बात सामने आती है तो मामले को विचार के लिए धार्मिक समिति को भेजा जाए। वहीं, एमसीडी के वकील ने स्पष्ट किया कि विचाराधीन धार्मिक ढांचा स्कूल की स्थापना से पहले का है। सुप्रीम कोर्ट भी स्पष्ट कर चुका है कि ऐसे किसी ढांचे से संबंधित शिकायत का समाधान धार्मिक समिति द्वारा किया जाना चाहिए। कथित अवैध दुकानें भी स्कूल परिसर के बाहर हैं। बता दें कि सेव इंडिया फाउंडेशन द्वारा अधिवक्ता उमेश शर्मा के माध्यम से जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें चिंता जताई गई थी कि एमसीडी संचालित स्कूल में सैकड़ों छात्र-छात्राएं पढ़ती हैं। स्कूल में खिड़कियां और दरवाजे नहीं हैं, बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

पाथर प्रतिमा विस्फोट मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

कोलकाता, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में हुए विस्फोट मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बुधवार को मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। धमाके में आठ लोग मारे गए थे। मुख्य आरोपी चंद्रकांत बनिक पटाखा निर्माण इकाई का मालिक है। यह इकाई उस घर से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। यहां सोमवार देर रात विस्फोट हुआ था। सुंदरबन पुलिस जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने पीटीआई को बताया, 'हमने विस्फोट के सिलसिले में मुख्य आरोपी चंद्रकांत बनिक को गिरफ्तार कर लिया है।' बनिक से पूरी रात पूछताछ की गई और बुधवार सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस सिलसिले में यह पहली गिरफ्तारी है, जबकि पुलिस बनिक के भाई की तलाश कर रही है, जो फरार है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा, 'फोरेंसिक विशेषज्ञ इस बात की जांच कर रहे हैं कि जिस घर में विस्फोट हुआ, उसके अंदर पटाखे बनाने के लिए कच्चा माल रखा गया था या नहीं।' पथर प्रतिमा में एक आवासीय घर के अंदर गैस सिलेंडर फटने से चार बच्चों सहित एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। दरअसल, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में सोमवार रात भीषण हादसा हुआ था। यहां एक घर में गैस सिलेंडर में भीषण विस्फोट हुआ, जिसके कारण आठ लोगों की मौत हो गई थी। सुंदरबन पुलिस जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने बताया कि मरने वालों में चार बच्चों और दो महिलाएं भी शामिल हैं। मृतक संभवतः एक ही परिवार के थे। उन्होंने यह भी बताया कि पाथर प्रतिमा ब्लॉक के धोलाघाट गांव में रात करीब 9 बजे विस्फोट हुआ था। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि जिस इमारत में यह घटना हुई, वह क्रूड बम निर्माण इकाई थी।

संजय राउत का देवेंद्र फडणवीस पर पलटवार

'वक्फ संशोधन विधेयक और हिंदुत्व के बीच कोई संबंध नहीं है'

मुंबई, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार (2 अप्रैल) को वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश किया। इसपर चर्चा जारी है। इस बिल का विपक्षी पार्टियां विरोध कर रही है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पलटवार किया है। उन्होंने फडणवीस के पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए कहा, "देवेंद्र जी, वक्फ संशोधन विधेयक और हिंदुत्व के बीच कोई संबंध नहीं है। यह आपकी पार्टी का अराजकता पैदा करने का तरीका है! राहुल गांधी का विषय है तो उनकी दादी ने अमेरिका को आंख दिखाई; और उन्होंने पाकिस्तान को दो भागों में बांटकर विभाजन का बदला ले लिया! क्या आपके पास यह साहस है? बोलिए।"

इससे पहले मंगलवार (1 अप्रैल) को फडणवीस ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को निशाने पर लेते हुए एक्स पर पोस्ट लिखा था। उन्होंने कहा, "देखना यह है कि क्या उद्धव बालासाहेब ठाकरे सेना और आदरणीय शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के विचारों को कायम रखेंगे या फिर राहुल गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए उनकी खुशामद करते रहेंगे?" इसी बयान को लेकर संजय राउत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

वहीं एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के सांसद नरेश म्हस्के ने संजय राउत को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, "मुस्लिम वोट पाने के लिए विपक्षी पार्टियां वक्फ संशोधन बिल को लेकर झूठ फैला रही है। यह बिल गरीब मुस्लिम के फायदे के लिए है। बालासाहेब ठाकरे ने भी वक्फ का विरोध किया था। आज संजय राउत और यूबीटी वाले हिंदुत्व भूल चुके हैं। झूठ बोल रहे हैं और वो राहुल गांधी के पपेट हैं।" शिवसेना वक्फ बिल का समर्थन कर रही है। शंभुराज देसाई ने कहा, शिवसेना केंद्र सरकार का हिस्सा है, वह पीएम मोदी के नेतृत्व में काम कर रही है, सरकार के बारे में हमारा भी यही विचार है। जब संसद में ऐसे महत्वपूर्ण विधेयक चर्चा के लिए आते हैं, तो उससे पहले सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया जाता है, तीन लाइन का व्हिप दिया जाता है,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: चाहे कोई आपकी निन्दा या अपमान करता है फिर भी उस पर मुस्कान व शुभकामनाओं के पुष्पों की वर्षा करें

दमरे ने स्क्रैप की बिक्री के माध्यम से 501.72 करोड़ रुपये कमाएं

* अब तक का उच्चतम राजस्व दर्ज किया

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने 'मिशन जीरो स्क्रैप' में 501.72 करोड़ रुपये दर्ज करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान स्क्रैप की बिक्री के माध्यम से अब तक का सबसे अधिक राजस्व है। जोन ने वित्तीय वर्ष के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य (430 करोड़ रुपये) को पार कर लिया है और पिछले वित्तीय वर्ष (2023-24) की तुलना में राजस्व में वृद्धि दर्ज की है जो 411.39 करोड़ रुपये था। एससीआर स्क्रैप की बिक्री को बढ़ावा देकर तथा भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित ई-नीलामी के माध्यम से बिक्री करके संसाधनों के इष्टतम उपयोग में अग्रणी रहा है। ई-नीलामी प्रक्रिया ने पूरे भारत में बोलीदाताओं के बीच पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धी बोली में सुधार किया है तथा डिजिटल इंडिया अवधारणा के हिस्से के रूप में कागज रहित लेनदेन सुनिश्चित किया है। इससे मैनुअल नीलामी के दौरान मौजूद बिचौलियों की संख्या में और कमी आई है। ई-नीलामी ने भागीदारी में सुधार किया है तथा खरीदारों की शिकायतों में भारी कमी की है।

एससीआर के सामग्री प्रबंधन विभाग ने मिशन जीरो स्क्रैप परियोजना को अपने कंधों पर उठाया है तथा यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी स्क्रैप एक महीने से अधिक समय या एक ट्रक लोड मात्रा से अधिक जमा न हो। इसने कार्यशालाओं, विभिन्न रेलवे इकाइयों तथा परिसरों की सफाई में योगदान दिया है, तथा प्रत्येक स्क्रैप सामग्री को राजकोष के लिए वित्तीय संसाधन में परिवर्तित किया है। इस परियोजना ने भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान में भी काफी हद तक योगदान दिया है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने में उनके सराहनीय प्रयासों के लिए सामग्री प्रबंधन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ई-नीलामी प्रक्रिया ने पारदर्शिता बढ़ाने और व्यावसायिक संचालन को सुव्यवस्थित करने में एक परिवर्तनकारी प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल दृष्टिकोण ने रेलवे और बोलीदाताओं के बीच की खाई को कम कर दिया है। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने प्रयासों में लगे रहने का आग्रह किया, जिसका लक्ष्य भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करना है।

सट्टा लगाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ 5 गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (पूर्व) टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय संगठित ऑनलाइन 'सट्टा' सट्टेबाजी गिरोह का भंडाफोड़ किया और बुधवार को चिलकलगुडा में पांच लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने एक लाख रुपये नकद और चार लाख रुपये मूल्य के गैजेट जब्त किये हैं। गिरफ्तार किए गए गिरोह के सदस्य पी सदाशिवुडु, एम यादगिरी, वाई कार्तिक, फैजान खान और टी पुन्नम चंद्र गौड़ हैं, जो सभी वारंगल के मूल निवासी हैं। मुख्य संदिग्ध और सरगना राजेंद्र फरार है।

पुलिस के अनुसार, राजेंद्र पिछले तीन सालों से चिलकलगुडा में किराए के मकान में रहकर ऑनलाइन सट्टा सट्टेबाजी का धंधा कर रहा था। उसने अपने भतीजे सदाशिवुडू और अन्य लोगों को मदद के लिए रखा था और उन्हें अच्छी तनख्वाह देने का वादा किया था। पुलिस ने बताया कि उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सट्टा लगाना स्वीकार किया और सट्टेबाजों को डिजिटल वॉलेट के माध्यम से भुगतान किया।

विधानसभा में दिए गए बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सीएम को लगाई फटकार

नई दिल्ली/हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को राज्य विधानसभा में दिए गए उनके बयान को लेकर फटकार लगाते हुए कहा कि वह दलबदल विरोधी कानून का मजाक उड़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा था कि यदि विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हो जाते हैं तो भी कोई उपचुनाव नहीं होगा। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने बीआरएस नेताओं द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मुख्यमंत्री की आलोचना की, जिसमें पिछले साल कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की गई थी। पीठ ने कहा कि यदि यह बात सदन में कही गई है, तो आपके मुख्यमंत्री 10वीं अनुसूची का मजाक उड़ा रहे हैं।

बीआरएस विधायक पी. कौशिक रेड्डी ने बीआरएस टिकट पर चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस में शामिल होने वाले विधायकों टी. वेंकट राव, दानम नागेंद्र और कडियम श्रीहरि को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। पिछले साल नवंबर में तेलंगाना उच्च न्यायालय ने तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं पर उचित समय के भीतर फैसला करने का निर्देश दिया था। बाद में, कौशिक रेड्डी और एक अन्य बीआरएस विधायक के. पांडु विवेकानंद और भाजपा विधायक ए. महेश्वर रेड्डी ने सर्वोच्च न्यायालय में अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं, जिसमें अध्यक्ष को समयबद्ध तरीके से अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने का निर्देश देने की मांग की गई। सर्वोच्च न्यायालय बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव की याचिका पर भी सुनवाई कर रहा है , जिसमें कांग्रेस में शामिल हो गए सात अन्य बीआरएस विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की गई है।

चॉकलेट चुराने के शक में सुपरमार्केट स्टाफ ने की नाबालिग लड़के की पिटाई

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर इब्राहिमपटनम में मंगलवार को एक सुपरमार्केट के कर्मचारियों ने एक नाबालिग लड़के को बंधक बनाकर उसकी पिटाई कर दी, कथित तौर पर इस संदेह में कि उसने स्टोर से चॉकलेट चुराई है। नलगोंडा जिले का यह लड़का इब्राहिमपटनम के मंचल में बीसी वेलफेयर गुरुकुल स्कूल में कक्षा 9 में पढ़ता है। पुलिस के अनुसार, दोपहर में छात्र सुपरमार्केट में खाने-पीने का सामान खरीदने गया था। लेकिन वहां मौजूद कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि छात्र ने चॉकलेट चुराई है और उसे गोदाम में बंद कर दिया और उसकी पिटाई की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले की जानकारी मिलने पर वार्डन और शिक्षकों ने सुपरमार्केट प्रबंधन के खिलाफ इब्राहिमपटनम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

रेवंत रेड्डी ने पिछड़े वर्गों को फिर धोखा दिया : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री तथा तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि वे दिल्ली में पिछड़े वर्गों के संगठनों द्वारा पिछड़े वर्गों के आरक्षण का हवाला देकर किए गए विरोध प्रदर्शन को 42% पिछड़े वर्गों के आरक्षण के क्रियान्वयन से बचने के प्रयास के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, "हम पहले से ही कह रहे हैं कि रेवंत रेड्डी पिछड़ी जातियों को आरक्षण देने में ईमानदार नहीं हैं। यह बात अब एक बार फिर साबित हो गई है। पिछड़ी जातियों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में देखने वाले रेवंत रेड्डी का इरादा उन्हें जब तक चाहे इस्तेमाल करने का नहीं है और उनका विकास संभव नहीं है। अब आप केंद्र सरकार को पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा करने के लिए कैसे दोषी ठहरा सकते हैं? अगर पिछड़ी जातियों को आरक्षण देना आपके अधिकार क्षेत्र में नहीं है, तो आपने वादा कैसे कर दिया? रेवंत रेड्डी इसलिए नाटक कर रहे हैं क्योंकि वे पिछड़ी जातियों को आरक्षण नहीं बढ़ाना चाहते। रेवंत रेड्डी ही असली पिछड़ी जाति के गद्दार हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ही पीछे से ये नाटक कर रहे हैं। पिछड़ी जाति के लोग यह बात नहीं भूले हैं कि राहुल गांधी को यह बात हजम नहीं हुई कि पिछड़ी जाति का व्यक्ति प्रधानमंत्री है, इसलिए उन्होंने नरेंद्र मोदी की तीखी आलोचना की। सभी जानते हैं कि राहुल गांधी ने पिछड़ी जातियों के प्रति अपना विरोध यह कहकर जाहिर किया था कि मोदी उपनाम वाले सभी लोग चोर हैं।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस शुरू से ही बीसी आरक्षण को रोक रही है और कहा कि पहले प्रधानमंत्री नेहरू ने बीसी आरक्षण को रोका और दूसरी पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने भी बीसी आरक्षण को लागू करने में बाधा डाली। यदि तत्कालीन प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने की कोशिश की, तो राजीव गांधी ने संसद में इसका कड़ा विरोध किया। राहुल गांधी ने उनकी विरासत के माध्यम से अपने दिल में बीसी विरोधी भावनाएं भर ली हैं। राहुल गांधी राज्य में बीसी आरक्षण को रोकने के लिए रेवंत रेड्डी को आगे करके नाटक कर रहे हैं।

यूएचटीए ने यूओएच की भूमि की नीलामी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (यूएचटीए) के अध्यक्ष डॉ. भंग्या भुक्या ने आज 400 एकड़ भूमि की नीलामी और छात्रों को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। 200 से अधिक संकाय, गैर-शिक्षण कर्मचारी और लगभग %00 छात्र इसमें शामिल हुए। डॉ. बीआर अंबेडकर ऑडिटोरियम से पूर्वी परिसर (400 एकड़ विवादित भूमि का स्थल) तक विरोध रैली आयोजित की गई। हालांकि, पुलिस ने जुलूस को रोक दिया और कुछ प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस ने बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज किया। फिर जुलूस विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार की ओर बढ़ा, जहां शिक्षकों और छात्रों के प्रतिनिधियों ने मीडिया को संबोधित किया और विश्वविद्यालय के कुलपति और रजिस्ट्रार को ज्ञापन देने के लिए प्रशासन की ओर मार्च किया। यूएचटीए ने मांग की कि राज्य सरकार तुरंत परिसर से पुलिस बल हटाए और अर्थमूवर का उपयोग करके हरियाली को नष्ट करने पर तुरंत रोक लगाए। साथ ही गिरफ्तार छात्रों को बिना शर्त रिहा करने और किसी भी छात्र के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाने की मांग की। यूएचटीए ने विश्वविद्यालय में विवादित 400 एकड़ भूमि के वन क्षेत्र के विनाश का राज्य सरकार द्वारा आकलन करने की मांग की और कहा कि यह आकलन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तत्काल किया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय को वन क्षेत्र को जैव-विरासत रिजर्व घोषित करने के लिए वन विभाग को एक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत करना चाहिए, उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय को अदालत में जाना चाहिए और मांग करनी चाहिए कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय और राज्य सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार ली गई 13% एकड़ भूमि (आवास समितियों को दी गई) और सड़क विकास के लिए ली गई 18 एकड़ भूमि का मुआवजा दे। उन्होंने कहा कि भले ही राज्य सरकार का दावा है कि वह 400 एकड़ भूमि का मालिक है, लेकिन स्वामित्व हरियाली को काटकर और जानवरों के आवास को नष्ट करके कानूनों का उल्लंघन करने का अधिकार नहीं देता है। विश्वविद्यालय पिछले 50 वर्षों से इस भूमि का संरक्षक है और जैव विविधता को बरकरार रखा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के संरक्षक के रूप में उसके अधिकारों को राज्य सरकार द्वारा खत्म नहीं किया जा सकता है, उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को आवंटित मूल 2324 एकड़ भूमि में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि इस भूमि का उपयोग केवल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए। हालांकि, राज्य सरकार की योजना इसे वाणिज्यिक, एक बहु-उपयोगी उद्देश्य के लिए नीलाम करने की थी जो मूल आदेश का उल्लंघन करता है।

इंडिया आर्ट फेस्टिवल कल

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में इंडिया आर्ट फेस्टिवल का भव्य उद्घाटन 4 अप्रैल को सुबह 11 बजे किंग्स क्राउन कन्वेंशन, पिलर 68, पीवीएनआर एक्सप्रेसवे, रेथी बाउली, अट्टापुर, हैदराबाद में होगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन निगम के अध्यक्ष पटेल रमेश रेड्डी शामिल होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रख्यात कलाकार लक्ष्मण ऐले, प्रख्यात मूर्तिकार और कलाकार जगदीश चिनथला, जुबली हिल्स इंटरनेशनल क्लब (जेएचआईसी) के पूर्व अध्यक्ष टुडी देवेंद्र रेड्डी और वरिष्ठ लेखक एवं क्यूरेटर प्रयाग शुक्ला भी मौजूद रहेंगे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I,ARATI KUMARI, (existing Name of daughter as per NOK) is legally daughter of No.6934329 X, Rank Hav, Name LALAN PRASAD SAH, presently residing at H.No. 29-140, New Vidya Nagar,Neredmet, Medchal Malkajgiri District-500056, Telangana State, I have Changed my Name from ARATI KUMARI (Name of Daughter as per NOK in Record) to ARTI KUMARI

I, MANGINENI RATNA KUMAR, M/O: HAV MANGINENI BAJI BABU, R/O: 3-139,KONAPALEM, KALLIPHALAM, NIZAMPATNAM, GUNTUR, ANDHRA PRADESH – 522262, HAVE CHANGED MY NAME FROM MANGINENI RATNA KUMAR TO MANGINENI RATNAKUMARI AND MY DATE OF BIRTH IS: 01-01-1976 VIDE AFFIDAVIT DT.02-04-2025.

I, MANGINENI VENKATESWARARAO, F/O: HAV MANGINENI BAJI BABU, R/O: 3-139, KONAPALEM, KALLIPHALAM, NIZAMPATNAM, GUNTUR, ANDHRA PRADESH – 522262 HAVE CHANGED MY NAME FROM MANGINENI VENKATESWARARAO TO MANGINENI VENKATESHWARARAO AND MY DATE OF BIRTH IS: 01-01-1969 VIDE AFFIDAVIT DT.02-04-2025

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हर सोमवार को एसी बस शेल्टरों का निरीक्षण किया जाएगा

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मार्च के पहले सप्ताह से ही एसी और पंखों की मरम्मत के लिए कई चरणों में आदेश जारी किए गए हैं। सभी स्थानों पर मरम्मत कार्य न किए जाने की अनेक शिकायतें मिलने के कारण, एक विशेष टीम ने पिछले सोमवार को क्षेत्र का निरीक्षण किया और पाया कि कुछ एजेंसियों ने सभी स्थानों पर मरम्मत कार्य नहीं किया था। इसके लिए कई एजेंसियों पर जुर्माना लगाया गया है। उन्हें बताया गया कि सोमवार को पुनः निरीक्षण किया जाएगा तथा यदि मरम्मत कार्य पूरा नहीं किया गया तो अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाएगा।

डीएई हाउसिंग कालोनी में धूमधाम से मना उत्कल दिवस

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डीएई हाउसिंग कालोनी में धूमधाम से उत्कल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम प्रमुख रूप से पीसी स्वाइन, गौरा हरि दास और सत्यनारायण भोई के उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। उत्कल दिवस कार्यक्रम में भक्ता भाषाल महाराणा,गोपाल चंद्र साहू,मनोरंजन साहू, गणेश कुमार साहू, लोकनाथ नायक, जितेन्द्र दास, शांतनु जेना, डमरू प्रधान, गणेश्वर नायक, सुशांत कुमार बेज और शाश्वत पत्रा उपस्थित रहे।

सरकार ने 400 एकड़ भूमि को निजी व्यक्तियों द्वारा अधिग्रहित होने से बचाया : जुपल्ली

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने दोहराया है कि राज्य सरकार ने हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (एचसीयू) से कोई भूमि नहीं ली है और वास्तव में, उन्होंने कहा कि सरकार ने 400 एकड़ भूमि को सफलतापूर्वक संरक्षित किया है जो निजी व्यक्तियों के हाथों में जा सकती थी। बुधवार को गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, मंत्री ने स्पष्ट किया कि कांचे गच्चीबावली में सर्वेक्षण संख्या 25 में स्थित 400 एकड़ भूमि एचसीयू की नहीं है। उन्होंने कहा कि भूमि को एक निजी संस्था द्वारा कानूनी रूप से पुनः प्राप्त किया गया था जो चल रहे मुकदमे में शामिल थी। फिर भी, राज्य सरकार ने अदालत में भूमि पर अपने कानूनी स्वामित्व का प्रदर्शन किया और अंततः एक कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से इसे सुरक्षित किया। उन्होंने टिप्पणी की, "दो दशकों से खाली पड़े क्षेत्र में पेड़ों की उपस्थिति जंगल नहीं है।"

मंत्री ने कहा कि हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (एचसीयू) की भूमि के संबंध में कई गलतफहमियां हैं, और कुछ ताकतें अपने राजनीतिक हितों के लिए छात्रों और लोगों दोनों को भ्रमित करने और मतभेद पैदा करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। जुपल्ली कृष्ण राव ने बताया कि राज्य सरकार हैदराबाद में उन झीलों को पुनः प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिन पर कई वर्षों से अतिक्रमण किया गया है, और सरकार को हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय से भूमि अधिग्रहण करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने आगे टिप्पणी की, "विपक्षी दल केवल छात्रों को भड़काने के लिए भ्रामक प्रचार कर रहे हैं।"

टीजीएससीएससी के 68 छात्रों ने ग्रुप-1 परीक्षा में सफलता प्राप्त की

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एस.सी.डी.डी. सरकार के प्रधान सचिव तथा तेलंगाना अनुसूचित जाति अध्ययन मंडल (टी.जी.एस.सी.) हैदराबाद के अध्यक्ष एन. श्रीधर ने बताया कि टी.जी.एस.सी. द्वारा 30 मार्च, 2025 को मुख्य परीक्षा के ग्रुप-1 सामान्य रैंकिंग सूची के लिए घोषित हाल ही के परिणामों में टी.जी.एस.सी.एस.सी. के (68) छात्रों ने 400 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

इनमें से 40 से अधिक छात्रों के ग्रुप-1 में चयन होने की उम्मीद है, जिनमें से कई छात्रों का चयन डिप्टी कलेक्टर, पुलिस उपाधीक्षक, वाणिज्यिक कर अधिकारी आदि के पदों पर हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि स्टडी सर्किल के छात्रों ने सामान्य राज्य स्तर पर शीर्ष रैंक हासिल की है। बी. वनजा (38वीं रैंक), आर. मेरी गोल्ड (56वीं रैंक), एम. रवितेजा (66वीं रैंक), किशन पटेल (%2वीं रैंक), ई. राकेश (%8वीं रैंक), बी. श्रवण (84वीं रैंक), डी. प्रवीण (105वीं रैंक) और राज्य स्तर पर एससी श्रेणी में क्रमशः दूसरा, तीसरा, चौथा और दसवां रैंक, एसटी श्रेणी में दूसरा रैंक और बीसी-डी श्रेणी में दसवां रैंक हासिल किया है।

दलित युवती के साथ गैंगरेप हत्या और बवाल के मामले में बड़ा एक्शन, इंस्पेक्टर और चौकी इंचार्ज सब नपे

प्रतापगढ़, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र में दुर्गागंज बाजार स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में काम करने वाले दलित युवती की ड्यूटी के दौरान रेप व हत्या मामले में अब एसपी ने एक बड़ा एक्शन लिया है। एसपी ने दुर्गागंज बाजार में मामले को लेकर हुए बवाल में इंस्पेक्टर रानीगंज आदित्य कुमार सिंह और चौकी इंचार्ज रोहित यादव को जिम्मेदार बनाया है, उन्होंने इस कारण इन्हें लाइन हाजिर भी कर दिया है। एसपी डॉ अनिल कुमार ने अपनी रिपोर्ट में दुर्गागंज में हुए बवाल का सीधा-सीधा इंस्पेक्टर रानीगंज आदित्य कुमार सिंह और चौकी इंचार्ज रोहित यादव की लापरवाही को कारण बताया है।

हाईकोर्ट ने कहा : महिला का शरीर उसका मंदिर

समझौते से नहीं हिला सकते उसकी नींव

प्रयागराज, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट का कहना है कि महिला का शरीर उसका मंदिर है और पवित्रता उसकी नींव। इसे किसी भी कीमत पर हिलाया नहीं जा सकता। दुष्कर्म जैसे अपराध जीवन की गरिमामयी सांसों को दबा देते हैं। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने धर्मांतरण और दुष्कर्म के आरोपी की समझौते के आधार पर मुकदमा रद्द करने की मांग खारिज कर दी। यह याचिका रामपुर के स्वार थाना क्षेत्र निवासी तौफीक ने दाखिल की थी, जिसे न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की अदालत ने कई तल्ख टिप्पणियों के साथ खारिज किया है। तौफीक पर आरोप है कि उसके जीजा मोहम्मद अयान ने फेसबुक पर राहुल के नाम से आईडी बनाई और युवती को प्रेमजाल में फंसाया। दुष्कर्म किया और फिर धर्मांतरण का प्रस्ताव नहीं मानने पर मारपीट की।

इसमें तौफीक भी बराबर का सहयोगी था। पीड़ित युवती ने सात जून 2021 को राहुल उर्फ मोहम्मद अयान, उसके साले तौफीक अहमद व मोहम्मद रियाज के खिलाफ दुष्कर्म व जबरन धर्मांतरण कराने की एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि फेसबुक पर राहुल नाम के युवक से चैटिंग शुरू हुई। करीब सालभर बाद शादी के लिए राजी होने पर उसे नवाबनगर, रामपुर ले गया। वहां छह महीने रहने पर पता चला कि राहुल का असली नाम अयान है। यह जानकर पीड़िता ने शादी से इंकार किया तो अयान ने अपने साले तौफीक व रियाज संग मिलकर उसे पीटा। दुष्कर्म किया। चंगुल से भागी पीड़िता ने मुकदमा दर्ज करवाया। फेसबुक के जरिये दूसरी लड़कियों को फंसाने और जबरन धर्म परिवर्तन कराने का आरोप भी लगाया। पुलिस ने मई 2021 में आरोप पत्र दाखिल किया, जिसके खिलाफ तौफिक ने हाईकोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने समझौते की दलील को सिरे से खारिज कर दिया। कहा, हाईकोर्ट को समझौते के आधार पर मुकदमा रद्द करने का अधिकार है, लेकिन दुष्कर्म जैसे मामलों में समझौते की बात कल्पना से परे है। मौजूदा मामले में धर्म परिवर्तन आस्था के लिए नहीं, बल्कि विवाह का आधार बनाने या उससे बचने के उद्देश्य से किया गया था। इसे सद्भावनापूर्ण नहीं माना जा सकता। गैरकानूनी धर्मांतरण भी गंभीर अपराध है।

याची ने कहा-हो गया है समझौता, मर्जी से बदला धर्म

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि दोनों पक्षकारों के बीच 2023 में समझौता हो गया है। वह मर्जी से धर्म परिवर्तन कर अयान संग रह रही थी। लिहाजा, ट्रायल कोर्ट में चल रही आपराधिक कार्यवाही रद्द की जानी चाहिए।

सरकार बोली-दुष्कर्म व धर्मांतरण समाज के खिलाफ

राज्य सरकार की ओर से अपर शासकीय अधिवक्ता प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि दुष्कर्म व धर्मांतरण समाज के खिलाफ अपराध है। समझौता केवल निजी प्रकृति के मामलों में ही पोषणीय है।

सदर अस्पताल के शौचालय में नवजात को छोड़कर भागी मां

जीविका दीदी की पड़ी नजर तो बची बच्ची की जान

अररिया, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की अररिया से दिल दहलाने वाली खबर आ रही है, जहां बेटी होने पर नवजात बच्ची को सदर अस्पताल, अररिया के शौचालय में छोड़ कर मां चली गयी। इस दौरान सफाई कर्मी शौचालय में गये, लेकिन उनकी नजर बच्ची पर नहीं पड़ी। इसके बाद जीविका दीदी जब हाथ-पैर धोने के लिए शौचालय में गयी, तो उसने नवजात बच्ची को देखते ही उसे उठा लिया। इसके बाद अस्पताल मे भीड़ लग गयी। जानकारी के अनुसार, एक मां नवजात बच्ची को सदर अस्पताल के शौचालय में रखकर बाहर से दरवाजा लगा दिया और फरार हो गयी।

जीविका कर्मी अंदर गयी, तो बच्ची की रोने की आवाज सुनी। सफाई कर्मी जितेद्र मल्लिक ने बताया कि हम बाहर बैठे हुए थे एक महिला नवजात के लेकर अंदर गयी, लेकिन हमे पता नही चला। जीविका फूलौ देवी ने बताया कि नवजात बच्ची शौचालय में पड़ी थी। वहीं, ड्यूटी पर मौजूद डॉ नंदकिशोर ने बताया कि नवजात बच्ची अभी स्वस्थ है। फिलहाल बच्ची की इलाज किया जा रहा है। वहीं, अस्पताल प्रबंधक विकास कुमार आनंद ने बताया कि बच्ची को गहन चिकित्सा कक्ष में चिकित्सक की देखरेख में रखा गया है। बच्ची को जूरी का दवा व दूध भी दिया जा रहा है। इसकी सूचना संबंधित अधिकारी को भेजी जा रही है। हालांकि महिला ने ऐसा कदम क्यों उठाया है, अभी तक इसकी जानकारी नहीं हो पायी है।

बिहार में इस महीने हीटवेव का अलर्ट

पटना, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अप्रैल का महीना लग गया है और बिहार तपने लगा है। गर्मी ने अभी से मई जैसे हालत बना दिए हैं। राज्य के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। मौसम विभाग ने हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी किया है। तीन दिन तक राज्य का पश्चिमी इलाका हीटवेव की चपेट में आने वाला है। इधर, बढती तपिश को देखते हुए लोगों ने अपने एसी और कूलरों को निकालना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग का अलर्ट भी डराने वाला है। इस बार गर्मी भीषण पड़ने वाली है। धूप भी झुलसाने वाली पड़ेगी। 21 अप्रैल से वैशाख का महीना लगने वाला है, लेकिन इससे पहले ही चिलचिलाती गर्मी ने राज्य के सभी 38 जिलों को अपनी चपेट में ले रखा है। वैशाख लगते ही हीटवेव कहर बनकर टूटेगी। आसमान से आग बरसने वाली गर्मी का आगाज पहले से हो जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, तापमान अधिक होने और हवा में नमी के कारण इस साल ठनका गिरने की संभावना कम जताई जा रही है। 2-3 तीन दिन बाद तापमान में तेजी से उछाल आएगा, जो बढ़कर 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। अप्रैल महीने में बारिश और आंधी के आसार अधिक रहते हैं। मौसम विभाग का मानना है

कि बिहार में अप्रैल महीने में 18 एमएम बारिश होनी चाहिए लेकिन इस बार सामान्य से अधिक तापमान रहने के चलते बारिश केवल 7.2 एमएम होने की संभावना है। इससे और अधिक तपिश वाली गर्मी लोगों की परेशान कर देगी। बीते तीन साल के तापमान पर नजर डाले तो राजधानी पटना समेत कई राज्यों के अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजधानी पटना में इस सप्ताह आसमान साफ रहेगा। तेज धूप निकलेगी। आज यानि बुधवार को अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इसमें लगातार बढ़ोतरी होगी जो 8 अप्रैल को अधिकतम 40 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। इस बीच 3 और 4 अप्रैल की दोपहर और शाम में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

यह 8 अप्रैल को बढ़कर अधिकतम 39 और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस तक हो जाएगा। इस दौरान आसमान साफ रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, दरभंगा में पूरे सप्ताह आसमान साफ रहेगा और चिलचिलाती धूप निकलेगी। बुधवार को अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। 8 अप्रैल को यह बढ़कर अधिकतम 39 और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

पूर्वांचल यूनिवर्सिटी में एमएससी छात्रा ने किया सुसाइड, आखिरी बार फोन पर हुई थी मंगेतर से बात

जौनपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में पूर्वांचल यूनिवर्सिटी की एमएससी बायोटेक की छात्रा ने बीती रात सुसाइड कर लिया। मंगेतर से बात करने के बाद छात्रा ने ये कदम उठाया। हालांकि, जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर की टीम ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मामला सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी का है। जलालपुर थाना क्षेत्र के कोतवालपुर गांव की रहने वाली शिवांगी मिश्रा बायोटेक डिपार्टमेंट में एमएससी सेकंड ईयर की छात्रा थी। वह लक्ष्मीबाई गर्ल्स हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी।

वक्फ बिल पेश

चंद्रशेखर आजाद और डिंपल यादव ने उठाए सवाल, बीजेपी बोली- सालों ईदी मिलेगी

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में 2 अप्रैल, बुधवार को संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। विधेयक पेश होने से पहले आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद और समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने प्रतिक्रिया दी। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के सांसदों ने इसके समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर कहा, 'आज सदन में जो स्थिति है वह उस तरह की है कि सब लोग देख रहे हैं कि कौन किस ओर खड़ा है। यह एक ऐसा समय है कि देश में जो कमजोर तबका है वह देख रहा है कि कौन उनके साथ खड़ा है या कौन लोग उनसे राजनीतिक लाभ चाहते हैं। पूरे देश का ध्यान आज संसद की ओर है।' वहीं समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने वक्फ संशोधन विधेयक पर कहा, 'सत्ता पक्ष इस बिल को लाकर हमारे मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहा है। आम जनता को इस बिल से कुछ हासिल नहीं होने वाला है। (वक्फ की) जमीनों को लेकर यह साजिश रची जा रही है। इसमें गरीबों को कुछ नहीं मिलेगा। सत्ता पक्ष उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए यह बिल ला रहा है।'

क्या बोले बीजेपी सांसद?

उधर, भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा, 'विपक्ष का वोट जा रहा है वो जो वोट बैंक की राजनीति कर रहे थे वो आजीवन के लिए खत्म होने जा रहा है। तो उनका ये पीड़ा और दुख जायज है।। पीएम मोदी इस बिल द्वारा कई जन्मों तक मुस्लिम समुदाय को ईदी देने वाले हैं।' वक्फ संशोधन विधेयक पर भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा, '।एक बहुत बड़ा तबका है जो वक्फ के नाम पर जुड़े हुए भू-माफियाओं, रियल स्टेट लोगों की ताकत के शिकंजे में पहले से ही रहा है। उन्होंने(विपक्ष) गरीब लोगों की चिंता नहीं की, तलाकशुदा महिलाओं, विधवा मुस्लिम बहनों की चिंता नहीं की लेकिन अब जब वक्फ बोर्ड में इन सभी के उद्धार का प्रावधान हो गया है तो उन्हें लगता है कि इनका वोट बैंक खिसक जाएगा। विपक्ष अफवाह फैलाना बंद करे।'

ग्रेनो में मिली 11 करोड़ की अफगान हेरोइन और कोकीन, अफ्रीकी नागरिकों समेत 5 अरेस्ट

ग्रेटर नोएडा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के छतरपुर इलाके से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 4 अफ्रीकी मूल के नागरिकों से 27.4 करोड़ रुपये की हाई-ग्रेड क्रिस्टल मेथाम्फेटामाइन और कोकीन पकड़ी। इसमें से करीब 11 करोड़ रुपये की 389 ग्राम अफगान हेरोइन और 26 ग्राम कोकीन ग्रेटर नोएडा के एक अपार्टमेंट से बरामद हुई है। एनसीबी व दिल्ली पुलिस ने यहां छापा मारकर ये बरामद किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर ये जानकारी पोस्ट की। उधर, एक बार फिर ड्रग्स तस्करों के तार ग्रेटर नोएडा से जुड़ गए हैं। इससे पहले भी एनसीबी ने ग्रेटर नोएडा में ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री और करोड़ों रुपये की ड्रग्स पकड़ी है। जब्त किए गए मादक पदार्थ में उच्च गुणवत्ता वाले क्रिस्टल मेथाम्फेटामाइन, अफगान हेरोइन और एमडीएमए शामिल हैं। ये प्रतिबंधित पदार्थ पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर में एक अफ्रीकी व्यक्ति की रसोई से आया था। उसके घर की तलाशी में 1.156 किलोग्राम क्रिस्टल मेथाम्फेटामाइन, 4.142 किलोग्राम अफगान हेरोइन और 5.776 किलोग्राम एमडीएमए जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 16.4 करोड़ रुपये है। पूछताछ के आधार पर टीम ग्रेटर नोएडा पहुंची। यहां एक आरोपी के किराये के फ्लैट से 389 ग्राम अफगान हेरोइन और 26 ग्राम कोकीन जब्त की गई। इस तरह कुल जब्त मादक पदार्थ की कीमत 27.4 करोड़ रुपये हो गई। जांच एजेंसी के अधिकारियों का कहना है कि मादक पदार्थ रैकेट में शामिल आरोपी देश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बहाने आए थे। ये एजुकेशन वीजा पर यहां आए थे।

ग्रेनो का पहले भी रहा है ड्रग कनेक्शन

इससे पहले भी अक्टूबर 2024 को कासना इंडसट्रियल एरिया में एनसीबी ने ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पकड़ी थी। इस मामले में तिहाड़ जेल के एक वॉर्डन, मुंबई के केमिस्ट, कारोबारी समेत 4 लोगों को अरेस्ट किया था। इस ड्रग्स फैक्ट्री के तार दुनिया के सबसे खतरनाक 5 मैक्सिकन ड्रग्स गिरोह से जुड़े हुए पाए गए थे।

अब तक 5 ड्रग्स फैक्ट्री पकड़ी जा चुकी हैं

ग्रेनो के अलग-अलग सेक्टरों में अब तक 5 ड्रग्स फैक्ट्री पकड़ी जा चुकी हैं। इनमें 60 से अधिक अफ्रीकी मूल के नागरिकों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इसके बावजूद शहर में विदेशी नागरिक यहां के लोगों के साथ मिलकर ड्रग्स फैक्ट्री शुरू कर लेते हैं।

कार ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

मुजफ्फरनगर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर जिले के बरला-बसेड़ा मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे एक परिवार के दो बच्चों समेत चार लोगों की मौके मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना उस समय हुई थी जब जुनेद के परिवार के लोग ईद के मौके पर रिश्तेदारों से मिलने के लिए कमालपुर (मेरठ) से सहारनपुर के गोपाली गांव जा रहे थे। पुलिस ने यह बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है। और जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार रात की है जिसमें मेरठ जिले की निवासी खुशनुमा (35), सानिया (15), तैयबा (3) और मिरहा (2) की मौत हो गई।

ज्ञानवापी में श्रृंगार गौरी मंदिर खुला

दर्शन को उमड़े भक्त:जगह-जगह फोर्स, विष्णुशंकर बोले-कोर्ट में जीत हो, इसकी कामना की

वाराणसी, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर की दीवार पर स्थापित मां श्रृंगार गौरी के दर्शन के लिए आज भीड़ उमड़ी। चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन हर साल एक ही दिन श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर सकते हैं। ज्ञानवापी केस को लेकर वाद दायर करने वाली 4 महिलाओं और वकील विष्णुशंकर जैन के नेतृत्व में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। विष्णुशंकर जैन ने कहा- कोर्ट में हमारी जीत हो, मां से ऐसी कामना की है। सत्यनारायण मंदिर और विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर 4-बी से सुबह 8.30 बजे श्रद्धालुओं की एंट्री कराई गई। दोपहर 12 बजे तक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। श्रद्धालुओं ने मंदिर मुक्ति के लिए मां से कामना की। सुबह ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के बैनर तले श्रद्धालुओं का जत्था गंगा से जल लेकर निकला। रास्ते भर श्रद्धालु भक्ति गानों पर झूमते रहे। हर-हर महादेव के जयकारे लगे। शंखनाद और डमरू वादन हुआ। सुरक्षा के बीच श्रद्धालुओं की एंट्री कराई गई। करीब 25 मिनट की विधिवत पूजा के दौरान श्रृंगार गौरी मंदिर के टूटे प्राचीन पत्थरों को सिंदूर-चंदन लगाया गया।

मंत्र पढ़कर मां की बाकायदा आराधना की गई। हिंदू पक्ष की ओर से ज्ञानवापी केस लड़ रहे एडवोकेट विष्णुशंकर जैन ने कहा- हमारी मां से यही कामना है कि ज्ञानवापी में जो अष्ट मंडल का मंदिर था वो भव्य रूप से दोबारा स्थापित हो। बाबा के शिवलिंग पर जो वजू हो रहा था, उसकी एएसआई जांच हो। वहां पर हमें पूजा का अधिकार मिले। मां श्रृंगार गौरी के मूल स्थान पर पूजा का अधिकार मिले। कोर्ट में विजय हो।

यूपी में सपा के बागी विधायकों को अखिलेश यादव ने भेजा संदेश! कसा तंज

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के बागी विधायकों पर तंज कसा है। तंज कसते हुए सपा चीफ ने विधायकों ने सियासी संदेश भी दिया है। बीते कई महीनों से बागियों पर अखिलेश यादव चुप थे। सपा चीफ ने अपनी चुप्पी उस वक्त तोड़ी जब सपा के तीन बागी विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी के नेता और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। गृह मंत्री से मुलाकात करने वाले बागी विधायकों में गोसाईंगंज से विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह और कालपी से विधायक विनोद चतुर्वेदी हैं। तीनों विधायकों की मुलाकात के बाद अखिलेश ने एक क्रिप्टिक पोस्ट की जिसको लेकर माना जा रहा है कि यह बागियों के लिए था। कन्नौज सांसद ने लिखा- जो अपने दर से दगा करता है, वो दर-दर भटकता है।

दलित बच्चे ने पी लिया टीचर के बोतल से पानी बदले में तोड़ दीं उसकी उंगलियां केस दर्ज

मैनपुरी, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक दलित छात्र को टीचर की बोतल से पानी पीना महंगा पड़ गया। टीचर ने गुस्से में छात्र को इतना पीटा कि उसके हाथ की उंगलियां टूट गईं। पुलिस ने शिकायत मिलने पर आरोपी छात्र के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है की टीचर ने दलित छात्र को स्कूल में कमरे में बंदकर पीटा। उसे जातिसूचक गालियां दी गईं। पीड़ित छात्र के परिजनों के मुताबिक, टीचर की पिटाई से उसके हाथ की दो उंगलियां टूटी हैं। पीड़ित छात्र के परिजन आरोपी टीचर के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसपी के पास पहुंचे और उन्हें घटना से अवगत कराया। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने आरोपी टीचर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामला मैनपुरी जिले के किशनी थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव हरीपुर स्थित नरेंद्र प्रताप सिंह मेमोरियल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का है।

टीचर की बोतल से पी लिया पानी

जानकारी के मुताबिक, स्कूल में गांव कैथाली निवासी दलित दशरथ सिंह का बेटा 12वीं का छात्र है। आरोप है कि 29 मार्च को वह पढ़ने के लिए स्कूल गया था। इस बीच गर्मी लगने पर उसे प्यास लगी। क्लास में टेबल पर पानी की बोतल रखी थी। उसने बोतल उठाकर उसमें भरा पानी पी लिया। वो बोतल टीचर मंगल सिंह की थी। जब टीचर ने छात्र द्वारा बोतल से पानी पीते देखा तो वह गुस्से में लाल हो गया। उसने छात्र को क्लास रूम में बंद कर दिया।

आरोप है कि टीचर गुस्से में छात्र को खींचते हुए क्लास रूम में ले गया। उसने वहां उसकी डंडे से जमकर पिटाई लगाई। इस बीच छात्र दर्द से चीखता रहा लेकिन टीचर की कोई रहम नहीं आया। उसके बाद छात्र करहाता हुआ घर पहुंचा। उसने अपने परिजनों को पूरी घटना के बारे में बताया। बेटे के चोट देख परिजन उसे अस्पताल लेकर गए। जांच में पता चला कि उसके हाथ की दो उंगलियां टूट गई हैं। नाराज परिजन छात्र को लेकर एसपी के पास पहुंचे। उन्होंने उनसे शिकायत की। एसपी ने आरोपी टीचर के खिलाफ केस दर्ज करने के निर्देश दिए।

'इतिहास बीजेपी से ज्यादा नीतीश को दोषी ठहराएगा'

वक्फ संशोधन बिल पर प्रशांत किशोर का फूटा गुस्सा

पटना, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जनसुराज पार्टी के संस्थापक और जाने-माने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर वक्फ संशोधन बिल को लेकर जनता दल यूनाइटेड की रणनीति पर बिफर पड़े। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर उनका गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग वक्फ विधेयक से खुद को खतरे में महसूस कर रहा है। जब इतिहास में इस युग को लिखा जाएगा तो इस कानून के लिए भाजपा से ज्यादा नीतीश कुमार जैसे नेताओं को दोषी ठहराया जाएगा। प्रशांत किशोर ने कहा। ' मुझे लगता है कि सरकार ध्रुवीकरण की राजनीति के लिए जल्दबाजी में यह कानून बना रही है।।। सरकार के पास लोकसभा में बहुमत नहीं है। वे यह कानून इसलिए ला पा रहे हैं क्योंकि नीतीश कुमार जैसे लोग सरकार का समर्थन कर रहे हैं; अगर नीतीश कुमार जैसे नेता लोकसभा में इस विधेयक के समर्थन में वोट नहीं करते हैं, तो सरकार इसे कभी कानून नहीं बना सकती।'

भाजपा से ज्यादा नीतीश कुमार दोषी: प्रशांत किशोर

उन्होंने कहा, 'भाजपा मुसलमानों को अपना वोट बैंक नहीं मानती। लेकिन नीतीश कुमार जैसे लोग जो हर दिन मुसलमानों से कहते हैं कि वे समुदाय के हितैषी हैं, उन्हें जरूर सोचना चाहिए क्या वे गांधी, लोहिया और जेपी की बात करते हुए भी इस विधेयक के समर्थन में वोट देकर अपना पाखंड नहीं दिखा रहे हैं? जब इतिहास में इस युग को लिखा जाएगा तो इस कानून के लिए भाजपा से ज्यादा नीतीश कुमार जैसे नेताओं को दोषी ठहराया जाएगा। बता दें कि वक्फ संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में आज चर्चा होगी। जिससे इसे पारित कराने के लिए दृढ़संकल्पित सरकार और प्रस्तावित कानून को असंवैधानिक बताकर इसकी निंदा करने वाले विपक्ष के बीच टकराव का मंच तैयार हो गया है। राज्यसभा में इस पर बृहस्पतिवार को चर्चा होने की उम्मीद है। दोनों सदनों में प्रस्तावित कानून पर चर्चा के लिए आठ-आठ घंटे आवंटित किए गए हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बाद चार सबसे बड़े घटकों- तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल-यूनाइटेड (जदयू), शिवसेना और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)- ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर सरकार के रुख का समर्थन करने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि भाजपा के कुछ सहयोगी दल विधेयक में और बदलाव की मांग कर रहे हैं। भाजपा के एक सहयोगी दल के वरिष्ठ सदस्य ने उम्मीद जताई कि भाजपा उनके विचारों को ध्यान में रखेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी कुछ चिंताओं का निदान संसद की संयुक्त समिति ने की है और राजग इस मुद्दे पर एकजुट रहेगा।

वक्फ बोर्ड की जमीन पर बना दिए जाएं अस्पताल और कॉलेज

धर्म गुरु ने पीएम मोदी को खून से लिखा पत्र

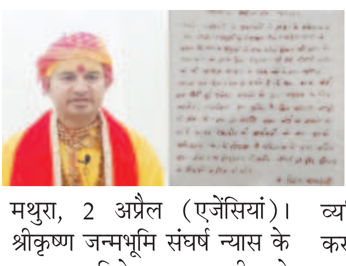

मथुरा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को खून से पत्र लिखा है। उन्होंने मांग की है कि वक्फ की जमीन पर कॉलेज और अस्पताल बना दिए जाएं। दिनेश फलाहारी ने खून से लिखा है कि 1947 में हिंदुओं के लिए हिंदुस्तान दिया गया था और मुसलमानों के लिए जिन्ना ने पाकिस्तान मांग लिया था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने हिंदुओं को हमेशा ठगने का काम किया है। कांग्रेस ने वक्फ बोर्ड बनाकर हिंदुस्तान की बेशकीमती जमीन मुसलमानों को दे दी। आगे लिखा है कि आप हिंदुओं के गौरव हैं, आपसे ही उम्मीद बची है। वक्फ बोर्ड की इस अवैध संपत्ति की जांच करा कर इस पूरी संपत्ति को कॉलेज, अस्पताल और पुलिस क्वार्टर के लिए दे दी जाए, जिससे जन समुदाय उसका लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति वक्फ बोर्ड का समर्थन करता है, वह देश विरोधी है। उन पर देशद्रोह की कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे लोगों को पाकिस्तान भेज देना चाहिए, जिससे ये लोग पाकिस्तान में मजार और मस्जिद बना सकें और भाईचारा कायम कर सकें। ऐसे लोगों का हिंदुस्तान में कोई काम नहीं है। दिनेश फलाहारी ने पीएम मोदी को ट्वीट करके यह पत्र भेज दिया है। बता दें यह वही दिनेश फलाहारी हैं, जिन्होंने तीन वर्ष पहले प्रण लिया था कि जब तक मथुरा वाली मस्जिद, श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से नहीं हट जाएगी, तब तक वह भोजन ग्रहण नहीं करेंगे। आज तक वे बिना भोजन के ही रह रहे हैं और जहां भी जाते हैं, नंगे पैर ही जाते हैं।

गौतस्करों पर देहरादून पुलिस की कड़ी कार्रवाई पंद्रह हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में घायल

विकासनगर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। देहरादून पुलिस ने गौकशी के मामलों में वांछित शातिर बदमाश एहसान को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पंद्रह हजार के इनामी एहसान (22) की पुलिस को लंबे समय से तलाश थी। बुधवार सुबह सहसपुर क्षेत्र के तिमली धर्मावाला के पास पुलिस चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार बदमाश को रोका गया, लेकिन वह भागने लगा। पुलिस टीमों ने उसका पीछा किया, जिसके बाद तिमली के जंगल में बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की, जिससे बदमाश के पैर में गोली लग गई। मुठभेड़ में घायल बदमाश को विकासनगर के अस्पताल ले जाया गया। मौके पर पहुंचे देहरादून एसएसपी और एसपी विकासनगर ने अस्पताल में अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। सहारनपु का रहना वाला गिरफ्तार बदमाश एहसान गौकशी के कई मामलों में शामिल रहा है। वह देहरादून के क्लेमेंट टाउन थाने में वांछित था, साथ ही हरियाणा के कुरुक्षेत्र में भी उस पर मामले दर्ज हैं। विकासनगर और पुरूवाला (सिरमौर, हिमाचल प्रदेश) में हुई गौकशी की घटनाओं में भी वह शामिल था। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट सहित 18 से अधिक मामले दर्ज हैं। रायपुर में हुई गौकशी की घटना में भी उसका नाम सामने आया है। पुलिस ने बदमाश के पास से एक मोटरसाइकिल, 12 बोर का तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि इस तरह की संगठित आपराधिक गतिविधियों पर जल्द ही पूरी तरह लगाम लगाई जाएगी।

देवेंद्र यादव की कपिल मिश्रा से इस्तीफे की मांग, कहा- मंत्री पर दंगा कराने का आरोप

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि 2020 के दंगों में कपिल मिश्रा की कथित भूमिका की निष्पक्ष जांच के लिए उन्हें तत्काल मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राउज एवेन्यू कोर्ट ने रेखा गुप्ता सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ गंभीर अपराध का मामला बनता है। अदालत ने पुलिस को उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश भी दिए हैं। देवेंद्र यादव ने कहा, "अगर बीजेपी और कपिल मिश्रा में जरा भी नैतिकता बची है तो उन्हें तुरंत इस्तीफा देकर जांच को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाने देना चाहिए। उनके मंत्री रहते हुए निष्पक्ष जांच संभव नहीं है।" कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को इस मुद्दे पर संवैधानिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए और अपने मंत्री को हटाकर निष्पक्ष जांच का रास्ता साफ करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार में भी अरविंद केजरीवाल ने दंगों के आरोपियों पर कार्रवाई करने की बजाय उन्हें संरक्षण दिया था। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली दंगों के लिए बीजेपी और अरविंद केजरीवाल की सरकार समान रूप से जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर बीजेपी नेताओं ने भड़काऊ बयान दिए तो तत्कालीन अरविंद केजरीवाल सरकार मूकदर्शक बनी रही। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा, "दिल्ली में हिंसा भड़काने के लिए भाजपा नेताओं ने खुलेआम नफरत फैलाने वाले बयान दिए, लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोई कार्रवाई नहीं की। वह चुपचाप तमाशा देखते रहे, जिससे दंगे और भड़के।" देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस मुरलीधर, जिन्होंने 2020 के दंगों के दौरान दिल्ली पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए थे, उनका अचानक तबादला कर दिया गया। जब उन्होंने कपिल मिश्रा, प्रवेश वर्मा और अनुराग ठाकुर के भड़काऊ भाषणों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया तो अगले ही दिन उनका ट्रांसफर कर दिया गया। यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर एक गंभीर हमला था। बता दें कि फरवरी 2020 में दिल्ली में हुई सांप्रदायिक हिंसा में 50 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। इसमें सैकड़ों घायल हुए थे। दंगों की शुरुआत उत्तर-पूर्वी दिल्ली में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थन और विरोध में हो रही रैलियों के दौरान हुई थी। बीजेपी नेता कपिल मिश्रा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह पुलिस की मौजूदगी में सीएए विरोधियों को धमकाते नजर आए थे। इस बयान के कुछ घंटों बाद ही दिल्ली में हिंसा भड़क उठी थी।

महाराष्ट्र: बुलढाणा में भीषण सड़क हादसा
बोलेरो ने बस को टक्कर मारी, 5 लोगों की मौत

बुलढाणा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यह दुर्घटना शेगांव-खामगांव राजमार्ग पर सुबह करीब 5 बजे हुई, जिसमें दो यात्री बसों और एक बोलेरो जीप की आपसी टक्कर में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि 24 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने पहले एक यात्री बस को टक्कर मारी। इसके तुरंत बाद पीछे से आ रही एक निजी यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से टकरा गई, जिससे हादसा और भयावह हो गया। घटना के बाद राजमार्ग पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाएं तुरंत मौके पर पहुंचीं। घायलों को एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत की निगरानी की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किए और दुर्घटना स्थल को साफ कराकर यातायात बहाल करने की कोशिश की। पुलिस तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का कारण मान रही है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके। इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गिरवी रखी संपत्ति बेचकर 13 करोड़ रुपये की ठगी, दिल्ली पुलिस ने आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए आरोपी मोशिन मोहम्मद को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने गिरवी रखी संपत्ति को धोखाधड़ी से बेचकर 13 करोड़ रुपये की ठगी की थी। पुलिस ने निजामुद्दीन के एक होटल से उसे दबोचा। मामला यस बैंक लिमिटेड की शिकायत पर दर्ज हुआ था। बैंक ने बताया कि मांस निर्यातक कंपनी एम.के. ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड, जो अब दिवालिया हो चुकी है, ने 2016 में 95 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। इसके बदले कंपनी ने दरियागंज और अंसारी रोड स्थित एक संपत्ति गिरवी रखी थी। लेकिन, 2018-19 के बीच मोशिन मोहम्मद ने इस जमीन पर फ्लैट बनवाकर बेच दिए, जबकि खरीदारों को बताया तक नहीं

दिल्ली हाईकोर्ट ने अमेरिकी नागरिक को दी राहत
केंद्र से कहा- 'वैध ओसीआई कार्डधारकों के पंजीकरण को रद्द करने की प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए'

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि वैध ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) कार्डधारकों के अधिकारों को मनमाने ढंग से प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। दिल्ली हाईकोर्ट का यह फैसला एक अमेरिकी नागरिक जॉन रॉबर्ट रॉटन के निर्वासन और ब्लैकलिस्ट किए जाने के मामले में आया है। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता जॉन रॉबर्ट रॉटन को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए और उनकी प्रतिक्रिया पर उचित विचार कर स्पष्ट आदेश पारित किया जाए। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 7डी के तहत ओसीआई कार्डधारकों के पंजीकरण को रद्द करने की प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए।

बिना कारण बताए इंडिया में एंट्री पर लगाई रोक

दिल्ली हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि जॉन रॉबर्ट रॉटन जिनका विवाह एक भारतीय नागरिक से हुआ था, 1991 में ओसीआई कार्ड प्राप्त कर भारत में बस गए थे। जून 2024 में अमेरिका यात्रा के बाद जब वह अक्टूबर में भारत लौटे तो उन्हें देश में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई। उनका कहना है कि उन्हें निर्वासन का कोई कारण नहीं बताया गया और न ही कोई आधिकारिक आदेश दिया गया। दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के वकील ने दलील दिया कि सुरक्षा एजेंसियों ने याचिकाकर्ता को ब्लैकलिस्ट किया था, क्योंकि वह नागालैंड और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में बिना अनुमति के मिशनरी गतिविधियों में संलग्न थे।

याचिकाकर्ता को पक्ष रखने का मिले मौका

दिल्ली हाईकोर्ट ने इस पर कहा कि याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का उचित अवसर दिया जाना चाहिए था। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि ओसीआई कार्डधारकों को मध्यवर्ती अधिकार प्राप्त होते हैं और उनके अधिकारों को बिना उचित प्रक्रिया के खत्म नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार को याचिकाकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनकी प्रतिक्रिया पर निर्णय लेना होगा। हालांकि, कोर्ट ने आरोपों की सत्यता पर कोई राय व्यक्त नहीं की।

मेरी पत्नी के कई प्रेमी, कहीं मेरा भी न हो जाए सौरभ वाला हाल
शिकायत लेकर एसपी ऑफिस पहुंचा पति

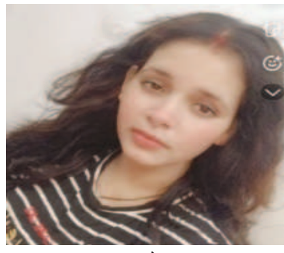

ग्वालियर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रहने वाला युवक नीले ड्रम से डरा हुआ है। उसने अपनी पत्नी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी है। बताया कि 5 महीने से उसकी पत्नी मायके में बैठी है। वह कई बार उसे लेने भी गया, लेकिन हर बार वह जान से मरवाने की धमकी देकर भगा देती है। पीड़ित ने पुलिस को दिए शिकायती में बताया कि उसकी पत्नी के कई लोगों से अवैध संबंध है। ऐसे में अब उसे भी डर लग रहा है कि कहीं उसका भी हाल मेरठ के सौरभ राजपूत जैसा ना हो जाए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित युवक अनिल जोशी ट्रक ड्राइवर है। मंगलवार को वह ग्वालियर एसपी की जनसुनवाई में अपनी शिकायत लेकर पहुंचा था। उसने अपनी शिकायत में बताया कि उसे अपनी पत्नी से ही जान का खतरा है। कहा कि उसकी शादी सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुई थी। शादी के बाद दो तीन साल तक तो सब ठीक रहा। इस बीच उसे दो बेटियां भी हुई, लेकिन करीब पांच महीने पहले उसकी पत्नी झगड़ा कर मायके जाकर बैठ गई। कहा कि इस बीच वह कई बार अपनी पत्नी को वापस लाने के लिए उसके मायके सत्यनारायण की टेकरी गया, लेकिन हर बार उसकी पत्नी अपने प्रेमियों की धौंस देकर उसे भगा दिया। बल्कि अब वह धमकी दे रही है कि दोबारा उसके घर आए तो सौरभ राजपूत वाला हाल कर देगी। पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों को अपनी पत्नी के मोबाइल से चैट का स्क्रीनशॉट भी दिखाया। बताया कि कई लोगों के साथ उसके अवैध संबंध हैं महिला थाना प्रभारी दीप्ति तोमर ने इस संबंध में बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस संबंध में दोनों पक्षों को बुलाया जा रहा है। उन्हें आमने सामने बैठाकर समझाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पीड़ित की पत्नी ने पहले ही उसके खिलाफ दहेज के लिए प्रताड़ित करने का मुकदमा दर्ज कराया है। हालांकि पीड़ित का कहना है कि वह खुद अपनी पत्नी से प्रताड़ित है।

मणिपुर में पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल वसूली के मामले में तीन गिरफ्तार

इंफाल, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर सरकार ने पुलिस महकमे में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत 14 पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया है। तबादला किए गए अधिकारियों में दो पुलिस अधीक्षक भी शामिल हैं। जिरीबाम के पुलिस अधीक्षक शेख मोहम्मद जाकिर को काकचिंग का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वहीं काकचिंग की एसपी प्रियदर्शिनी लेशराम को जिरीबाम का नया एसपी बनाया गया है। वहीं यारीपोक के एसडीपीओ गौरव डोगरा का ट्रांसफर सिंगजामेई एसडीपीओ के पद पर हुआ है। मणिपुर राइफल्स के असिस्टेंट कमांडेंट अभिनव को कांगपोकपी पुलिस में एडिशनल सुपरीटेंडेंट का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अकोईजाम सदानंद सिंह इंफाल ईस्ट के नए एडिशनल एसपी ट्रैफिक होंगे। केइशाम बोजोउकुमार सिंह को एडिशनल एसपी विजिलेंस बनाया गया है। रत्ताना नगासेकपम, सीआईडी के नए एडिशनल एसपी होंगे। सुरक्षाबलों ने मणिपुर में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग काकचिंग और इंफाल ईस्ट के प्रतिबंधित संगठन से जुड़े हैं। इन पर जबरन वसूली करने के आरोप लगे हैं। आरोपी काकचिंग जिले के प्रीपेक-प्रो नामक प्रतिबंधित संगठन का सदस्य है। इसके दो सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इंफाल वेस्ट के साजीरोक इलाके में तलाशी अभियान के दौरान हथियारों की बरामदगी भी की गई है।

400 से 81 पहुंची रेल दुर्घटना: रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लालू, ममता और खरगे के कार्यकाल पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को अपनी सरकार की कामयाबी गिनाई। उन्होंने अपनी सरकार में रेलवे सुरक्षा में हुए सुधार पर बात की। उन्होंने कहा, रेलवे सुरक्षा में सुधार हुआ है और पिछले वित्तीय वर्ष में रेल दुर्घटनाओं की संख्या घटी है। पिछले वित्तीय वर्ष में रेल दुर्घटनाओं की संख्या 400 थी जो अब घटकर 81 हो गई है। साथ ही रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि रेलवे सुरक्षा में बहुत अहम सुधार हुए हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में रेल में हुई दुर्घटनाओं की संख्या की तुलना रेल मंत्री रहे लालू यादव, ममता बनर्जी और मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यकाल से की। वैष्णव ने कहा, लालू जी के समय में हर साल लगभग 700 दुर्घटनाएं होती थीं, ममता जी के समय में लगभग 400 दुर्घटनाएं होती थीं, खरगे जी के समय में लगभग 385 दुर्घटनाएं होती थीं। हाल ही में वित्तीय वर्ष (2024-25) में यह संख्या 400 से घटकर 81 हो गई है जोकि बहुत महत्वपूर्ण सुधार है।

शून्य एफआईआर के लिए सिस्टम

रेलवे से संबंधित अपराधों के लिए शून्य एफआईआर दर्ज करने में देरी के मामलों के बारे में उन से एक सवाल किया गया। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, प्रत्येक राज्य की जीआरपी (सरकारी रेलवे पुलिस) और आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) लगातार चर्चा करते हैं और शून्य एफआईआर के लिए सिस्टम के कार्यान्वयन से मुद्दों को हल करने में मदद मिलेगी।

पूर्व रेल मंत्रियों के कार्यकाल से की तुलना

इससे पहले भी रेल मंत्री ने राज्यसभा में 17 मार्च को लालू यादव और ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा था कि रेल मंत्री के रूप में ममता बनर्जी और लालू यादव के कार्यकाल के दौरान हर दिन औसतन एक और दो दुर्घटनाएं होती थी या पटरी से ट्रेन उतरती थी। रेल मंत्रालय के कामकाज पर बहस का जवाब देते हुए वैष्णव ने कहा कि 2005-06 में, जब राजद सुप्रीमो लालू यादव के हाथ में रेलवे था तब 698 दुर्घटनाएं और पटरी से ट्रेन के उतरने की घटनाएं हुईं। साथ ही उन्होंने आगे कहा, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के कार्यकाल के दौरान 395 दुर्घटनाएं और रेल के पटरी से उतरने की घटनाएं हुईं और जब कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे रेल मंत्री थे, तब दुर्घटनाओं और पटरी से रेल उतरने की संख्या 38 थी। अपनी सरकार की कामयाबी गिनाते हुए उन्होंने कहा था कि जहां कभी प्रतिदिन औसतन एक दुर्घटना होती थी, आज यह संख्या प्रति वर्ष मात्र 30 दुर्घटनाएं रह गई है। यहां तक कि अगर हम 43 ट्रेन के पटरी से उतरने की घटनाओं को भी शामिल कर लें, तो कुल संख्या 73 होती है। इसका मतलब है कि यह संख्या, जो पहले 700 के आसपास थी, अब 80 से भी कम हो गई है, जो 90% की कमी है।

चिकन बनाने की बात सुनी और बरस पड़े पड़ोसी, कपल पर कर दिया चाकू से हमला

फरीदाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में नवरात्र के दिन में चिकन बनाने की बात सुनकर पड़ोसियों ने दंपति पर चाकू से हमला कर दिया। उनकी पिटाई लगाई गई, जिससे वह घायल हो गए। इलाज के लिए दंपति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां दो दिन इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई है। पीड़ित महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उनकी तलाश की जा रही है। घटना फरीदाबाद के सारन थाना इलाके के नंगला एन्क्लेव पार्ट 1 में कर्म पब्लिक स्कूल के पास गली नंबर 12 की है। पीड़ित महिला के मुताबिक, उनपर जानलेवा हमला करने वाले उनके पड़ोसी हैं।

भाजपा नेत्री डॉ. मनु और उसके पति की अग्रिम जमानत याचिका खारिज, दुष्कर्म पीड़िता का कराया था गर्भपात

ग्वालियर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना में नर्सिंग छात्रा से रेप और अवैध गर्भपात के मामले में भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. मनु शर्मा और उनके पति बीएमओ डॉ. राजेश शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। दोनों आरोपियों की ओर से विशेष न्यायाधीश विवेक अग्रवाल की कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन लगाया गया था, लेकिन कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों को राहत देने से इनकार कर दिया। जानकारी के अनुसार, 23 को ग्वालियर के हजीरा थाने में उत्तर प्रदेश निवासी युवती ने उसके दोस्त पुष्पेंद्र और उसके जीजा के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं, भाजपा नेत्री डॉ. मनु शर्मा और उनके पति बीएमओ डॉ. राजेश शर्मा पर गर्भपात कराने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में पुष्पेंद्र की बहन रीना और भाई अरविंद रावत पर भी केस दर्ज है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं।

गर्भवती हुई तो शादी से किया इनकार

पीड़िता उत्तर प्रदेश के रायबरेली की रहने वाली है और मुरैना के सबलगढ़ में नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि उसकी दोस्ती पुष्पेंद्र रावत से हुई थी, जो बाद में प्रेम प्रसंग में बदल गई। 28 मार्च 2024 को पुष्पेंद्र उसे चार शहर का नाका स्थित अपने भतीजे के कमरे पर लेकर गया, जहां उसने कई बार शारीरिक शोषण किया और वीडियो भी बनाए। इसके बाद ब्लैकमेल कर वह लगातार उसका शोषण करता रहा। गर्भवती होने के बाद जब उसने शादी के लिए कहा तो आरोपी ने बात करना बंद कर दिया। इसके बाद उसने मदद के लिए पुष्पेंद्र के जीजा पान सिंह से संपर्क किया। पान सिंह ने उसे भरोसे में लेकर जौरा बुलाया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया।

छात्रा को दी फेल करने की धमकी

इसके बाद पीड़ित युवती की गर्भावस्था के बारे में पुष्पेंद्र की बहन रीना और भाई अरविंद रावत को पता चला तो वे उसे जबरन केडी हॉस्पिटल ले गए और उसका गर्भपात करा दिया था। पीड़िता के मुताबिक, भाजपा नेत्री डॉक्टर मनु शर्मा और उनके पति डॉ. राजेश शर्मा ने उसका गर्भपात किया। इस दौरान विरोध करने पर उसे धमकी भी दी गई थी। उससे कहा गया कि अगर, तुमने इस बारे में किसी को बताया तो नर्सिंग परीक्षा में फेल करवा देंगे।

एक साल तक कैदी के पेट में रहा मोबाइल दर्द पर खुला राज; डॉक्टर्स ने निकाला बाहर

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में एक कैदी के पेट में दर्द होने पर जांच की गई तो हैरान करने वाला मामला सामने आया। उसके पेट में मोबाइल था, जो उसने एक साल पहले निगल लिया था। कैदी को पेट में दर्द होने पर दिक्कत अधिक हुई, जिसके बाद उसे अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की टीम ने ऑपरेशन के बाद कैदी के पेट से मोबाइल निकाल दिया। डॉक्टरों को यह देखकर हैरत हुई कि एक साल तक पेट में मोबाइल रहने के बाद भी उसे किसी भी तरह संक्रमण नहीं हुआ। कैदी के पेट से मोबाइल निकालने की रिपोर्ट को एशियन जनरल ऑफ केस रिपोर्ट इन सर्जरी ने प्रकाशित किया है। कैदी की उम्र 23 साल बताई जा रही है। जनवरी में उसे पेट में दर्द और सामान्य परेशानी हुई थी। उसके बाद उसकी जांच कराई गई। जनरल फिजिशियन ने पहले उसके पेट का एक्सरा कराया फिर एमआरआई करवाई, जिसमें उसके पेट में कोई बड़ी चीज होने की जानकारी हुई। उसके बाद डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया। नोएडा पुलिस ने कैदी को दिल्ली के गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया था। अस्पताल के डॉक्टर हिमांशु अग्रवाल, डॉक्टर नीलांजना, डॉक्टर नीतू और डॉक्टर हिमांशु तंवर की टीम ने कैदी मरीज का सफल ऑपरेशन किया। उसके पेट से दो टुकड़ों में मोबाइल निकला। डॉक्टरों ने पहले उसे एंडोस्कोपिक और अन्य इलाज के जरिए निकालने पर चर्चा की गई। लेकिन, बाद में ऑपरेशन के जरिए उसे निकाला गया। पेट से निकले मोबाइल की लंबाई 5.7 सेमी और चौड़ाई 2.5 सेमी है। डॉक्टरों के मुताबिक, राहत की बात यह है कि मोबाइल की वजह से मरीज के पेट में कोई संक्रमण नहीं हुआ। उसके पेट में सामान्य बीमारी थी। ऑपरेशन के जरिए उसके पेट से मोबाइल निकाल लिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में तीन तलाक को दी थी चुनौती, सायरा बानो बनीं उत्तराखंड महिला आयोग की उपाध्यक्ष

देहरादून, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार ने सायरा बानो को उत्तराखंड महिला आयोग का उपाध्यक्ष बनाया है। सायरा बानो वही हैं जिन्होंने 2016 में तीन तलाक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका के बाद वह काफी चर्चा में आई थीं। अब उन्हें महिला आयोग में जिम्मेदारी दी गई है। सायरा बानो उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले के काशीपुर की रहने वाली हैं। उन्होंने तीन तलाक के खिलाफ लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला उनके हक में आया था। इससे तीन तलाक पर रोक लगाने में मदद मिली। फरवरी 2016 में सायरा बानो ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। उन्होंने तीन तलाक पर बैन लगाने की मांग की थी। सायरा की शादी 2002 में प्रयागराज के एक व्यक्ति से हुई थी। उन्होंने अपने पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। सायरा के पति ने उन्हें टेलीग्राम के जरिए तलाकनामा भेजा था।

बहुविवाह प्रथा को भी खत्म करने की मांग

सायरा बानो ने सुप्रीम कोर्ट में ट्रिपल तलाक और निकाह हलाला को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि ये दोनों ही चीजें गलत हैं। उन्होंने मुस्लिमों में प्रचलित बहुविवाह प्रथा को भी खत्म करने की मांग की थी। उनका कहना था कि तीन तलाक संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन है। इन अनुच्छेदों में सभी नागरिकों को समानता का अधिकार दिया गया है।

2017 में खत्म किया गया था तीन तलाक

सायरा बानो बाद में बीजेपी में शामिल हो गईं। तब उन्होंने कहा था कि वह पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी की नीतियों से प्रेरित होकर वो पार्टी में शामिल हुईं हैं। वो महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती रहेंगी। गौरतलब है कि तीन तलाक के मुद्दे पर 22 अगस्त, 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। इस फैसले में तीन तलाक को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया था। इससे मुस्लिम महिलाओं को बहुत बड़ी राहत मिली थी।

धमकी की नई परंपरा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार चुनाव जीत कर आए हैं तब से उन्होंने विश्व की राजनीति में धमकी की एक नई परंपरा डाल दी है। ताजा मामले में उन्होंने रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों को धमकाया है कि जो ऐसा करेगा वह अमेरिका के साथ व्यापार नहीं कर सकेगा। यही नहीं ऐसे देशों पर पच्चीस से पचास फीसद तक अतिरिक्त टैक्स लगाने की भी उन्होंने चेतावनी दी है। रूस और यूक्रेन के बीच उनकी मध्यस्थता के बावजूद दोनों देश पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। इसलिए उन्होंने इन देशों से व्यापार करने वालों को धमकाना शुरू कर दिया है। रूस और यूक्रेन के अड़ियल रुख से ट्रंप बेहद निराश दिखाई दे रहे हैं। पिछले दिनों ट्रंप ने जब यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादमीर जेलेंस्की को बातचीत के लिए व्हाइट हाउस बुलाया था तो ट्रंप के मनमाफिक बात नहीं बनी तो उन्होंने जेलेंस्की को जबर्दस्त रूप से हड़का दिया। यही नहीं उन्होंने यूक्रेन को दी जाने वाली मदद पर भी रोक लगा दी। उनके इस रुख से उम्मीद बंधी थी कि रुस युद्धविराम की अमेरिकी शर्तों को मान लेगा। लेकिन रूस भी कम नहीं है, उसने भी शर्त रख दी कि सभी नाटो देश यूक्रेन की सैन्य मदद और गोपनीय सूचनाओं पर भी रोक लगा दे। युद्ध विराम के लिए रूस की इस शर्त से अमेरिका खुद को ही असहज स्थिति में खड़ा पाया। यह शर्त अमेरिका के लिए कठिन ही नहीं बल्कि कभी पूरा न होने वाली थी। ऐसे में अमेरिका ने रूस पर नकेल कसने के लिए ही उक्त रास्ता चुना है। लेकिन यह कितना आसान और कारगर सिद्ध हो सकता है यह तो भविष्य ही बताएगा। बहरहाल, अमेरिका की इस धमकी से भारत की भी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। अगर सचमुच में भारत रूस से अपनी कंपनियों के लिए तेल खरीदता है तो उसके रास्ते में अमेरिका कई रोडे अटका सकता है।अभी रूस से सबसे ज्यादा कच्चा तेल खरीदने में भारत ही नंबर वन है। इसके पहले ईरान व खाडी देश से भारत की खरीदारी ज्यादा होती थी। लेकिन अमेरिका प्रतिबंध के बाद से भारतीय तेल कंपनियों ने वहां से तेल खरीदना बंद कर रूस से शुरू कर दिया है। जाहिर है इस परोक्ष लडाई का खामियाजा भारत को भुगताना पड सकता है,क्योंकि अमेरिकी कदम से भारत में महंगाई और बढ़ने का संभावना है।इससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ेगा। भारतीय तेल कंपनियां नहीं समझ पा रही है कि अमेरिका का अतिरिक्त शुल्क वाला फार्मूला क्या होगा। अमेरिका के अतिरिक्त शुल्क ढांचा देख कर ही कुछ निर्णय लिया जा सकता है। जिस तरह से पहले ही पारस्परिक शुल्क नीति के तहत अमेरिका ने भारी शुल्क थोपा है उससे भारत के संतुलन का तालमेल गडबडा सकता है। अब एक नया शुल्क और भी परेशानी बढ़ाने वाला हो सकता है। इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन के लिए अपनी शुल्क को लंबे समय तक टिकाए रखना मुश्किल ही होगा। इसे लेकर अमेरिका में ही विरोध शुरू हो गया है। वहां के लोगों का भी मानना है कि पारस्परिक शुल्क के चलते अमेरिका का कारोबार बुरी तरह प्रभावित होगा। जिन चीजों के लिए अमेरिका दूसरे देशों पर निर्भर है तो वहां उसकी भी कीमतें बढ़ेंगी। जाहिर है इससे महंगाई भी बढ़ेगी। ऐसे में लंबे समय तक अमेरिकियों के विरोध को सह पाना ट्रंप प्रशासन के लिए अच्छा नहीं होगा। वहां के मध्यावधि चुनाव में भी ट्रंप के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ट्रंप के नए ऐलान से रूस कितने दबाव में आएगा यह भी देखने वाली बात होगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ ट्रंप ने जिस तरह का व्यवहार किया है उससे कई पश्चिमी देश भी नाराज हैं। इसलिए रूस-यूक्रेन संघर्ष रुकवाने का उनका दावा पस्त होता नजर आ रहा है। दुनिया के तमाम देश चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच चल रहा युद्ध जल्द से जल्द बंद हो जाए। यही दुनिया के बेहतरी के लिए भी अच्छा होगा। लेकिन धौंस और धमकी के सहारे ऐसा कर पाना अमेरिका मुश्किल ही होगा। इससे मामला सुलझाने की बजाय और भी उलझता चला जाएगा।

चीन-बांग्लादेश-पाकिस्तान की तिकड़मों से सबक सीखे भारत

कमलेश पांडेय

विभिन्न सुलगते हुए प्रादेशिक-राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय और मानवीय विषयों पर भारतीय राजनेताओं, नौकरशाहों, न्यायविदों, संपादकों, समाजसेवियों और अपने-अपने पेशे में दक्ष लोगों के जो नीतिगत अंतर्विरोध हैं, वह राष्ट्रहित में तो कतई नहीं है। वहीं कुछ लोगों का स्पष्ट मानना है कि इन अंतर्विरोधों का असली स्रोत हमारे संविधान में अंतर्निहित है जो 'विदेशी फूट डालो, राज करो' की नीतियों का 'देशी स्वरूप' मात्र है।

अजीब विडंबना है कि समकालीन माहौल में चिन्हित संवैधानिक त्रुटियों को बदलने के लिए जिस राजनीतिक कद के व्यक्ति को आगे आना चाहिए, वह अभी तक आगे नहीं आ पाया है। वैसे तो इतिहास ने पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी को सर्वाधिक मौका दिया लेकिन संतुलित राष्ट्रवाद और अटल राष्ट्रीयता की कसौटी पर ये लोग खरे नहीं उतरे। यह कड़वा सच है कि इनके तमाम किंतु-परंतु से स्थितियां और अधिक उलझती गईं। इससे हमारे पड़ोसी देशों का दुस्साहस बढ़ता गया और आज का भारत अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए चीन-अमेरिका-रूस जैसे विदेशी ताकतों पर निर्भर है। वहीं, इनकी स्वार्थपरक बदनीयती से भारत और भारतीयता दोनों वैश्विक चक्रब्युह में उलझ चुकी है और इस्लामिक चक्रव्यूह में बुरी तरह से फंसती जा रही है। लिहाजा, भारत के पास अब तीन ही विकल्प बचे हैं- पहला, वह विभिन्न चुनौतियों के वक्त खरी उतरी रूसी मित्रता को और मजबूत बनाए, दूसरा, चीनी चालबाजियों के खिलाफ स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाए और तीसरा, इस्लाम विरोधी अमेरिकी गठबंधन में यदि शामिल होना है तो रूस-चीन से बेपरवाह होकर सिर्फ अमेरिका से मजबूत रिश्ते बनाए और विभाजित भारत में हिंदुत्व की भावना को मजबूत बनाए।

वहीं, यदि कोई धर्मनिरपेक्षता की बात करे तो यूनिफिकेशन ऑफ इंडिया की बात उठाए, फिर धर्मनिरपेक्षता अपनाए क्योंकि इससे चीनी दाल पाकिस्तान-बंगलादेश में नहीं गल पाएगी। ऐसा इसलिए कि अंतर्विरोधों से भरा हुआ व्यक्ति, परिवार, समाज व राष्ट्र देर-सबेर नष्ट हो जाता है। मैं नहीं चाहता कि कतिपय अंतर्विरोधों से भरा हुआ गुलाम भारत और उसके बाद अस्तित्व में आया आजाद भारत भी अपने अमृतकाल यानी न्यू इंडिया के जमाने में 2047 के बाद भी उन्हीं स्थितियों-परिस्थितियों से गुजरे जो इसकी 800 सालों की गुलामी और मर्मांतक राष्ट्र-विभाजन की मौलिक वजह समझी गई हैं।

इसलिए मौलिक व ऐतिहासिक परिवर्तन तभी संभव होगा, जब राजनेता-नौकरशाह-न्यायविद, सैन्य हुक्मरान और अपने-अपने पेशे के दक्ष लोग जाति-धर्म मुक्त होकर एक सशक्त और उदार भारत की नींव रखना चाहेंगे जहां हिन्दू हितों से कोई समझौता नहीं हो जैसे कि पाकिस्तान व बंगलादेश में मुस्लिम हितों से कोई समझौता नहीं किया जाता है।

गुजश्ते दशकों में या आजकल अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और मीडिया में चीन-बांग्लादेश-पाकिस्तान की जारी तिकड़मों से भारत को सबक लेना चाहिए और नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव, अफगानिस्तान आदि की भी नकेल कसते हुए भारत के समग्र हित को साधने की स्पष्ट रणनीति तैयार करनी चाहिए। यह सब कुछ तभी सम्भव होगा जब हमारी सरकार हिंदुत्व की मजबूत राह पकड़ेगी और चीनी शह पर खलता प्रदर्शित कर रहे पड़ोसियों को जमीनी हकीकत से रूबरू करवाएगी। इसके लिए साम, दाम, दंड, भेद की नीतियों की जरूरत भी पड़े तो उसे अपनाने में हमारी सरकार को नहीं हिचकना चाहिए।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि विविधता हमारी खूबसूरती है लेकिन यही बात धर्मनिरपेक्षता पर तब लागू होगी जब पाकिस्तान-बंगलादेश का विलय भारत में हो जाए। जब तक जर्मनी और इटली की तरह इंडिया का भी एकीकरण नहीं हो जाता, तब तक हिंदुस्तान हिंदुओं का मुल्क है और समकालीन चीनी, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी तिकड़मों का जवाब भी हिंदूवादी रणनीति के जरिए ही दिया जा सकता है।

इस बात में किसी को संशय नहीं होना चाहिए क्योंकि वेद में स्पष्ट कहा गया है कि संशयात्मा विनश्यति, यानी जिसके मन में संशय हो, उसका विनाश निश्चित है। इस नजरिए से केंद्रीय और विभिन्न राज्यों की सत्ता में मजबूत हुई भाजपा और उसकी मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विभिन्न मौकों पर अडिग हिंदुत्व को लेकर जो संशय दिखाए जा रहे हैं, उससे भविष्य में 'कांग्रेस' मजबूत होगी और भाजपा की दुर्गति कांग्रेस से ज्यादा हो सकती है क्योंकि भारतीय मतदाता बहुत ही मंजे हुए निर्णय लेते हैं।

आखिर 'पारसी वधू' पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी वाली गलतियां भी 'वैश्य बहादुर' मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दुहराएंगे तो फिर कांग्रेस और भाजपा में क्या अंतर रह जाएगा? शायद अंतर है भी नहीं क्योंकि सत्ता में आते ही सुविधाभोगी नौकरशाही और उद्योगपतियों का 'गिरोह' कतिपय अंतरराष्ट्रीय संधियों/मजबूरियों जनित लाभ-हानि का वास्ता देकर राजनीतिक हृदय परिवर्तन करवाने में सफल हो जाते हैं!

हालांकि इससे समय तो कट जाता है लेकिन भारत और भारतीयता के लिहाज से दूरदर्शितापूर्ण फैसले नहीं लिए जा पाते अन्यथा आजादी के आठवें दशक भारत को आंख दिखाने लायक पाकिस्तान और बंगलादेश बचते ही नहीं और आसेतु हिमालय में पैर जमाने के बारे में कोई भी स्वप्न चीन को ही डराता लेकिन आज....? आज देश में हर जगह पर जो गृह युद्ध या जातीय/क्षेत्रीय उन्माद नजर आता है, वह भी कहीं नहीं नजर आता!

आपने देखा-सुना होगा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस गत माह 26 से 29 मार्च 2025 तक चीन के दौरे पर थे। इससे पहले उनका पाकिस्तान प्रेम भी छलक चुका था जो चीन को रिझाने की पहली शर्त थी। आखिर है तो वह भी पूर्वी पाकिस्तान का ही अंश। उसका नाम बंगलादेश भले ही हो लेकिन पाकिस्तान-बंग्लादेश के खिलाफ भारत के राजनेता हमेशा शॉफ्ट रहे ताकि भारतीय मुसलमान उन्हें वोट देते रहें।

मसलन, यदि यही नीति सही है तो भारत का प्रधानमंत्री 1947 में मोहम्मद जिन्ना को बना दिया जाता और 2025 में भी शाहनवाज हुसैन एक चतुर प्रधानमंत्री हो सकते हैं? और यदि ऐसा नहीं किया जा सकता तो फिर पाकिस्तान-बंगलादेश से हमदर्दी किस बात की। क्या कांग्रेस और भाजपा के सियासी तुष्टीकरण के लिए हिंदुत्व की बलि दी जा सकती है, यक्ष प्रश्न है? यदि भारत में रहने वाले लोग विदेशी भाषा बोलें तो उन देशद्रोहियों को यहां रहने का क्या हक है लेकिन यह सब कुछ हो रहा है?

आपने देखा होगा कि 26-27 मार्च को राष्ट्रपति शी चिनफिंग से उनकी द्विपक्षीय बातचीत के दौरान कई महत्वपूर्ण करार तो हुए ही, साथ ही कार्यवाहक प्रधानमंत्री मो. यूनुस, जो नॉबेल पुरस्कार विजेता भी हैं, ने यह भी कहा कि चीन का विकास बांग्लादेश के लिए प्रेरणादायक है। दोनों देशों के साझा बयान में बांग्लादेश में तीस्ता प्रोजेक्ट के लिए चीनी कंपनियों को भी न्योता दिया। स्मरण रहे कि पिछले साल जून 2024 में भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना चीन गई थीं और भारत द्वारा अंदरखाने में आंख तरेरने के बाद उस दौरे को अधूरा छोड़कर वह बांग्लादेश लौट आई थीं। ततपश्चात उन्होंने कहा था कि वह चाहती है कि प्रोजेक्ट भारत की ओर से पूरा हो। उसके बाद उनके साथ जो कुछ हुआ, रहस्यमय बात है!

वहीं, अब हालात बिल्कुल अलग है, क्योंकि शेख हसीना के जाने के बाद से बांग्लादेश-भारत के संबंध बहुत सहज नहीं रहे हैं। उधर, पाकिस्तानी दखलंदाजी भी बंगलादेश में बढ़ी है जो आईएसआई की साजिश की सफलता का परिचायक है। सवाल है कि जिस पाकिस्तान-बंगलादेश में कभी अमेरिकी दिलचस्पी रही और अब चीनी दिलचस्पी बढ़ रही है, यह भारतीय नेताओं के आपसी कलह, नौकरशाही की अदूरदर्शिता का तकाजा नहीं तो क्या है? रूस यदि यूक्रेन में, इजरायल यदि फिलिस्तीन में अपने हितों की वकालत करते हुए बमबारी करवा सकता है तो भारत का हाथ रोकने को कोई नहीं आएगा बशर्ते कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसा कोई स्पष्टवादी और दूरदर्शी राजनेता प्रधानमंत्री की गद्दी पर बैठ जाए।

खंजर उतारकर ड्रम में पैक करने वाली माशूकाएं

मनोज कुमार अग्रवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

पति पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद तो आदिकाल से रहा है हमारी पौराणिक कथाओं में माता पार्वती द्वारा शिव की सलाह नहीं मानने पर ससुर दक्ष के यज्ञ में उपस्थिति और अपमान होने पर यज्ञ में कूद कर सती होने की कथा दर्ज है लेकिन आज के कलियुग दौर में सभ्यता संस्कृति और संस्कार का पतन इस कदर हुआ है कि शक्ति स्वरूपा तमाम सामाजिक वर्जनाओं को तोड़कर पति के खून से रंगे हाथों में आशिक के नाम की मेहंदी सजाने की कोशिश में जेल के सीखचों के पीछे पहुंच रहीं हैं। पहले कभी वर्ष दो वर्ष में इस तरह की वारदात सामने आती थी लेकिन अब तो इस तरह की दिल दहलाने वाली वारदातों की झड़ी लगी है। पिछले कुछ वक्त से देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनमें पति पत्नी का और पत्नी पति का कत्ल कर देती है. यूनाइटेड नेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पूरी दुनिया में हर साल करीब 50 हजार महिलाओं या लड़कियों का कत्ल हो जाता है. ऐसे 60 फीसदी मामलों में कातिल कोई अपना पार्टनर, पति या फिर कोई फैमली मेंबर होता है. एक रिपोर्ट कहती है कि देशभर में हर साल औसतन सवा दो सौ लोगों को उनकी पत्नियां कत्ल कर देती हैं. और लगभग पौने तीन सौ पत्नियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं.

एनसीआरबी के 2022 के आंकडों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कत्ल के मामले सामने आए. ये तमाम कत्ल 19 अलग अलग वजहों से हुए. मसलन, निजि दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती. पर परेशान करने वाली बात ये है कि इन 19 वजहों में से तीसरी और चौथी नंबर पर कत्ल की जो वजह बनी वो इश्क, धोखा, फरेब और शादी के बाद के संबंध थे. 28 हजार 522 कत्ल के कुल मामलों में से कुल 2 हजार 821 कत्ल इसी वजह से हुए.

आपको बता दें कि ऐसा नहीं है कि अवैध संबंध और प्यार आशिकी में पहले कत्ल नहीं हुआ करते थे. पहले भी आशिकों ने हाथों में खंजर या तमंचे उठाए हैं. लेकिन 2010 के बाद से पति-पत्नी, इश्क, बेवफाई और अवैध संबंध की वजह से होने वाले कत्ल की तादाद तेजी से बढ़ी. पिछले 15 सालों के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो साफ पता चलता है कि जैसे जैसे सोशल मीडिया का चलन बढ़ा पति पत्नी के रिश्ते, शादी के बाद के संबंध और इश्क और खूनी होता चला गया.

भारत में क्राइम का डाटा रखने वाली नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो भी अलग से ये जानकारी नहीं देती है कि देश में हर साल कितने पति अपनी पत्नी का या पत्नी अपने पति का कत्ल करती हैं. लेकिन लव अफेयर और संबंधों को लेकर होने वाले कत्ल के बारे में एनसीआरबी डाटा जरूर देती है. एनसीआरबी के सबसे ताजा 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इश्क और रिश्तों में लोग अब जान नहीं देते. जान लेते हैं. भारत में जिन वजहों से सबसे ज्यादा कत्ल होते हैं. उनमें लव अफेयर और शादी के बाद संबंधों के मामलों में होने वाला कत्ल तीसरे और चौथे नंबर पर आता है. देश में होने वाले हर 10 में से औसतन एक कत्ल किसी ना किसी आशिक-माशूक या पति-पत्नी के हाथ से ही होता है.

आंकड़ों के हिसाब से 2010 से 2014 के दरम्यान लव अफेयर और संबंधों की वजह से होने वाले कत्ल का प्रतिशत 7 से 8 फीसदी था. लेकिन 2015 से 2022 के दरम्यान ये बढ़कर 10 से 11 फीसदी हो गया. और ये गिनती लगातार बढ़ती जा रही है. एनसीआरबी के ही एक रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में देशभर में खुदकुशी के कुल 17 हजार 924 केस दर्ज हुए थे. जिनमें से अकेले शादी से जुड़े मामलों में 8 हजार 204 पति या पत्नी ने खुदकुशी की. जबकि इश्क के चलते 7 हजार 692 प्रेमी जोड़ों में से किसी एक ने खुदकुशी कर ली. इसके अलावा अवैध संबंधों की वजह से भी 855 लोगों ने खुदकुशी की. नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के एक आंकड़ें के मुताबिक 4 फीसदी शादीशुदा महिलाओं ने ये माना है कि वो अपने पति को शारिरिक तौर पर चोट पहुंचाती है. इसी तरह स्टडी ऑफ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंस की एक रिपोर्ट के मुताबिक वो नौकरीपेशा महिलाएं जो पैसे कमाती हैं और मोबाइल का इस्तेमाल करती हैं अपने पति से ज्यादा झगड़ती हैं. रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं की जैसे जैसे उम्र बढती जाती है वो अपने पति से ज्यादा झगड़ने लगती हैं. जबकि पति के मामले में ये उल्टा है. पति की उम्र जैसे जैस बढ़ती है वो बीवियों से झगड़ा कम करने लगते हैं. स्टडी की ये रिपोर्ट कहती है कि न्यूक्लियर फैमिली में पति पत्नी के बीच हिंसक लड़ाई ज्यादा होती है. इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर एक हजार पति में से 29 पति अपनी पत्नियों की हिंसा का शिकार होते हैं. जबकि न्यूक्लियर फैमिली में यही आंकड़ा पत्नियों के लिए हर एक हजार में 32 है. वैसे पति पत्नी से जुड़े दर्ज कत्ल के केसेज के एक आंकड़े के मुताबिक 2022 में देशभर में पत्नी के हाथों पति के 220 कत्ल के मामले सामने आए थे. इसी दौरान पति के हाथों पत्नी के कत्ल के 270 से ज्यादा मामले सामने आए. फिलहाल 2025 की तो अभी शुरुआत है. 24 का आंकड़ा NCRB ने अभी जारी नहीं किया है.लेकिन रिपोर्ट होने वाले आंकड़े डरावने हैं और इन्हीं आंकड़ों को सच करके जब मुस्कान, साहिल, प्रगति, राकेश रौशन ना जाने ऐसे कितने ही नाम और ऐसी कितनी ही तस्वीरें सामने आती हैं तो अहसास करा जाती हैं कि अब मुहब्बत उस अहसास का नाम नहीं रहा जो कभी हर दिल में रहा करता था. वो दौर अलग था, जब नाकाम मोहब्बत में एक दिल के टुकड़े हजार हुआ करते थे. कोई य़हां गिरता था, कोई वहां गिरता था. अब दौर बदल चुका है आज आशिक दिल के टुकड़े पर नहीं रुकते बल्कि जिस मोहब्बत का दम भरते हैं, जिस मोहब्बत में जीने मरने की कसमें खाते हैं, उसी मोहब्बत के सीधे टुकड़े कर डालते हैं. जिसकी सच्चाई जब तब कभी ड्रम, फ्रिज, कुकर, बैग, दीवार, फर्श और बेड की शक्ल में हमारे सामने आती है.

अब समझ लीजिए वह दौर अलग था, जब मुहब्बत में जान देने की बातें हुआ करती थीं. हीर रांझा शीरी फरिहाद लैला मजनू के तमाम किस्से अब अतीत बन रहे हैं जब ये दौर अलग है, यहां मुहब्बत खुद दिलों में खंजर उतार कर अपनी ही मुहब्बत की जान ले रही है.

पति-पत्नी के बीच नोंकझोंक मनमुटाव रूठना मनाना जीवन का सहज हिस्सा होता रहा है लेकिन तो तब टीवी, मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया कुछ भी नहीं था न ही सास बहू की सीरियल थी तब हम लोग और नुक्कड जैसे परिवारिक सीरियल थे जिन्हे पूरा परिवार एक साथ देख सकता था। लेकिन एकता कपूर जैसे लोगों के सीरियल का दौर आया जिसमें हर विवाहिता का विवाहेत्तर संबंध दर्शाने का चलन हुआ संस्कृति और संस्कारों का जनाज़ा निकाल दिया गया मध्यम वर्ग के कुछ खुद को एलीट समझने वाले पति पत्नी को ड्रम, फ्रिज, कुकर, बैग, दीवार, फर्श और बेड के अंदर तक लाश बनाकर पहुंचा देने का सिलसिला शुरू हो गया है , ये अब लगभग हर दूसरे या चौथे दिन देखने को मिल रहा है. अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिर सात जन्मों की कसमें खाने वाली या कसमें खाने वाले पति-पत्नी पहला जनम तो छोडिए पहली रात, दूसरे दिन, पहले हफ्ते, या 15 दिन के अंदर ही अपने हाथों से एक दूसरे की जान क्यों ले रहे हैं?

खतरनाक मोड़ पर नेपाल

डॉ घनश्याम बादल

भारत इस समय अपने पड़ोस के हिसाब से उबलते हुए कडाहों के बीच खड़ा दिख रहा है। आजादी के बाद से ही पाकिस्तान नाम का प्रेत उसके पीछे पड़ा है जिसे बार-बार सबक सिखाने के बावजूद भी वह बाज नहीं आता । 1971 के विभाजन एवं बांग्लादेश निर्माण के बाद लंबे समय तक यह दर्द आधा रहा क्योंकि बांग्लादेश भारत के साथ रहा लेकिन बांग्लादेश का रुख भी समय-समय पर बदलता रहा है एवं वह भी मौका मिलतए ही भारत को आंख दिखाता रहा है ।

नेपाल जो कि हर तरह से भारतीय सभ्यता संस्कृति तथा भौगोलिक सीमाओं की दृष्टि से भी भारत के सबसे नज़दीक रहा है उसके भी रुख में परिवर्तन दिखाई दिया और वह भी चीन के प्रभाव में आता दिखाई दिया है। वहां पेड़ के पत्तों की तरह बदलती हुई सरकारों के साथ जब पुष्प कमल दहल प्रचंड के हाथ में सत्ता आई तो भारत का जबरदस्त विरोध हुआ मगर उनका हश्र अच्छा नहीं रहा ।

अब एक बार फिर से नेपाल चर्चा में है और इस बार चर्चा का सबब है वहां महज़ 16- 17 साल बाद ही लोकतंत्र के प्रति अविश्वास दिखाते हुए राजशाही के पक्ष में एक हिंसक जन आंदोलन खड़ा हो गया है और इन आंदोलनकारियों की मांग है कि नेपाल में पुनः राजशाही की स्थापना हो एवं उसे हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए।

विश्व में कुछ ही देश ऐसे हैं जहाँ हिंदू धर्म के अनुयायी बाहुल्य में है। इनमें से नेपाल और भारत सबसे महत्वपूर्ण हैं। भारत में हिंदू जनसंख्या लगभग 80% है । भारत हिंदू धर्म का जन्मस्थान है। यहाँ हिंदू संस्कृति, त्योहार, परंपराएँ, और मंदिरों की भरमार है। हालाँकि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है लेकिन हिंदू धर्म यहाँ की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना में गहराई से जुड़ा हुआ है जबकि नेपाल में हिंदू जनसंख्याः लगभग 81% है. नेपाल ही कभी एकमात्र घोषित हिंदू राष्ट्र था मगर 2008 में नेपाल को राजशाही से गणराज्य धर्मनिरपेक्ष घोषित कर दिया गया। हालांकि आज भी नेपाल की अधिकांश आबादी हिंदू है । 1990 के दशक से ही नेपाल में बहुदलीय लोकतंत्र की मांग हो रही थी जिसके चलते 1990 में संवैधानिक राजतंत्र स्थापित हुआ। 1996 से 2006 तक माओवादियों का सशस्त्र संघर्ष चला जिसमें उन्होंने राजशाही को हटाकर लोकतंत्र की स्थापना की मांग की। 2001 में सनसनीखेज ढंग से राजा बीरेन्द्र और उनके परिवार की हत्या के बाद राजा ज्ञानेन्द्र ने सत्ता संभाली। इस घटना से जनता में राजशाही के प्रति अविश्वास बढ़ा। यह विश्वास और भी मुखर तब हुआ जब 2005 में राजा ज्ञानेन्द्र ने लोकतांत्रिक सरकार को बर्खास्त कर सत्ता अपने हाथ में ले ली, इससे जनता में असंतोष बढ़ा। 2006 में नेपाल में व्यापक जनआंदोलन हुआ, जिसमें प्रमुख राजनीतिक दलों और नागरिकों ने भाग लिया। इसके परिणामस्वरूप राजा ज्ञानेन्द्र को सत्ता छोड़नी पड़ी और 2008 में नेपाल को गणराज्य घोषित कर दिया गया।

इस तरह नेपाल में लोकतंत्र की तो स्थापना हो गई लेकिन वहां इन वर्षों में कभी भी लंबे समय तक एक स्थाई सरकार नहीं रह पाई और देश ने इस छोटे से कालखंड में ही 11 प्रधानमंत्री बनते देखे । इस फेल्योर के चलते वहां की जनता त्रस्त रही एवं विकास की गाड़ी भी तेजी से नहीं दौड़ पाई जिसके सपने जनता को लोकतंत्र की स्थापना के समय दिखाए गए थे।

बी पी कोइराला के बाद से तो ऐसा लगा कि जैसे राजनीतिक दलों ने तय कर लिया था कि किसी भी व्यक्ति को साल डेढ़ साल से अधिक प्रधानमंत्री पद पर टिकने ही नहीं देंगे। के पी शर्मा ओली एवं पुष्प कमल दहल प्रचंड को छोड़ दें तो कोई भी प्रधानमंत्री 2 वर्ष से अधिक का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया । अब चाहे वह गिरिजा प्रसाद कोइराला रहे हो या बाबूराम भट्टराई, कुछ तो 'आज आए और कल गए' की तर्ज पर आते - जाते रहे।

अस्तु, कह सकते हैं कि नेपाली लोकतंत्र ने जनता को निराश किया और इसके चलते धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में भी उनकी आस्था घटती गई क्योंकि उनको लगता है कि राजशाही के नियंत्रण में यदि लोकतांत्रिक सरकार बनी तो उन्होंने काफी अच्छा काम किया जबकि स्वतंत्र रूप से बनने वाली सरकारें न टिकी और न ही काम कर पाई।

इसी निराशा के चलते हाल के वर्षों में नेपाल में एक वर्ग राजशाही की पुनःस्थापना की मांग करने लगा। राजनीतिक अस्थिरता के साथ-साथ ही बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार से परेशान जनता राजशाही को एक स्थिर विकल्प के रूप में देखने लगी । नेपाल की सांस्कृतिक और धार्मिक भावनाएँ भी इसकी वजह बनी। आज नेपाल के कई समूह उसे फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने का ख्वाब देखने लगे हैं और इसके लिए राजशाही की वापसी को ज़रूरी मानते हैं।

कुछ लोग मानते हैं कि नेपाल में राजशाही व्यवस्था स्थिरता और राष्ट्रीय एकता के लिए आवश्यक है। हालांकि यह भी उल्लेखनीय है कि जब 2001 में राजशाही परिवार का कत्ल हुआ, तब ज्ञानेंद्र पर ही सबसे अधिक उंगलियां उठी थी एवं यह माना गया था कि राज परिवार हत्याकांड में उनकी प्रमुख भूमिका थी लेकिन उनके राजा बनने के चलते यह सब बातें नेपथ्य में चली गईं । बाद में उन्हें मजबूर होकर देश को लोकतांत्रिक राज्य घोषित करना पड़ा लेकिन वहां के नेताओं की महत्वाकांक्षाओं एवं जनता के असंतोष के चलते एक बार फिर से उनकी अपील पर लोग सड़क पर उतरे हुए हैं।

मध्यम वर्ग अंतरराष्ट्रीय स्कूलों में बच्चों को क्यों दाखिल कराना चाहता है

विजय गर्ग

भारत में अब विश्व स्तर पर अंतरराष्ट्रीय स्कूलों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। अंतर्राष्ट्रीय स्कूली शिक्षा में वृद्धि मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं, बढ़ी हुई आय और वैश्विक कैरियर के अवसरों की इच्छा से प्रेरित है। ये स्कूल व्यक्तिगत सीखने और जांच-आधारित पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, जो शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के छात्रों को आकर्षित करते हैं। मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं में वृद्धि के साथ, भारतीय माता-पिता अपने बच्चों के लिए अंतरराष्ट्रीय बोर्ड स्कूलों की ओर अपना ध्यान बढ़ा रहे हैं, देश दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय स्कूलों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या की मेजबानी कर रहा है - न केवल एक टैग के साथ नाम पर, बल्कि संबद्धता में वैश्विक शिक्षा बोर्डों के साथ,मुंबई, बेंगलुरु जैसे भारत के अमीर शहरों में होने के अलावा, स्कूल अब सांगली में हाटकनागले, दावणगेरे में थोलाहुंसे और बैतूल में सोनाघाटी जैसी जगहों पर पहुंच रहे हैं। ₹हर साल, कैम्ब्रिज 100 स्कूलों को जोड़ रहा है, और आईबी के 30 से 40 नए स्कूल हर साल आ रहे हैं। मध्यम वर्ग की आकांक्षा सर्वकालिक उच्च स्तर पर है। घटना मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है, लेकिन टियर 2 और 3 शहरों में है, जहां अब बड़ी वृद्धि आ रही है 'क्या एक अभिभावक सीबीएसई स्कूल के लिए साल में चार लाख का भुगतान करेगा? नहीं' शिक्षाविद गर्ग इस बदलाव पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें कहा गया है कि एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल खोलना एक रणनीतिक कदम है। संबद्धता प्रक्रिया चिकनी है, ब्रांडिंग अधिक आकांक्षात्मक है, और काफी अधिक ट्यूशन फीस थोड़ा प्रतिरोध का सामना करती है। क्या एक अभिभावक सीबीएसई स्कूल के लिए साल में चार लाख का भुगतान करेगा? नहीं, लेकिन इसे अंतरराष्ट्रीय टैग दें, और कोई भी पलक नहीं झपकते। यह केवल पाठ्यक्रम के बारे में नहीं है - यह प्रकाशिकी के बारे में भी है। ₹एक ऐसी दुनिया में जहां शिक्षण संस्थान रियल एस्टेट निवेश भी हैं, अंतर्राष्ट्रीय स्कूल निजी मालिकों के भूमि-निर्माण मॉडल के साथ बड़े करीने से संरेखित करते हैं। वे स्कूलों से अधिक हैं; वे स्थिति के संकेत हैं, ध्यान से महत्वाकांक्षा और आकांक्षा की अपील करने के लिए बनाया गया है, मध्यम वर्ग अपने बच्चों को इन स्कूलों में क्यों भेज रहा है? सदी के मोड़ पर, भारत के पास आईबी कार्यक्रम की पेशकश करने वाले केवल आठ स्कूल थे, और कैम्ब्रिज (आईजीसीई) स्कूलों की उपस्थिति इतनी कम थी कि 2000 में कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं था। 2011-12 तक, कैम्ब्रिज इंटरनेशनल और इंटरनेशनल बैकलाउरेट क्रमशः 197 और 99 स्कूलों में विस्तारित हुए थे।

आईएससी रिसर्च के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2019 में 884 अंतरराष्ट्रीय स्कूल थे, जो जनवरी 2025 तक बढ़कर 972 हो गए हैं, जिसमें पांच वर्षों में 10% की वृद्धि हुई है। इसकी तुलना में अंतरराष्ट्रीय स्कूलों की वैश्विक गिनती 8% बढ़कर 14,833 हो गई। महाराष्ट्र 210 आईबी और आईजीसीएसई- स्कूलों के साथ आगे बढ़ता है, इसके बाद कर्नाटक, जबकि तमिलनाडु और तेलंगाना तेजी से पकड़ रहे हैं। अधिक परिवार अंतरराष्ट्रीय स्कूलों का चयन कर रहे हैं, यही वजह है कि मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली जैसे शहर अंतरराष्ट्रीय स्कूल श्रृंखलाओं से अधिक निवेश देख रहे हैं। माता-पिता के पास अब अधिक आय है, और वे वैश्विक करिकुलम को अपने बच्चों के करियर के भविष्य के प्रमाण के रूप में देखते हैं।

गैस लगातार बढ़ रहा है, परेशान हूं बहुत

डॉ टी महादेव राव

ऊल जुलूल चीजें खाएगा दिन रात तो गैस नहीं बढ़ेगा, पगले! चाट वाट, टिकिया, चना मसाला क्या-क्या खाता रहता है। ऐसा कर किसी गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट से मिल। अपनी समस्या बता। बस ठीक हो जाएगा। आप भी न हमारे वित्त मंत्री जैसे हो जाते हो कभी कभी। वे कहती हैं हम डीजल,पेट्रोल, एल पी जी वही ईंधन गैस की कीमतें कम नहीं कर सकते। यह तो हमसे पहले वाली सरकारों का पाप है, जो अब तक धो धोकर सत्ता की गंगा को हम मैला कर चुके हैं। कम नहीं कर सकते तो बढ़ा कैसे सकते हैं? उनका लक्ष्य है एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत दो हज़ार रुपये कर दें ताकि चिल्हर की झंझट न हो। सिलेंडर आया दो हज़ार थमा दिए। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी दोहरा शतक करने का इरादा भी है। तभी तो नौ साल पहले दो सौ की नोट का चलन भी किया जा चुका। वहां भी चिल्हर का झंझट खत्म हो जाएगा।

सभी की कीमतें बढ़ रही हैं, महंगाई आसमान छू रही है और सिर्फ एलपीजी गैस की कीमत को लेकर रो रहे हो? सारे कारोबारों में पेट्रोल, डीजल और ईंधन गैस का ही बोलबाला है। ये तीनों धुरियां है जिस पर महंगाई का बाजार चलता है। तुम तो नया अर्थशास्त्र पढ़ा रहे हो भाई! धुरियां और कारोबार कुछ समझ नहीं आया।

आप आजकल अपने घुटने का ज्यादा इस्तेमाल नहीं कर रहे हो शायद इसलिए आपका दिमाग ठीक से काम नहीं कर पा रहा है। बकवास बंद कर। घुटना तेरा और दिमाग तेरा चल रहा है ज्यादा। अब साफ-साफ बता कि यह क्या बला है धुरियां।

कहीं भी किसी भी कारोबार में सामान तो ट्रक और वैन से ही आएगा या तो डीजल या पेट्रोल के वाहन। हैं न। डीजल पेट्रोल की कीमतें बढ़ेंगी तो आवागमन में ज्यादा खर्चा देना ही पड़ेगा न? चीजों की कीमतें बढ़ने का यही कारण है। होटल के चीजों के दाम भी इस वजह से और बनाने में एलपीजी गैस की वजह से भी बढ़ती हैं। यही ना ? बिल्कुल भाई। बहुत खूब! अब आया वापस आपका चिंतन। वह तो ठीक है। महंगाई के बढ़ते कम चीजें खपत कर रहे हैं। लगता है अब दोनों जून का खाना एक ही वक्त बनाना होगा और खाना होगा। जून ही नहीं जुलाई से फिर मई तक सारे महीने यही सब करना होगा। अच्छे दिन तो आ ही गए। किसी से कहो कि महंगाई बढ़ गई है, ऐसा हुआ, वैसा हुआ तो क्या कहता है? वह आश्चर्यचकित होकर अच्छा कहता है और यही अच्छा अच्छा करते-करते अच्छे दिन आ गए ना।

भाग्यलक्ष्मी मंदिर हैदराबाद

भाग्यलक्ष्मी मंदिर हैदराबाद के पुराने शहर में है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इसे एक स्मारक घोषित किया है। यह मंदिर हैदराबाद के ऐतिहासिक स्मारक चारमीनार के तल पर स्थित है, जो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सीधी देखरेख में है। लक्ष्मी देवी को भाग्यलक्ष्मी मंदिर की प्राथमिक देवी माना जाता है । चारमीनार देखने वाले लोग इस जगह पर भी जाते हैं। भाग्यलक्ष्मी मंदिर हैदराबाद और सिकंदराबाद में सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले हिंदू मंदिरों में से एक है। मंदिर के नाम पर ही भाग्य नगर शहर का नाम रखा गया।

भाग्यलक्ष्मी मंदिर के बारे में कुछ रोचक किंवदंतियाँ प्रचलित हैं। इसकी प्राचीनता के बारे में विभिन्न मत हैं। एक समूह का दावा है कि यह मंदिर इस स्थान पर चारमीनार के युग से ही अस्तित्व में है।

स्थानीय किंवदंती के अनुसार, मंदिर 1960 के दशक के अंत में अस्तित्व में आया। राज्य के इतिहासकारों के अनुसार, जब मुहम्मद कुली कुतुब शाह ने चारमीनार का निर्माण कराया था, तब भाग्यलक्ष्मी मंदिर स्थल पर एक पवित्र पत्थर मौजूद था। बाद में, भक्तों ने पवित्र पत्थर पर हल्दी और कुमकुम लगाना शुरू कर दिया और उसकी पूजा करना शुरू कर दिया।

1960 के दशक में चारमीनार के नीचे एक छोटे से शेड में लक्ष्मी देवी की मूर्ति की भव्य रूप से प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। कुछ लोगों का दृढ़ विश्वास है कि भाग्यलक्ष्मी मंदिर की स्थापना रानी भागमती की याद में की गई थी, जिन्होंने निज़ाम शासकों में से एक से विवाह किया था।

अतीत में, रजाकारों के नेतृत्व में भाग्यलक्ष्मी मंदिर को नष्ट करने के प्रयास किए गए थे , जो हैदराबाद के पुराने शहर से हिंदू निशान मिटाने के लिए दृढ़ थे। हैदराबाद की रजाकार पार्टी ने हिंदुओं को भ्रमित करने के लिए यह दुष्प्रचार फैलाया कि भाग्यलक्ष्मी मंदिर नया है जिसे 1979 में ही बनाया गया था।

2012 में तेलंगाना उच्च न्यायालय ने भाग्यलक्ष्मी मंदिर के और विस्तार से इनकार कर दिया । 2013 में एएसआई ने कहा कि मंदिर की संरचना एक अनधिकृत निर्माण थी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सूत्रों ने कहा कि मंदिर ने चारमीनार की सीमा पर अतिक्रमण किया है।

भाग्य लक्ष्मी मंदिर की वास्तुकला

मंदिर का विस्तार करने के कई प्रयास किए गए, लेकिन न्यायालय ने इस पर रोक लगा दी। इसलिए, आगंतुक चारमीनार प्रवेश द्वार के किनारे भाग्यलक्ष्मी मंदिर देख सकते हैं ।

मंदिर के प्रांगण में एक शामियाना तम्बू है जो कतार में खड़े आगंतुकों को छाया प्रदान करता है। लक्ष्मी देवी छोटी सी जगह के अंदर बैठी मुद्रा में विराजमान हैं और अन्य देवताओं की मूर्तियाँ भी वहाँ दिखाई देती हैं। उन्हें भव्य पोशाक, फूलों और गहनों से सजाया गया है। पूजा करने और आगंतुकों को आरती देने के लिए एक पुजारी भी मौजूद है। त्योहारों और सार्वजनिक छुट्टियों पर मंदिर में आगंतुकों की भीड़ उमड़ती है।

भाग्य लक्ष्मी मंदिर में उत्सव

भाग्यलक्ष्मी मंदिर नवरात्रि, उगादि, बोनालु, संक्रांति और सभी हिंदू त्योहारों को बहुत धूमधाम से मनाता है।

सार्वजनिक छुट्टियों के दौरान, भाग्यलक्ष्मी मंदिर में लोगों की लंबी कतार देखी जा सकती है । यह मंदिर जुड़वां शहरों में हिंदू-मुस्लिम एकता का गौरवशाली प्रतीक है।

भाग्य लक्ष्मी मंदिर में पूजा करने के लाभ

आमतौर पर, दिवाली के दिन भक्त लक्ष्मी देवी की पूजा करने के लिए भाग्यलक्ष्मी मंदिर में इकट्ठा होते हैं । मंदिर के अधिकारी भक्तों को ₹सिक्के₹ वितरित करते हैं। लोग शहर के विभिन्न इलाकों से सिक्के लेने के लिए मंदिर में आते हैं, उनका मानना है कि ये सिक्के उनके लिए सौभाग्य लाते हैं।

भाग्य लक्ष्मी मंदिर तक कैसे पहुंचें?

सड़क द्वारा, चारमीनार बस स्टैंड मंदिर से 750 मीटर दूर है।

राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 19.8 किमी दूर है।

भाग्य लक्ष्मी मंदिर का खुलने का समय

भाग्यलक्ष्मी मंदिर सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक खुला रहता है।

ईडाणा माता मंदिर, उदयपुर

उदयपुर शहर से 60 किलोमीटर दूर कुराबड़-बम्बोरा मार्ग पर अरावली की विस्तृत पहाड़ियों के बीच ईडाणा माता मंदिर स्थित है। ईडाणा माताजी धाम के नाम से प्रसिद्ध यह मंदिर मेवाड़ के सबसे प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है। यहां देवी बरगद के पेड़ के नीचे विराजमान हैं। मान्यताओं के अनुसार, देवी प्रसन्न होने पर अग्नि स्नान करती हैं। महीने में करीब दो से तीन बार मंदिर में आग लगती है, जो कभी-कभी 20 फीट की ऊंचाई तक पहुंच जाती है। आग में देवी मां की मूर्ति को छोड़कर सब कुछ जल जाता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि देवी अग्नि में स्नान करती हैं। लेकिन आज तक कोई भी इस मंदिर में आग लगने के पीछे का कारण नहीं जान पाया। मान्यता के अनुसार, देवी अग्नि स्नान देखने वाले हर व्यक्ति की मनोकामना पूरी करती हैं। जब कोई भक्त अग्नि स्नान देख लेता है तो वह लकवा समेत कई असाध्य रोगों को ठीक कर देती हैं। मान्यताओं के अनुसार, राजस्थान में स्थित इस देवी मंदिर का निर्माण महाभारत काल से हुआ है। अपने अंदर कई रहस्यों को समेटे इस मंदिर में नवरात्रि के दौरान भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। हर साल हजारों की संख्या में भक्त ईडाणा माता को अग्नि स्नान करते हुए देखने के लिए यहां आते हैं। भक्त अग्नि स्नान की एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार करते हैं। सालों पहले ईडाणा माता को स्थानीय राजाओं द्वारा कुलदेवी के रूप में पूजा जाता था।

करणी माता मंदिर, बीकानेर

यह करणी माता मंदिर बीकानेर से 30 किलोमीटर दूर देशनोक में स्थित है। राजस्थान में देवी मंदिर संगमरमर से बना है और इसमें देवी के ऊपर चांदी और सोने के गुंबद, मंडप और पैनल हैं। मंदिर के प्रवेश द्वार पर सुंदर और विस्तृत नक्काशी है। दुनिया भर में चूहों के मंदिर के रूप में भी प्रसिद्ध, यहाँ भक्त चूहों को पवित्र मानते हैं। देवी और फिर चूहों को चढ़ाने के बाद उन्हें उसी प्रसाद का एक हिस्सा भी मिलता है।

इस मंदिर की सबसे आश्चर्यजनक विशेषताओं में से एक है परिसर में बड़ी संख्या में चूहे रहते हैं और आश्चर्य की बात यह है कि तीर्थयात्रियों के नंगे पैर होने पर भी वे किसी को नहीं काटते हैं। साथ ही, इतने सारे चूहे होने के बाद भी आज तक यहाँ कोई बीमारी नहीं फैली है और चूहों का बचा हुआ प्रसाद खाने से कोई भी भक्त बीमार नहीं हुआ है।

मान्यता के अनुसार, यदि आपको सफेद चूहा दिख जाए, जो कि एक दुर्लभ दृश्य है, तो आप भाग्यशाली हैं, यह इस बात का संकेत है कि भविष्य में आपको बेहतर समय का सामना करना पड़ेगा।

इससे जुड़ी किंवदंतियां:

करणी माता मंदिर में चूहों की पूजा करने की परंपरा स्थानीय लोककथाओं में निहित है, जिसके अनुसार देवी अपने एक अनुयायी को मृत्यु के देवता भगवान यम के चंगुल से वापस लाने के लिए लंबी तपस्या पर गई थीं। भगवान ने बताया कि वह व्यक्ति पहले ही चूहे के रूप में जन्म ले चुका है। इसके बाद उन्होंने करणी माता को वरदान दिया कि उनके सभी अनुयायी अपनी मृत्यु के बाद चूहों के रूप में जन्म लेंगे, जब तक कि वे अपने कुलों में मनुष्य के रूप में पुनर्जन्म नहीं ले लेते।

त्रिपुर सुंदरी मंदिर, बांसवाड़ा

त्रिपुरा सुंदरी मंदिर राजस्थान के बांसवाड़ा से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह मंदिर माता तुरीता मंदिर के नाम से भी प्रसिद्ध है। एक छोटी पहाड़ी के ऊपर स्थित, मंदिर में एक शंक्वाकार गुंबद के साथ एक विशिष्ट बंगाली-झोपड़ी शैली का गर्भगृह है। गर्भगृह के अंदर, काले पत्थर की नक्काशी के साथ एक देवी का एक सुंदर मंदिर है। मंदिर में एक बाघ पर सवार एक मूर्ति है और यह पाँच फीट ऊँची है जिसमें 8 हाथ हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक हाथ में एक अलग प्रतीक है।

मान्यताओं के अनुसार, यह पवित्र स्थान हिंदुओं के शक्ति पीठों में से एक है जो देवी शक्ति या देवी पार्वती की पूजा करते हैं। देवी भगवती त्रिपुरा सुंदरी की मूर्ति में दिव्य शक्तियाँ हैं और इसे चमत्कारी माना जाता है।

पवित्र देवी में सिद्धि युक्त श्री यंत्र है, जो सर्वत्र सिद्धि प्रदान करता है। इसके दोनों ओर नवदुर्गा की नक्काशी की गई है। उन्हें त्रिपुर सुंदरी कहा जाता है, जिनके तीन रूप हैं - प्रातः काल कुमारिका, मध्याह्न काल में सुंदरी यानी किशोरी और सायंकाल में प्रौढ़। नरेंद्र मोदी से लेकर वसुंधरा राजे तक कई राजनेता भी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में दर्शन करने आते हैं।

इससे सम्बंधित किवदंती:

मंदिर के पास ही एक खदान है, जहाँ कभी लोहे की खदान हुआ करती थी। किवदंती के अनुसार, एक दिन त्रिपुर सुंदरी भिखारी के रूप में खदान के द्वार पर पहुँचीं, लेकिन पंचाल जाति के लोगों ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

देवी ने क्रोधित होकर खदान को नष्ट कर दिया, जिससे कई लोग मारे गए। देवी को प्रसन्न करने के लिए पंचालों ने उनका मंदिर और उसके पास एक तालाब बनवाया।

देवी स्कंदमाता

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी ॥

अर्थ

सिंह पर सवार दोनों हाथों में कमल का फूल धारण करने वाली यशस्विनी देवी स्कंदमाता हमारे लिए शुभदायी हों।

पूजा विधि

देवी का ध्यान कर के कलश पर चावल चढ़ाएं और गंगाजल छिड़कें। चंदन, हल्दी, कुमकुम, अक्षत और कनेर के फूल चढ़ाएं। धूप-दीप के साथ केले और अन्य फलों का भोग लगाएं।

परमात्मा एक, रूप अनेक; जानें इनके एक होने का सच और अनेक रूपों का रहस्य

संसार में कई विभिन्नताएं हैं, यही हमारी सृष्टि का सौंदर्य है। यहां अनेक जातियां हैं, मत हैं, कई पंथ-संप्रदाय हैं, लेकिन हमारी संस्कृति कहती हैं कि सभी में एक ही परमात्मा समाया हुआ है। परमात्मा एक ही है और वही हमें अनेक रूपों में दिखाई देता है। परमात्मा एक से अनेक होकर दिखाई देता है। अनेक ईश्वर नहीं हैं, ईश्वर एक ही है। आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए हमारी संस्कृति का संदेश क्या है?

तनोट माता मंदिर, जैसलमेर

जैसलमेर के छोटे से गांव तनोट में स्थित तनोट माता मंदिर का किंवदंतियों, चमत्कारों और धर्म से गहरा नाता है। इस मंदिर में स्थानीय लोगों की अत्यधिक आस्था और भक्ति है। यह मंदिर जैसलमेर से लगभग 130 किलोमीटर दूर भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित है। यह राजस्थान के चमत्कारिक देवी मंदिरों में से एक है जिसका निर्माण लगभग 1200 साल पहले हुआ था। यह मंदिर दुनिया में अपनी अलग पहचान रखता है क्योंकि यहां पाकिस्तानी बम नहीं फटा। तनोट माता मंदिर में आज भी सैकड़ों डिफ्यूज बम देखे जा सकते हैं।

देश का हर जवान तनोट माता की कृपा और चमत्कार से भली-भांति परिचित है। माता की कृपा सदियों से भक्तों पर रही है, लेकिन 1965 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में माता ने अपना चमत्कार दिखाया था। यह राजस्थान के चमत्कारी देवी मंदिरों में से एक है, जो 1965 के भीषण भारत-पाक युद्ध के युद्ध स्थल पर स्थित है। पाकिस्तान ने माता के मंदिर पर 3000 से अधिक बम गिराए, लेकिन ये बम नहीं फटे। ये बम आज भी भक्तों के दर्शन के लिए मंदिर परिसर में बने संग्रहालय में रखे हुए हैं। 1965 के युद्ध के बाद मंदिर की जिम्मेदारी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दी गई थी। तब से लेकर अब तक हर दिन सिर्फ भारतीय सेना के जवान ही मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं।

जीण माता मंदिर, सीकर

यह मंदिर सीकर जिले के गोरिया गांव में तीन छोटे पहाड़ों के संगम पर स्थित है। जीण माता का मंदिर भी घने जंगल से घिरा हुआ है। जीण माता का वास्तविक नाम जयंती माता है। चूंकि देवी का मंदिर सदियों पुराना है, निर्माण अपेक्षाकृत नया है क्योंकि मंदिर का पुनर्निर्माण पांडवों द्वारा हस्तिनापुर से अपने वनवास के दौरान किया गया था। अतीत में जब जीण माता का मंदिर तीर्थ स्थान था, तब से कई बार मरम्मत और पुनर्निर्माण हुआ है। जीण माता का मंदिर प्रारंभिक समय से तीर्थ स्थान था। मंदिर की वास्तुकला बहुत आकर्षक है। गर्भगृह में, कई स्तंभ हैं जो ऊपर से नीचे तक वनस्पतियों और जीवों, नर्तकियों और देवताओं के साथ उकेरे गए हैं। विशाल संगमरमर का शिवलिंग और नंदी प्रतिमा इस मंदिर के मुख्य आकर्षण हैं।

इससे सम्बंधित किवदंती:

लोक मान्यता के अनुसार एक बार मुगल बादशाह औरंगजेब ने अपने सैनिकों को जीण माता और भैरों देव के मंदिर को तोड़ने के लिए भेजा था। जीण माता ने अपना चमत्कार दिखाया। मधुमक्खियों के झुंड ने मुगल सेना पर हमला कर दिया और पूरी सेना अपने घोड़े भी मैदान में छोड़कर भाग गई। किंवदंतियों के अनुसार मधुमक्खियों के इस हमले से बादशाह बहुत गंभीर हो गया। तब बादशाह ने अपनी गलती स्वीकार की और माता को अखंड ज्योति जलाने का वचन दिया।

दिशा सालियान केसः पिता ने सीबीआई जांच और आदित्य ठाकरे पर एफआईआर की मांग की

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला– मामला दूसरी बेंच में भेजें

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को दिवंगत सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान के पिता सतीश की याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस नीला गोखले रजिस्ट्री विभाग को मामले को उचित बेंच के पास रखने का निर्देश दिया। दिशा के पिता सतीश ने अपनी बेटी की मौत की सीबीआई जांच करने और विधायक आदित्य ठाकरे समेत चार प्रमुख व्यक्तियों के खिलाफ जांच की बात कही है।

बेंच ने कहा- याचिका महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित है। इसलिए इसे जस्टिस सारंग कोटवाल की अध्यक्षता वाली बेंच देख सकती है।

साल 2020 में दिशा की मौत को आत्महत्या बताया गया था, लेकिन परिवार ने कई सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि मौत को आत्महत्या के रूप में दबाने की कोशिश की गई और इसमें शक्तिशाली लोगों का हाथ हो सकता है।

सतीश सालियान का कहना है कि इस मामले में कई अहम सबूत गायब कर दिए गए, जो सच्चाई

को उजागर कर सकते थे। सतीश और उनके वकील निलेश ओझा ने कहा कि वे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर मामले से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत सौंपेंगे।

ओझा ने कहा, 'हमारे पास महत्वपूर्ण और अतिरिक्त सबूत हैं, लेकिन हम इन्हें फिलहाल सार्वजनिक नहीं कर सकते क्योंकि इससे मामले पर असर पड़ सकता है।'

उन्होंने पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। ओझा का कहना है कि परमबीर सिंह और उनके सहयोगियों ने दिशा की मौत को आत्महत्या के रूप में दबाने की कोशिश की थी।

ओझा ने यह भी दावा किया कि फरवरी 2021 में जारी की गई क्लोजर रिपोर्ट को वापस लिया गया है और मामले से जुड़े झूठे प्रचार की बात कही।

कौन थीं दिशा सालियान?

28 साल की दिशा सालियान एक सेलिब्रिटी मैनेजर थीं, जिन्हें खासकर दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ काम करने के लिए जाना जाता था। सुशांत ने दिशा की मौत के छह दिन बाद अपने मुंबई के बांद्रा स्थित अपार्टमेंट में कथित तौर पर आत्महत्या की थी।

दिशा ने फिल्म 'जज्बा' में ऐश्वर्या राय बच्चन और एक्टर वरुण शर्मा के साथ भी काम किया था। मुंबई पुलिस ने दिशा और सुशांत की मौत के बीच कोई संबंध नहीं बताया था।

दिशा अपने माता-पिता के साथ दादर में रहती थीं और कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान उनका मंगेतर रोहन रॉय भी उनके साथ रहने आया था।

रोहन ने मुंबई के मालाड वेस्ट के रीजेंट गैलेक्सी बिल्डिंग की 14वीं मंजिल पर एक फ्लैट खरीदा था, जहां वे शादी के बाद रहने वाले थे। लेकिन वही फ्लैट वह जगह बन गई, जहां दिशा की मौत हुई।

8 जून 2020 को दिशा की मौत

8 जून 2020 को दिशा मलाड के एक अपार्टमेंट की 14वीं मंजिल से गिरकर मरी थीं। पुलिस ने इसे आत्महत्या बताया था। उस समय दिशा के पिता ने जांच को संतोषजनक माना था।

आयशा जुल्का ने करवाया था मनीषा कोइराला और नाना पाटेकर का ब्रेकअप?

एक्ट्रेस ने बताया सच, अक्षय कुमार पर भी बोलीं

एक्ट्रेस आयशा जुल्का ने लेटेस्ट इंटरव्यू में नाना पाटेकर, मिथुन चक्रवर्ती और अक्षय कुमार संग अपने लिंक-अप की खबरों पर रिएक्ट किया है। 90 के दशक में आयशा जुल्का का इन सभी एक्टर्स के साथ नाम जुड़ा था। यह तक कहा गया कि मनीषा कोइराला ने नाना पाटेकर से इसलिए रिश्ता तोड़ लिया था क्योंकि वह आयशा जुल्का को डेट कर रहे थे। पर क्या वाकई ऐसा था? आयशा जुल्का ने अब सच बताया है। साथ ही खुलासा किया कि वह अक्षय कुमार की ओर आकर्षित थीं?

आयशा जुल्का ने विक्की लालवानी को दिए इंटरव्यू में अक्षय के साथ अपने रिश्ते से साफ इनकार नहीं किया, लेकिन उन्होंने अपने और मिथुन के साथ-साथ नाना पाटेकर के बारे में अफेयर की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मिथुन और नाना इतने सीनियर एक्टर हैं कि उनके बारे में इस तरह से बात नहीं की जा सकती। साथ ही बताया कि इन अफवाहों ने आयशा जुल्का और

उन दोनों एक्टर्स के बीच शर्मनाक स्थिति पैदा कर दी थी।

क्या मनीषा कोइराला ने नाना पाटेकर के साथ आयशा जुल्का के कथित अफेयर के कारण उनसे रिश्ता खत्म कर लिया था? इस बारे में आयशा जुल्का ने कहा, 'अगर आप उस समय के टैब्लॉयड खोलेंगे तो पाएंगे कि मेरा नाम हर किसी से जोड़ा जाता था। हम सिर्फ दोस्त थे और हमारे बीच अच्छा रिश्ता था। जब आप एक-साथ 6-7 फिल्में करते हैं, तो आप हर तीसरे दिन सेट पर एक-दूसरे से मिलते हैं, उस उम्र में, यह भोलापन है।'

आयशा जुल्का ने आगे कहा, 'आज भी लड़कियों से ज्यादा मेरे दोस्त लड़के हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको उनके साथ रोमांटिक रूप से जुड़ना होगा। आज के समय में, छिपाने के लिए क्या है? हम उस उम्र को पार कर चुके हैं।'

आयशा जुल्का ने फिर अक्षय कुमार के बारे में बात की। उन्होंने एक्टर संग अफेयर पर ज्यादा डिटेल में तो बात नहीं की, पर यह जरूर स्वीकार किया कि वह उनकी ओर आकर्षित थीं। आयशा जुल्का ने कहा, 'आकर्षण हो सकता, लेकिन यह सामान्य है। यह न तो अंडरलाइन्ड था और ना ही डिफाइंड।

अगर आप शारीरिक आकर्षण के बारे में बात कर रहे हैं, तो मुझे नहीं लगता कि इसे बताने का यह सही तरीका है। हमारे बीच हमेशा से वह लगाव रहा है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि फिजिकल अट्रैक्शन इसे जाहिर करने का अच्छा तरीका है।'

रिलीज के तीसरे दिन ही थिएटर से गायब हुई सिकंदर

सलमान की फिल्म सिकंदर के शोज कैंसिल खाली हॉल देख थिएटर मालिकों ने बदली फिल्में

सलमान खान की सिकंदर 30 मार्च को रिलीज हुई है। फिल्म रिलीज से पहले बज में थी, हालांकि कहानी और प्लॉट के चलते ये फिल्म दर्शकों को इंप्रेस करने में फेल होती नजर आ रही है। यही वजह है कि फिल्म के कई शोज कैंसिल किए जा रहे हैं। कई थिएटर में अब सिकंदर की जगह मोहनलाल की फिल्म L2: एंपुरान लगाई जा रही है।

हाल ही में आई बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, सूरत, अहमदाबाद, भोपाल और इंदौर के कई थिएटर्स से सिकंदर उतर चुकी है।

मुंबई के कांदीवली के आइनॉक्स रघुलीला में सिकंदर के शाम साढ़े 5 बजे वाले शो की जगह अब उमबारो फिल्म लग चुकी है।

1 अप्रैल से सिकंदर के रात साढ़े 9 बजे के शो को भी हटाकर ऑल द बेस्ट पांड्या लग चुकी है। सिनेपॉलिस सीवुड और पीवीआर ओरियन मॉल में साढे.9 बजे और साढ़े 5 बजे के शो को मोहनलाल की फिल्म L2: एंपुरान से रिप्लेस किया जा चुका है।

साउथ मुंबई के आइनॉक्स नरिमन पॉइंट में रात 8 बजे और मेट्रो आइनॉक्स में रात साढ़े 8 बजे अब सिकंदर की जगह जॉन अब्राहम की फिल्म डिप्लोमैट लग चुकी है।

सिकंदर ने किया था 26 करोड़ का ओपनिंग कलेक्शन

30 मार्च को रिलीज हुई फिल्म सिकंदर ने 26 करोड़ रुपए का

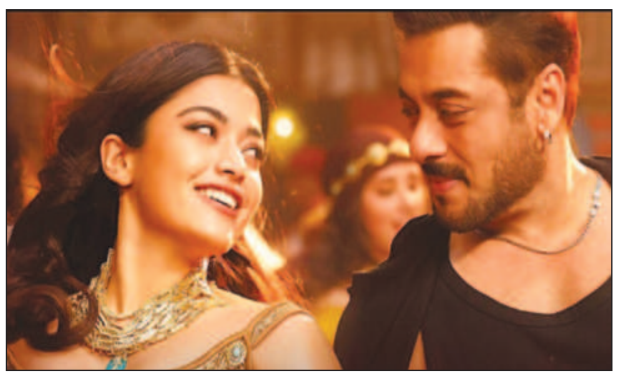

ओपनिंग कलेक्शन किया था। फिल्म को रविवार को रिलीज होने का फायदा मिला। इसके अगले दिन ईद के मौके पर फिल्म की कमाई में उछाल देखने को मिला। फिल्म ने दूसरे दिन 29 करोड़ रुपए और तीसरे दिन 19.5 करोड़ कमाए। फिल्म का कुल कलेक्शन 74.5 करोड़ पहुंच चुका है।

बताते चलें कि फिल्म सिकंदर को गजनी जैसी बेहतरीन फिल्म डायरेक्ट कर चुके एआर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में सलमान खान के अपोजिट रश्मिका मंदाना नजर आई हैं। वहीं फिल्म में शरमन जोशी, काजल अग्रवाल, सत्यराज, प्रतीक बब्बर भी अहम किरदारों में हैं।

कजरा रे सॉन्ग पर साथ थिरके ऐश्वर्या-अभिषेक

फैमिली वेडिंग में बेटी आराध्या ने भी मैच किए हुक स्टेप्स, केमिस्ट्री देखकर मिल रही हैं तारीफें

ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन बेटी आराध्या के साथ हाल ही में एक फैमिली वेडिंग में शामिल हुए थे। अब इस शादी से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें ऐश्वर्या-अभिषेक ने सालों बाद अपने आइकॉनिक गाने कजरा रे पर थिरकते हुए समा बांध दिया है।

कपल को बेटी आराध्या का भी मंच पर भरपूर साथ मिला है। ऐश्वर्या की कजिन श्लोका शेट्टी की शादी पुणे में हुई थी। हाल ही में कजिन आरिया शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर ऐश्वर्या और अभिषेक का वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें दोनों कजरा रे की स्टेप्स फॉलो करते दिखे हैं।

वीडियो में देखा जा सकता है कि न्यूलीवेड कपल ऐश्वर्या-अभिषेक को मंच तक लेकर आते हैं, जिसके बाद दोनों तालमेल मिलाते हुए आइकॉनिक गाने के हुक स्टेप करते हैं। इस समय आराध्या भी ऐश्वर्या को कॉपी करती दिखी हैं।

वीडियो सामने आने के बाद फैंस कपल को साथ थिरकते देख जमकर तारीफें कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, दोनों को साथ देखकर खुशी हो रही है, काश दोनों हमेशा साथ रहें। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है, कई विवादों के बाद परिवार जीत गया। बताते चलें कि

ऐश्वर्या अभिषेक का ये वीडियो उनकी आईफा अवॉर्ड परफॉर्मेंस की याद दिलाता है। कपल ने सालों पहले इसी गाने पर आईफा में परफॉर्म किया था। उन्होंने कई कॉन्सर्ट में भी इस गाने को रीक्रिएट किया है।

तलाक की खबरों से चर्चा में थे कपल

बताते चलें कि बीते साल जुलाई में ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन तलाक की खबरों से सुर्खियों में आ गए थे। दरअसल, कपल जुलाई में हुई अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में अलग-अलग पहुंचे थे। इस दौरान ऐश्वर्या ने बच्चन परिवार के साथ तस्वीरें भी क्लिक नहीं करवाई थीं।

इसके बाद से ही की मौकों पर दोनों का अलग-अलग पहुंचना और अकेले वेकेशन पर जाना भी इन खबरों को बढ़ावा देता रहा।

बताते चलें कि ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन, ढाई अक्षर प्यार के उमराव जान, गुरू और धूम 2 जैसी कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं।

धूम 2 की शूटिंग के दौरान ऐश्वर्या और अभिषेक नजदीक आए, जिसके बाद कपल ने 20 अप्रैल 2017 में शादी कर ली। ये उस समय की सबसे बड़ी इंडियन शादियों में गिनी जाती थी। शादी से कपल को एक बेटी आराध्या है।

शादी से पहले ऐश्वर्या फिल्म बंटी और बबली के गाने कजरा रे में नजर आई थीं। गाने की खास बात ये रही कि इस गाने में ऐश्वर्या, अभिषेक के अलावा अपने ससुर अमिताभ बच्चन के साथ भी थिरकती दिखी थीं।

गोविंदा और सुनीता को बरसों से साथ नहीं देखा

वो अकेले रहते हैं, टीनू वर्मा ने बताया कपल के 'तलाक' का सच

कुछ महीने पहले गोविंदा और सुनीता के तलाक की खबरों ने तहलका मचा दिया था। फैंस को तगड़ा झटका लगा था।

हालांकि, गोविंदा और सुनीता ने तलाक की खबरों को खारिज किया था। पर गोविंदा के वकील ने एक बयान में कहा था कि सुनीता ने 6 महीने पहले तलाक की अर्जी दी थी।

यह बात 6 महीने पुरान है, और अब उनके बीच सबकुछ ठीक है। पर इसके बावजूद गोविंदा और सुनीता कहीं साथ नजर नहीं आते। वो अलग-अलग ही स्पॉट किए जाते हैं। अब इस पर एक्शन डायरेक्टर टीनू वर्मा ने बात की है, जो गोविंदा के करीबी और पारिवारिक दोस्त हैं।

टीनू वर्मा से पूछा गया था कि सुनीता आहूजा और गोविंदा का तलाक होने वाला है, ऐसा कहा जा रहा है। तो ये होने वाला है या हो गया है क्योंकि वो साथ रहते नहीं हैं। खुद सुनीता ने भी यह बात कही है कि वह बच्चों के साथ रहती हैं। इस पर टीनू वर्मा ने कहा, 'मैं जब भी मिलने गया हूं बंगले पे, मैंने तो चीची भैया को अकेले ही देखा है। मैं मेरी दादी मां के भजन को लॉन्च करने के लिए चीची भैया को लेकर गया था गांव..दौसा, राजस्थान। तो वो आए थे।'

'2 साल पहले भी घर गया तो भी गोविंदा अकेले थे, सुनीता को नहीं देखा'

'लेकिन मैं जब भी मिलने जाता हूं, बात होती है या हमारा डिस्कशन होता है, तो वो मुझे घर पर अकेले ही मिले हैं। हम लोग परिवार जैसे हैं। वो (एक्टरगोविंदा) मुझे बहुत पसंद करते हैं और हमारा रेपो अलग है। मैं दो साल पहले भी घर गया था, तो भी वो अकेले ही थे। हो सकता है वो रात को घर जाते होंगे, मुझे नहीं पता। लेकिन मैं जब भी गया तो चीची भैया को घर पर ही मिला, पर वो अकेले ही होते थे। लेकिन सुनीता जी को नहीं मिला।'

गोविंदा को गोली लगने वाली घटना पर यह बोले

टीनू वर्मा ने बताया कि सुनीता आहूजा बच्चों के साथ अलग घर में रहती हैं। इसके बाद उन्होंने गोविंदा को लगी गोली वाली घटना पर कहा, 'मुझे तो और भी पता चला, जो गोली चली थी, वो अंदर की ही कोई कुछ खिचड़ी पकी हुई है।' रिपोर्टर ने जब कहा कि आप ये कह रहे हैं कि कहीं सुनीता जी ने तो गोली नहीं चलाई? तो टीनू वर्मा हंसे और कहा कि नहीं, नहीं। (रिवॉल्वर) साफ करते-करते कुछ हो गया होगा आपस में।'

हाल ही इवेंट में गोविंदा के बिना दिखी थीं सुनीता, पूछे जाने पर यह बोलीं

वहीं, जब सुनीता हाल ही एक इवेंट में बेटे यशवर्धन के साथ नजर आईं, तो उनसे गोविंदा की गैरमौजदूगी के बारे में पूछा गया। इस पर सुनीता ने ऐसा रिएक्शन दिया, जिससे एक बार फिर तलाक की खबरों को हवा मिलनी शुरू हो गई।

फोटोग्राफर ने जब सुनीता से पूछा कि सर कहां हैं, तो सुनीता ने चौंकते हुए पूछा- क्या?

और जब फोटोग्राफर ने कहा कि हो सकता है कि गोविंदा लेट एंट्री करें तो सुनीता ने जवाब दिया- लास्ट बट नॉट द लीस्ट।'

हर्षवर्धन कपूर ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बात की

कहा– प्रोड्यूसर्स थोड़ा रिस्क लें, मेकर्स फिल्म के बजट पर नहीं अच्छे कंटेंट पर ध्यान दें

अनिल कपूर के बेटे हर्षवर्धन कपूर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट पर रिएक्शन दिया है। इसमें सलमान खान, शाहरुख खान, अजय देवगन और अक्षय कुमार समेत इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों को लेकर बात की गई। वायरल पोस्ट में कहा गया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री अब खत्म हो रही है।

हर्षवर्धन कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में हो रहे बदलाव पर एक लंबा पोस्ट लिखा। उन्होंने लिखा कि अब मेकर्स को भारी बजट वाली फिल्में बनाने से ज्यादा अच्छा कंटेंट बनाने पर ध्यान देना चाहिए। एक्टर ने कुछ नया और हटकर करने की बात कही। साथ ही कहा कि बॉलीवुड सिर्फ बड़े कलाकारों के होने से नहीं है। प्रोड्यूसर्स को थोड़ा रिस्क लेना चाहिए।

दरअसल, एक निशांत नाम के यूजर ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा था, 'बॉलीवुड अब खत्म हो गया है। सलमान खान अब एक्टिंग नहीं करना चाहते, आमिर के पास कोई फिल्म नहीं है, अक्षय फिल्में कर रहे हैं लेकिन कोई फायदा नहीं है, शाहरुख दो साल में एक फिल्म करते हैं। अजय कुछ बड़ा कर सकते हैं लेकिन वह सेफ खेल रहे हैं। लगता है कि रणबीर कपूर अकेले एक्टर हैं जो स्ट्रगल कर रहे हैं।'

कपिल शर्मा, कैंसर पीड़ित पिता के लिए मांगी मौत

पुलिस की नौकरी ठुकराई, फिल्म फ्लॉप होने से डिप्रेशन में गए तो सुसाइड की सोची

कॉमेडी के बादशाह कपिल शर्मा आज घर-घर में लोकप्रिय हैं। लोगों के चेहरे पर हंसी और चहक लाने वाले कपिल शर्मा आज भले ही बड़े स्टार बन चुके हों, लेकिन एक वक्त ऐसा भी था जब उन्हें काम के लिए बहुत धक्के खाने पड़ते थे।

कपिल शर्मा से कॉमेडी किंग बनने तक का उनका सफर बेहद मुश्किल भरा था, लेकिन उन्होंने भी दृढ़ निश्चय कर लिया था कि किसी भी हालत में अपने सपनों को पूरा करेंगे।

सफलता के शीर्ष पर पहुंचने के बाद कपिल शर्मा के जीवन में एक ऐसा वक्त आया जब वो डिप्रेशन और एंग्जाइटी का शिकार हो गए। यहां तक कि सुसाइड करने के ख्याल आने लगे, तब शाहरुख खान ने उनकी काउंसलिंग की थी।

खुद की जरूरतों को पूरा करने के लिए कम उम्र से कमाने लगे

कपिल शर्मा के पिता जितेंद्र कुमार शर्मा पंजाब पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल थे। फिर भी उनका

बचपन बहुत ही तंगी में गुजरा। जब वह छोटे थे तब टेलीफोन बूथ पर काम करके 500 रुपए प्रति महीना कमाते थे।

उसके बाद जब थोड़ा बड़े हुए तब कपड़े की मिल में 900 रुपए महीने पर काम करने लगे। यह सब काम कपिल खुद की जरूरतों को पूरा करने के लिए करते थे, लेकिन जब उनके पिता की मृत्यु हुई तब उनके ऊपर इतनी जिम्मेदारियां आ गईं कि पैसे कमाने के लिए उन्होंने रात-दिन एक कर दिया।

पिता की मौत की दुआ मांगते थे

कपिल शर्मा के पिता की मृत्यु कैंसर से 2004 में हुई। कपिल शर्मा ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि कैंसर के कारण दर्द से कराहते पापा को देखकर वे भगवान से प्रार्थना करते थे कि वे उन्हें अपने पास बुला लें। उस समय कपिल का खुद का घर भी नहीं था। वो अमृतसर में किराए के घर में रहते थे।

अनुकंपा नौकरी ठुकरा दी थी

अनुकंपा नौकरी एक ऐसी व्यवस्था है, जिसके तहत सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन किसी कर्मचारी के निधन के बाद उसके परिवार के एक सदस्य को नौकरी देते हैं। पिता के निधन के बाद उनकी जगह कपिल शर्मा को कॉन्स्टेबल की नौकरी मिल रही थी, लेकिन उन्होंने यह नौकरी ठुकरा दी।

रान्या राव केस में आया नया मोड़, तीसरे आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

रान्या राव सोना तस्करी मामले में एक नया मोड़ आया है। इस हाई-प्रोफाइल केस में तीसरे आरोपी साहिल जैन को विशेष आर्थिक अपराध कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आज यानी 2 अप्रैल 2025 को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने साहिल को कोर्ट में पेश किया। उनकी हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद यह फैसला लिया गया।

दूसरी ओर, कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव ने जमानत के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मंगलवार को उनके वकील बी एस गिरीश ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। इससे पहले निचली अदालतों ने उनकी जमानत को तीन बार

खारिज कर दिया था। रान्या पर गंभीर आरोप हैं, जिसके चलते कोर्ट ने उन्हें राहत देने से इनकार किया था।

27 मार्च को बेंगलुरु की 64वीं सीसीएच सत्र अदालत ने उनकी जमानत याचिका ठुकराई थी। उससे पहले 14 मार्च को विशेष आर्थिक अपराध कोर्ट और मजिस्ट्रेट कोर्ट ने भी उनकी अर्जी नामंजूर कर दी थी। रान्या को 3 मार्च को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। उनके पास से 14.8 किलोग्राम सोना बरामद हुआ था, जिसे वह कथित तौर पर तस्करी करके ला रही थीं।

डीआरआई ने कोर्ट को जानकारी दी है कि रान्या ने हवाला के जरिए सोना खरीदने की बात कबूल की है। जांच में यह भी सामने आया कि साहिल जैन इस तस्करी के नेटवर्क में अहम भूमिका निभा रहे थे।

डीआरआई ने कस्टम्स एक्ट की धारा 108 के तहत जांच शुरू की है, ताकि इस मामले में वित्तीय अनियमितताओं और कानून के उल्लंघन की गहराई तक जाया जा सके। यह मामला तब शुरू हुआ जब रान्या को हवाई अड्डे पर पकड़ा गया। उनके पास बरामद सोने की कीमत करीब 12 करोड़ रुपये से ज्यादा आंकी गई है।

औरतें करने लगीं बराबरी की बात तो होने लगे तलाक

जेंडर इक्वेलिटी, असल फेमिनिज्म को कुछ शब्दों में समझना हो तो यही कहा जा सकता है। लेकिन यही वो शब्द है जिसने पिछले कुछ सालों में शादी के पारंपरिक नियमों को बदला है। जहां पहले पति को ही शादी का सर्वोपरि हिस्सा माना जाता था, वहीं अब पत्नी भी उसी के बगल में आकर खड़ी हो चुकी हैं।

फेमिनिस्ट असल में शादी बर्बाद करने की जिम्मेदार हैं? जवाब देते हुए डॉ. चांदनी कहती हैं कि पिछले कुछ सालों में टूटती शादियां चर्चा का विषय बनी हुई हैं। जेंडर इक्वेलिटी ने निश्चित ही शादी के पारंपरिक डायनेमिक बदल दिए हैं। जिसके चलते रिश्ते में कुछ दिक्कतें आ सकती हैं। हालांकि इस सोच ने आधुनिक रिश्ते की जटिलताओं को अति सरल बना दिया है। फेमिनिज्म समानता और आपसी सम्मान को सपोर्ट करता है। यह वो कदम है जो अगर सही दिशा में पूरी ईमानदारी के साथ उठाया जाए तो शादी को मजबूत ही करता है। फेमिनिज्म ने शादी के रिश्तों में जो योगदान दिया है। उनमें सबसे पहले है जिम्मेदारियों में बंटवारा। दरअसल सालों तक घर परिवार, रिश्तों, किचन और सबके रखरखाव की जिम्मेदारी महिलाओं पर ही रही है। महिलाएं यह सारे काम अकेले करते हुए पूरी जिंदगी काट देती थीं। इसकी वजह से उनमें अकेलापन, गुस्सा और हताशा घर करने लगती है। लेकिन फेमिनिज्म ने बराबरी का फंडा लाकर जिम्मेदारियों को पति और पत्नी के बीच बांट दिया है। जब दोनों पार्टनर जिम्मेदारियों को मिलकर निभाते हैं तो टीमवर्क महसूस होता है। इससे इमोशनल दबाव भी कम होता जाता है। फिर शादी में सुकून और खुशी बनी रहती है। फेमिनिज्म की यह खूबी शादी में दिक्कतें नहीं बल्कि भावनाओं और जिम्मेदारियों को बैलेंस बनाकर रखती है। फेमिनिज्म के कई फायदों में से एक यह भी है कि यह जरूरी संवाद को बढ़ावा देता है। इसमें दोनों पार्टनर अपनी बात कह सकते हैं, अपनी जरूरतों और इच्छाओं को भी एक दूसरे के सामने रख पाते हैं। जबकि पहले की शादियों में ऐसा नहीं था और बहुत सी भावनाओं को न कह पाने के चलते गलतफहमी घर करने लगती थी। फेमिनिज्म जोड़ों को उन मुद्दों पर समय रहते बात करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो आगे चलकर बड़ी दिक्कत बन सकते हैं। इस तरह की सोच से एक दूसरे के प्रति विश्वास भी बढ़ता है।

जोड़े के बीच डिसीजन मेकिंग अथॉरिटी की बात आती है तो पारंपरिक तौर पर यह जगह हमेशा से पुरुषों को ही दी गई है। फेमिनिज्म इस तरह के असंतुलन को चुनौती देता है। इस सोच के साथ दोनों पार्टनर को बराबरी महसूस होती है इसलिए किसी एक को ज्यादा अधिकार न मिलने वाली फीलिंग आपसी समझदारी बढ़ा देती है।

दुनिया में फेमिनिज्म के पैठ बढ़ाने के बाद से सफल शादी के मायने भी बदले हैं। पहले सामाजिक अपेक्षाओं के साथ आदमी और औरत के लिए वर्णित की गईं भूमिकाएं पूरा करना ही सफल शादी माना जाता था। जबकि अब फेमिनिज्म कपल को अपनी शादी की सफलता का निर्णय खुद लेने की आजादी देता है। फिर चाहे बात दोहरे करियर, साझा पेरेंटिंग और गैर पारंपरिक परिवारों की ही क्यों न हो। इस तरह के रिश्ते में जहां ज्यादा मेहनत करनी होती है वहीं इसमें रिश्ता ज्यादा व्यक्तिगत और संतुष्टि भरा होता है।

फेमिनिज्म की सोच से जन्में रिश्ते में व्यक्तिगत उन्नति, सुधार और सोच को अहमियत दी जाती है इसलिए मेंटल हेल्थ के मामले में भी यह सोच सहयोगी बन जाती है।

सेल्फ-अवेयरनेस, सेल्फ-रिस्पेक्ट और पर्सनल ग्रोथ के मामले में ऐसा रिश्ता पॉजिटिव रिजल्ट ही देता है। इससे आप खुद में सम्पूर्ण बनते हैं, आपको पार्टनर पर निर्भर नहीं होना पड़ता है। इस स्थिति में मानसिक तौर पर परेशान होने पर मदद मांगने में हिचक जैसी फीलिंग की भी कोई जगह नहीं होती है।

फेमिनिज्म ने शादियों को बिगाड़ने या खत्म करने में योगदान दिया है, जैसी सोच बिलकुल गलत है।

फेमिनिज्म ने मॉडर्न रिलेशनशिप में इक्वेलिटी, सम्मान और कम्युनीकेशन शामिल किया है। यह शादी को मजबूत करने वाला टूल बन सकता है। आज जोड़े जो भी दिक्कत महसूस करते हैं वो फेमिनिज्म का नतीजा बिल्कुल नहीं है।

किसी अनजान की कॉल मर्ज करने से बैंक अकाउंट ख़ाली हो सकता है

आज के डिजिटल युग में सायबर अपराधी लगातार नए-नए तरीक़े अपनाकर लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में आवश्यक है कि आपको भी इनके बारे में जानकारी हो ताकि कोई आपको ठग न पाए। ठगी का एक नया तरीक़ा है 'कॉल मर्जिंग स्कैम' जो हाल ही में चर्चा में आया है। कॉल मर्जिंग स्कैम एक प्रकार की टेलीफोनिक धोखाधड़ी है, जिसमें स्कैमर किसी व्यक्ति के फोन कॉल को अनधिकृत रूप से जोड़कर उसकी गोपनीय जानकारी चुरा लेते हैं या फिर धोखाधड़ी करते हैं। यह स्कैम मुख्य रूप से बैंकिंग धोखाधड़ी, बिज़नेस संबंधी ठगी, सोशल मीडिया लॉग-इन और व्यक्तिगत जानकारी चुराने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। ये स्कैम वॉयस कॉल ओटीपी के ज़रिए होता है। ठग आपको कॉल करके कोई भी बहाना बनाते हैं कि आप कुछ जीत गए हैं या आपका कोई पार्सल आया या फिर किसी दोस्त ने आपको कॉल करने के लिए बोला है। फिर इसी दौरान आपके फोन में ओटीपी का कॉल भेजा जाता है और आपसे उस कॉल को मर्ज करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही आप कॉल मर्ज करते हैं, ओटीपी ठग के पास पहुंच जाता है। ऐसा करके वह न सिर्फ़ कोई अकाउंट लॉग-इन करके हैक कर सकता है बल्कि बैंक बैलेंस भी ख़ाली कर सकता है। स्कैमर एक फ़ोन कॉल करता है, जो बैंक, कंपनी, सरकारी एजेंसी, पार्सल कंपनी या किसी दोस्त व्यक्ति के नाम पर हो सकता है। बातों-बातों में व्यक्ति को किसी अन्य वॉयस ओटीपी कॉल को मर्ज (कांफ्रेंस में जोड़ने) करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही वह कॉल मर्ज करता है, स्कैमर इस कांफ्रेंस कॉल में ओटीपी को सुन लेता है। इस तरह व्यक्ति अपने बैंक या किसी अन्य जानकारी से संबंधित ओटीपी साझा कर देता है, जिसके बाद स्कैमर फर्जी लेन-देन करके पैसे निकाल लेता है या कोई अकाउंट लॉग-इन कर लेते है। कोई अनजान व्यक्ति कॉल मर्ज करने के लिए कहता है, तो सतर्क रहें और मर्जिंग से मना कर दें। लगता हो कि कॉल रिकॉर्ड हो सकता है, तो तुरंत ही कॉल काट दें। दूसरा कॉल उठाने से पहले जिस व्यक्ति से बात हो रही हो पहले उसका कॉल काट दें और इसके बाद ही दूसरा कॉल उठाएं। सायबर क्राइम हेल्पलाइन या स्थानीय पुलिस को संदिग्ध कॉल की सूचना अवश्य दें। विश्वसनीय व्यक्तियों के साथ ही कॉल मर्ज करें। किसी भी अनजान का कॉल उठाने से पहले उसकी सत्यता जान लें। चाहें तो कॉल डिस्कनेक्ट करके दोबारा कॉल करें।

एनर्जी बूस्टर और पोषक तत्वों का भंडार है केला

अगर आप स्पोर्ट्स के शौकीन हैं तो देखा होगा कि खिलाड़ी एनर्जी के लिए ब्रेक में अक्सर केले खाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि केला सबसे अच्छे एनर्जी बूस्टर में से एक है, यह तुरंत ऊर्जा देता है। स्वाद में मीठा और सेहत के लिए फायदेमंद यह फल बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सबकी पसंद है। करीब 10 हजार साल पहले दक्षिण-पूर्व एशिया के जंगलों में सबसे पहली बार केला उगाया गया था। शुरुआत में केले का आकार छोटा था, लेकिन समय के साथ इसकी खेती होने लगी और इसका रूप बदलता चला गया। अब यह दुनिया के सबसे ज्यादा खाए जाने वाले फलों में से एक है। खास बात ये है कि केला मौसमी फल नहीं है, यह पूरे साल उगता है। केला खाने से डाइजेशन बेहतर होता है, यह दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है और वजन कंट्रोल में रखने में भी मदद करता है। इसके अलावा यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने और हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में भी मददगार है।

केला एक लो कैलोरी और हाई न्यूट्रिशन वाला फल है। यह पोटेशियम और फाइबर से भरपूर होता है। अगर किसी को बहुत थकान रहती है या ब्लड प्रेशर लो रहता है तो केला फायदेमंद साबित होगा। अगर मांसपेशियों में कमजोरी महसूस हो रही है तो रोज एक केला खाना चाहिए। अगर केला पूरी तरह पका हुआ है तो इसमें नेचुरल शुगर की मात्रा ज्यादा होती है। यही नेचुरल शुगर इंस्टेंट एनर्जी देती है। 100 ग्राम केले में लगभग 89 कैलोरी होती हैं। केले में मौजूद नेचुरल शुगर और कार्ब्स शरीर को तुरंत ऊर्जा देते हैं। केला एक कम्प्लीट एनर्जी फूड है। इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स इसे सुपरफूड बनाते हैं। खासकर पोटेशियम, विटामिन B6 और विटामिन C की भरपूर मात्रा इसे शरीर के लिए बेहद फायदेमंद बनाती है। केले में मौजूद मिनरल्स ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने, हड्डियों को मजबूत बनाने और एनर्जी बूस्ट करने में मदद करते हैं।

केला दुनिया के सबसे बेहतरीन नेचुरल एनर्जी फूड्स में से एक है। यह फाइबर, पोटेशियम और विटामिन B6 से भरपूर होता है। यह डाइजेशन, हार्ट हेल्थ और मांसपेशियों की मजबूती के लिए फायदेमंद है। केले में मौजूद नेचुरल शुगर तुरंत एनर्जी देती है और इसे ब्रेकफास्ट में शामिल करना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। रोज केला खाना सेहत के लिए फायदेमंद है। यह इंस्टेंट एनर्जी देता है और पाचन भी दुरुस्त रखता है। हालांकि, बहुत ज्यादा केले खाने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है, खासकर डायबिटिक लोगों को इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए। अगर बहुत ज्यादा केला खाया जाए तो वजन बढ़ सकता है क्योंकि इसमें नेचुरल शुगर और कैलोरी होती हैं। अगर इसे संतुलित मात्रा में खाया जाए तो यह वेट मैनेजमेंट में भी मदद कर सकता है, क्योंकि इसमें फाइबर भरपूर मात्रा होता है, जिससे भूख कंट्रोल में रहती है। केले में पोटेशियम भरपूर मात्रा में होता है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह शरीर में सोडियम की मात्रा को बैलेंस करके हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। केला खाली पेट खाया जा सकता है। यह एसिडिटी को कम करने में मदद करता है और पेट को ठंडक पहुंचाता है। जिन्हें डायबिटीज या पेट में गैस की समस्या है, उन्हें खाली पेट केला खाने से बचना चाहिए। रात में केला खाने से आमतौर पर कोई नुकसान नहीं होता है, लेकिन आयुर्वेद के अनुसार, इसे रात में खाने से कफ बढ़ सकता है और नींद प्रभावित हो सकती है। इसलिए बेहतर है कि इसे दिन में ही खाया जाए।

बालों का झड़ना रोकने के लिए डाइट में करें बदलाव

बालों का झड़ना एक गंभीर समस्या है। खासकर, कम उम्र में महिलाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसेकि बदलता मौसम, खानपान में गड़बड़ी, तनाव, हॉर्मोनल असंतुलन और आंतों की सेहत (गट हेल्थ)। इसलिए अगर किसी महिला के बाल तेजी से झड़ रहे हैं तो इसे नजरअंदाज करने के बजाय डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। बालों का झड़ना एक नेचुरल प्रक्रिया है, जिसमें कुछ बाल गिरते हैं और नए बाल उगते हैं। असल समस्या तब आती है, जब बाल झड़ते हैं, लेकिन नए नहीं उगते हैं। महिलाओं में बाल झड़ने की समस्या तब होती है, जब वे प्रतिदिन 125 से अधिक बाल खो देती हैं। बाल झड़ने के कई कारण हो सकते हैं।

बाल प्रोटीन, पानी और कुछ जरूरी तत्वों से बने होते हैं। बालों की वृद्धि के लिए शरीर को बहुत सारी चीजों की जरूरत होती है, जैसे हॉर्मोन, मिनरल्स और विटामिन्स। अगर शरीर को इन चीजों की कमी हो तो बाल झड़ने लगते हैं। हम जो खाते हैं, वह पेट में जाकर छोटे-छोटे तत्वों में बदलता है और शरीर के बाकी हिस्सों में पहुंचता है। अगर पाचन में कोई दिक्कत है तो यह बालों के झड़ने का कारण बन सकता है। बालों का झड़ना कुछ न्यूट्रिएंट्स की कमी का संकेत हो सकता है। जैसेकि- आयरन की कमी (एनीमिया) से स्कैल्प तक ऑक्सीजन की सप्लाई कम हो जाती है, जिससे बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं।

जिंक की कमी से बालों की ग्रोथ रुक सकती है और हेयर फॉल बढ़ सकता है। बाल केराटिन नामक प्रोटीन से बने होते हैं। अगर डाइट में प्रोटीन की कमी है तो बाल कमजोर होकर झड़ सकते हैं।विटामिन B12 की कमी से स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है, जिससे बाल झड़ने लगते हैं।

खेलना समय की बर्बादी नहीं, सीखने का जरिया है

कॉम्पिटिशन के इस दौर में बहुत से पेरेंट्स अपने बच्चे को सबसे आगे देखना चाहते हैं। इसके लिए वे बच्चे को सख्त अनुशासन में रखते हैं और उस पर कुछ पाबंदियां भी लगाते हैं। जैसेकि बाहर खेलने न जाने देना और किसी एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में हिस्सा लेने से मना करना वगैरह-वगैरह। हालांकि पेरेंट्स शायद ये भूल जाते हैं कि बच्चों के लिए खेलना बेहद जरूरी है। इससे उनकी फिजिकल, मेंटल और इमोशनल ग्रोथ तेजी से होती है। खेलने से बच्चों में लर्निंग स्किल डेवलप होती है। साथ ही उनमें आत्मसम्मान व टीमवर्क की भावना डेवलप होती है और वे क्रिएटिविटी भी सीखते हैं।

वहीं फिजिकल एक्टिविटी की कमी से उनमें मोटापा और कमजोरी समेत कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए पेरेंट्स को पढ़ाई के अलावा बच्चों के इनडोर और आउटडोर एक्टिविटीज पर जोर देना चाहिए।

5 से 17 साल की उम्र तक के बच्चे को रोजाना कम-से-कम 60 मिनट फिजिकल एक्टिविटी करनी चाहिए। वहीं 5 साल से कम उम्र के बच्चों को दिनभर में कम-से-कम 180 मिनट फिजिकल एक्टिविटी में बिताना चाहिए। इसके साथ ही उन्हें पर्याप्त नींद लेने की भी जरूरत होती है। बच्चे को फिट रखने में फिजिकल एक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेलते समय बच्चे का शरीर एक्टिव रहता है। इससे उसकी हड्डियां और मसल्स मजबूत होती हैं। इसके अलावा खेल से बच्चे में ध्यान केंद्रित करने व निर्णय लेने की क्षमता और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल डेवलप होती है। इससे बच्चे का स्ट्रेस कम होता है और वह खुश रहता है। फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के लिए कितनी फायदेमंद है।

आउटडोर एक्टिविटीज से बच्चे को प्रकृति के साथ समय बिताने और बाहर खेलने-कूदने मौका मिलता है। वहीं इनडोर एक्टिविटीज से बच्चे की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ क्रिएटिव स्किल भी डेवलप होती है। इनमें किताबें पढ़ना, पजल खेलना, कहानियां सुनना जैसी एक्टिविटीज शामिल हैं। इससे बच्चे की सोचने-समझने की क्षमता बढ़ती है। बच्चों की ओवरऑल ग्रोथ के लिए कौन सी एक्टिविटीज करा सकते हैं।

आजकल इंटरनेट पर हजारों गेम मौजूद हैं। ऐसे में बहुत से बच्चे बाहर निकलकर खेलने के बजाय स्मार्टफोन पर ऑनलाइन गेम खेलते हैं। इसका उनकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर बुरा प्रभाव पड़ता है। लंबे समय तक स्क्रीन पर बैठे रहने से उनकी आंखें कमजोर हो सकती हैं। साथ ही फिजिकल एक्टिविटी की कमी से मोटापा और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऑनलाइन गेम की लत बच्चे में स्ट्रेस एंग्जाइटी और डिप्रेशन का कारण बन सकती है। वाइलेंट गेम बच्चे को आक्रामक बना सकते हैं और उनकी सोच को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। ये बच्चे को वास्तविक दुनिया से दूर कर सकते हैं। ऑनलाइन गेम में ज्यादा समय बिताने से बच्चे का पढ़ाई में मन कम लगता है। साथ ही ध्यान केंद्रित करने की क्षमता प्रभावित होती है।

शेयर मार्केट में निवेश के लिए रिस्क मैनेजमेंट जरूरी

10,000 रुपए से ट्रेडिंग कर रहे तो नुकसान 200 तक सीमित रखें

शेयर मार्केट में निवेश से जितने ज्यादा रिटर्न की संभावना होती है, जोखिम भी उतना ही ज्यादा होता है। ऐसे में एक सफल पोर्ट फोलियो बनाने के लिए रिस्क मैनेजमेंट समझना जरूरी है। इससे नुकसान की संभावना घटती है। निवेश यात्रा सुचारू रूप से चलती है। मोटे तौर पर सिस्टमैटिक व अनसिस्टमैटिक दो तरह के रिस्क होते हैं। सिस्टमैटिक रिस्क सभी को प्रभावित करता है। यह मंदी, भू-राजनीतिक घटनाओं, बाजार में गिरावट, महंगाई व प्राकृतिक आपदाओं जैसी वजह से होता है। अनसिस्टमैटिक रिस्क व्यक्तिगत निवेश या सेक्टर के हिसाब से होता है। इसे पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन के माध्यम से कम किया जा सकता है।

1. डाइवर्सिफिकेशनः अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करें

यह रिस्क मैनेजमेंट की प्रमुख रणनीति है। आप जोखिम उठाने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और तय अवधि के आधार पर निवेश को अलग-अलग एसेट क्लास जैसे शेयर, बॉन्ड, रियल एस्टेट, सोना-चांदी में लगाएं। फायदाः डाइवर्सिफिकेशन किसी एक एसेट क्लास के कमजोर प्रदर्शन के असर को कम करती है। यदि शेयर मार्केट में गिरावट है तो सोना-चांदी या रियल एस्टेट में तेजी से इसकी भरपाई हो सकती है।

इस नियम के मुताबिक, किसी भी एक शेयर पर नुकसान कुल ट्रेडिंग पूंजी के 2% से ज्यादा न होने दें। यदि आपने 10,000 रुपए निवेश किए हैं, तो 2% नियम यह सुनिश्चित करेगा कि आप केवल 200 रुपए (10,000 का 2%) तक ही नुकसान का जोखिम उठाएंगे। फायदाः इससे नुकसान कम रखने में मदद मिलती है। किसी भी भावनात्मक या मानसिक असर से बच सकते हैं। . 3-5-7 का रूल, नुकसान ट्रेडिंग पूंजी के 7% से ज्यादा न हो 3-5-7 का नियम एक सीधी रिस्क मैनेजमेंट रणनीति है जो प्रत्येक पर्सनल ट्रेड पर जोखिम को सीमित करती है। 3% वह जोखिम है जो आप अपनी ट्रेडिंग पूंजी पर लेते हैं। सभी ट्रेडों में कुल जोखिम 5% तक सीमित रखें। पोर्टफोलियो का अधिकतम घाटा ट्रेडिंग पूंजी के 7% से ज्यादा न हो।

फायदाः ये नियम रिस्क-रिवार्ड बैलेंस करने में मदद करता है, रिटर्न के साथ ही सेफ्टी नेट भी प्रदान करता है। निवेश में संभावित नुकसान की भरपाई के लिए ऑप्शन या फ्यूचर जैसे साधन इस्तेमाल किए जा सकते हैं। यदि आपके पास शेयर हैं, तो आप उसकी कीमतों में गिरावट से बचने के लिए पुट ऑप्शन खरीद सकते हैं।

हार्वर्ड एक्सपर्ट ने बताया स्कूल से आने पर बच्चे से कभी नहीं पूछना चाहिए ये सवाल

डिप्रेशन में जा सकता है बच्चा

बच्चे को सुबह स्कूल भेजने के बाद हर मां-बाप को उसके घर वापस लौटने का इंतजार रहता है। जब बच्चा स्कूल से थका हुआ घर आता है, जब कई पेरेंट्स उसके ऊपर सवालों की बारिश कर देते हैं। स्कूल में दिन कैसा रहा, क्या-क्या किया, प्रोजेक्ट कैसा रहा, वगैरह-वगैरह। जाहिर सी बात है कि स्कूल से आते ही घर पर इन सवालों से बच्चा परेशान होता होगा।

अब हार्वर्ड पेरेंटिंग एक्सपर्ट ने बताया है कि पहला सवाल जो वो अपने बच्चों से पूछती हैं वो कभी भी स्कूल से जुड़ा हुआ नहीं होता है और न ही वो ये पूछती हैं कि स्कूल में उनका दिन कैसा रहा। उनका कोई भी सवाल स्कूल और पढ़ाई से जुड़ा हुआ नहीं होता है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर से हार्वर्ड एक्सपर्ट अपने बच्चों से क्या पूछती हैं।

हार्वर्ड एक्सपर्ट ने ऑनलाइन बताया है कि वो अपने बच्चों से पूछती हैं कि उन्होंने लंच में क्या है। कुल मिलाकर बात यह है कि आपको स्कूल से आने पर बच्चों से पढ़ाई या स्कूल से संबंधित कोई सवाल नहीं पूछना है। इससे बच्चे को एंग्जायटी या तनाव हो सकता है।

शादी के डेढ़ महीने बाद कपूर खानदान की नई बहुरानी ने दिखाए रंग

बैकलेस ड्रेस पहन अलेखा ने पार की ग्लैमर की हद

बॉलीवुड के सबसे बड़े कपूर खानदान से तो हर कोई वाकिफ है। इस परिवार ने इंडस्ट्री को कई दिग्गज सितारे दिए, जो दशकों से पर्दे पर छा रहे हैं, तो सबका अंदाज भी काफी स्टाइलिश है। जिसके चलते ये जहां जाते हैं, महफिल लूट लेते हैं। अब कुछ महीनों पहने ही इस ग्रैंड फैमिली में करीना कपूर के कजिन भाई आदर जैन की बीवी अलेखा आडवाणी की एंट्री हुई। जिनकी डेढ़ महीने पहले हुई शादी खूब चर्चा में रही, तो अब नई बहुरानी फिर सुर्खियों में हैं। दरअसल, अलेखा हाल ही में मुंबई में हुए पहले विविएन वेस्टवुड फैशन शो में पहुंची थीं। जहां करीना का रेड कॉरसेट गाउन में स्टाइलिश अवतार देखने को मिला, तो उनकी भाभी अलेखा बैकलेस ड्रेस पहनकर लाइमलाइट बटोर ले गईं। हसीना का यहां हद से ज्यादा सिजलिंग अंदाज देखने को मिला। जिसे कुछ लोगों ने पसंद किया, तो कुछ को उनका स्टाइल रास नहीं आया। आइए उनके लुक पर नजर डालते हैं। अलेखा इवेंट में एंट्री लेकर जैसे ही पैपराजी के सामने पोज देने आईं, तो हर कोई उनका अंदाज देखता रह गया। बेबी पिंक कलर के स्ट्रैपलेस गाउन को पहन हसीना ने अपनी दोस्त के साथ हंसते-मुस्कुराते हुए खूब पोज दिए। जहां उन्हें देखते ही श्वेता तिवारी की बेटी की भी याद आईं।

क्या बैंकों को ले डूबेगा अमेरिका का टैरिफ ?

ग्लोबल ट्रेड वॉर से हो सकता है बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्लोबल ट्रेड वॉर से बैंकों को नुकसान हो सकता है। वहीं अमेरिकी टैरिफ की वजह से वित्तीय वर्ष 2026 में बैंकों का मुनाफा 25 बेसिस पॉइंट्स तक गिर सकता है। दरअसल, ट्रेड वॉर को लेकर रेटिंग एजेंसियों ने चेतावनी जारी की है। ये एजेंसियां मानती हैं कि इससे सामान की सप्लाई में दिक्कत आ सकती है। इसका असर महंगाई पर भी पड़ सकता है।

अगर ऐसा हुआ तो बैंकों को नुकसान हो सकता है। उनका मुनाफा FY26 में 0.25% यानी 25 बेसिस पॉइंट तक गिर सकता है। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि बैंकों को लोगों को अपनी तरफ खींचने के लिए ज्यादा ब्याज देना पड़ेगा।

क्या कहना है एजेंसियों का ?

रेटिंग एजेंसियों का कहना है कि एफवाई26 में भारत की जीडीपी 6.5% से 7% के बीच रह सकती है। आईसीआरए नाम की रेटिंग एजेंसी के अनुसार, दुनिया में कई तरह की परेशानियां चल रही हैं। जैसे कि अलग-अलग देशों के बीच लड़ाई-झगड़े हो रहे हैं। इससे सामान की सप्लाई और व्यापार में दिक्कत आ रही है। कुछ देश अपने फायदे के लिए नीतियां बना रहे हैं, जिससे दूसरे देशों को नुकसान हो रहा है। इससे निवेश और व्यापार में अनिश्चितता बनी हुई है। बॉन्ड और करेंसी के रेट भी ऊपर-नीचे हो रहे हैं। इन सब चीजों का असर भारत के एक्सपोर्ट पर पड़ सकता है।

दूसरी तरफ, बैंकों के लिए लोगों से पैसे जमा करवाना एक बड़ी चुनौती होगी। क्योंकि लोगों को अपनी तरफ खींचने के लिए बैंकों के बीच कड़ी टक्कर होगी। केयरएज का कहना है कि इस वजह से रिजर्व बैंक की पॉलिसी का असर दिखने में थोड़ा समय लगेगा।

बैंकों को रहना होगा सावधान

क्रिसिल के चीफ रेटिंग ऑफिसर कृष्णन सीतारामन का कहना है, 'बैंकों को मुनाफा कमाने के लिए बहुत सावधानी से चलना होगा। क्योंकि लोगों को अपनी तरफ खींचने के लिए बैंकों के बीच बहुत ज्यादा मुकाबला है। जो लोन बाहरी बेंचमार्क रेट से जुड़े हैं, उनका रेट तो जल्दी कम हो जाएगा। लेकिन जो लोन मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट से जुड़े हैं, उनका रेट कम होने में दो-तीन महीने लगेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'बैंकों को जमा पर ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं, क्योंकि मुकाबला बहुत ज्यादा है। हमें लगता है कि बैंकों का मुनाफा 0.20% तक कम हो सकता है।'

रेटिंग एजेंसियों ने कुछ बड़ी एनबीएफसी को बेहतर रेटिंग दी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन कंपनियों को अच्छा निवेश मिला है। उन्होंने अपना कारोबार भी बढ़ाया है। साथ ही, उनकी एसेट क्वालिटी भी अच्छी है और उन्होंने ज्यादा कर्ज भी नहीं लिया है।

जिन एनबीएफसी की रेटिंग घटाई गई है, उनकी एसेट क्वालिटी खराब हो गई है। उनका मुनाफा भी कम हो गया है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि उन्हें ज्यादा लोन देना पड़ा है और उनका खर्चा भी बढ़ गया है। खासकर उन कंपनियों को ज्यादा नुकसान हुआ है जो बिना गारंटी के लोन देती हैं या जिन्हें समय पर फंडिंग नहीं मिल पाती है।

'बीएसएनएल के कारण सरकार को 1757 करोड़ का नुकसान, रिलायंस जियो से नहीं की वसूली', कैग का बयान

नई दिल्ली , 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने मंगलवार को कहा कि दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने टावर जैसे बुनियादी ढांचे को साझा करने पर अपने समझौते के अनुसार रिलायंस जियो से 10 साल कोई वसूली नहीं की। इससे सरकार को 1,757.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

कैग ने कहा, भारत संचार निगम लि. (बीएसएनएल) दूरसंचार बुनियादी ढांचा प्रदाताओं (टीआईपी) को दिए जाने वाले राजस्व हिस्से से लाइसेंस शुल्क का हिस्सा काटने में विफल रही। इससे सरकारी कंपनी को 38.36 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

बयान में कहा गया है कि बीएसएनएल मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लि. (आरजेआईएल) के साथ मास्टर सर्विस एग्रीमेंट (एमएसए) को लागू करने में विफल रही। बीएसएनएल के साझा टावर जैसे बुनियादी ढांचे पर इस्तेमाल की गई अतिरिक्त प्रौद्योगिकी के लिए बिल नहीं दिया।

इससे मई, 2014 से मार्च, 2024 के बीच सरकारी खजाने को 1,757.76 करोड़ का नुकसान हुआ और उस पर दंडात्मक ब्याज भी देना पड़ा। यह भी पाया गया कि बीएसएनएल ने बुनियादी ढांचा साझाकरण शुल्क का कम बिल बनाया था।

ट्रंप ने बैठे-बैठाए दुश्मनों को बना दिया दोस्त

चीन से भारत को मिले इस ऑफर का मतलब समझिए

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी ने दुनिया का कारोबारी समीकरण सिर के बल खड़ा कर दिया है। एक-दूसरे के कट्टर प्रतिद्वंद्वी बीच का रास्ता निकालने लगे हैं। उनमें नजदीकी बढ़ रही है। चीन भारत से और सामान खरीदने को तैयार है। पड़ोसी देश के राजदूत शू फेहोन्ग ने यह बात कही है। उन्होंने यह बात अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाने की घोषणा से ठीक पहले कही। उनका कहना है कि इससे दोनों देशों के बीच व्यापार को संतुलित करने में मदद मिलेगी। राजदूत ने कहा कि वह भारत के साथ व्यापार और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार हैं। वह भारत से और अधिक सामान खरीदना चाहते हैं जो चीनी बाजार के लिए उपयुक्त हों।

भारत और चीन के बीच 2023-24 में 101.7 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। भारत के व्यापार मंत्रालय के अनुसार, इसमें भारत को नुकसान हो रहा है। भारत मुख्य रूप से पेट्रोलियम तेल, लौह अयस्क, समुद्री उत्पाद और वनस्पति तेल का निर्यात करता है, जो 16.6 अरब डॉलर का है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही दुनिया भर के देशों पर टैरिफ लगाने वाले हैं। उन्होंने चीन और भारत पर व्यापार के अनुचित तरीके अपनाने का आरोप लगाया है।

भारत और चीन के बीच व्यापार को संतुलित करने के लिए चीन अब भारत से ज्यादा सामान खरीदने को तैयार है। राजदूत शू फेहोन्ग ने कहा कि चीन भारत के साथ मिलकर व्यापार को और मजबूत करना चाहता है। वे भारत से ऐसे उत्पाद खरीदना चाहते हैं जो चीन में पसंद किए जाएं। उन्होंने यह बात भारत और चीन के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने पर कही।

2020 के बाद संबंधों में आई गिरावट

2020 में गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्ते खराब हो गए थे। यह 40 सालों में पहली बार था जब दोनों देशों के सैनिकों के बीच जानलेवा झड़प हुई थी। इसके बाद भारत ने चीन के कई निवेश रोक दिए थे। चीनी कंपनियों के लिए भारतीय बाजार में पहुंच मुश्किल कर दी थी।

पिछले साल ब्रिक्स सम्मेलन में शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिले थे। दोनों शीर्ष नेता सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने पर सहमत हुए थे। इससे रिश्तों में सुधार के संकेत मिले थे। इससे पहले दोनों नेताओं की 2019 के बाद कोई औपचारिक मुलाकात नहीं हुई थी। भारत और चीन के बीच रिश्ते पहले उतने अच्छे नहीं थे, लेकिन अब धीरे-धीरे सुधर रहे हैं। दोनों देश व्यापार और अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम करने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिका के फायदे में नहीं भारत-चीन की दोस्ती

भारत और चीन की दोस्ती से अमेरिका को कई तरह से नुकसान हो सकते हैं। पहले तो आर्थिक नुकसान की ही बात कर लेते हैं। अगर भारत और चीन मिलकर व्यापार करते हैं तो अमेरिका को अपने सामान बेचने में कठिनाई होगी। चीन और भारत मिलकर तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं, जिससे अमेरिका को चुनौती मिलेगी। अमेरिका की कई कंपनियां चीन से रिश्ते खराब होने के बाद अब भारत में अपना बिजनेस करना चाहती हैं। अगर भारत और चीन में दोस्ती होती है तो अमेरिका को इससे नुकसान हो सकता है। अमेरिका के लिए इस दोस्ती के राजनीतिक नुकसान भी हैं। भारत और चीन मिलकर एक शक्तिशाली गठबंधन बना सकते हैं। इससे अमेरिका का वैश्विक प्रभाव कम हो सकता है। भारत और चीन के बीच मजबूत संबंध अमेरिका के नेतृत्व वाले वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दे सकते हैं। रूस, भारत और चीन वाला ब्रिक्स पहले से ही अमेरिका की टेंशन बना हुआ है। इसके अलावा, भारत और चीन मिलकर सैन्य शक्ति बढ़ा सकते हैं, जिससे अमेरिका को अपनी सुरक्षा नीति में बदलाव करना पड़ सकता है। अमेरिका रूस को चीन से दूर करने के लिए कई हथकंडे अपना रहा है। अगर भारत और चीन में दोस्ती होती है तो अमेरिका को इससे नुकसान हो सकता है।

ट्रंप टैरिफ' से पहले शेयर बाजार में हरियाली

सेंसेक्स 593 अंक चढ़ा, निफ्टी 23300 के पार

मुंबई, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के जवाबी टैरिफ के एलान से पहले बुधवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 592.93 (0.77%) अंकों की बढ़त के साथ 76,617.44 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 655.84 अंक या 0.86 प्रतिशत बढ़कर 76,680.35 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी इंडेक्स 166.65 (0.72%) अंक मजबूत होकर 23,332.35 के स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान जोमैटो के शेयर 5% जबकि टाइटन के शेयर 4% की बढ़त के साथ बंद हुए।

बाजार में बुधवार को बैंकिंग और ऑटो शेयरों में हालिया गिरावट के बाद लौटी खरीदारी के कारण तेजी लौटी। हालांकि, निवेशक अमेरिका की ओर से आज घोषित की जाने वाली टैरिफ घोषणाओं का इंतजार कर रहे हैं। इससे बाजार में आगे का रुख तय होगा। इस बीच, ऑटो, बैंकिंग और आईटी शेयरों में खरीदारी और मार्च में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचने से घरेलू शेयर बाजारों में सुधार दिखा। बुधवार को अमेरिकी टैरिफ घोषणाओं से पहले एफआईआई की बिकवाली के कारण मंगलवार को सेंसेक्स में 1,390 अंक या 1.80 प्रतिशत तक टूट गया था। वहीं, निफ्टी में 353 अंक तक फिसल गया था।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से जोमैटो में करीब 5 प्रतिशत की तेजी आई, जबकि टाइटन में करीब 4 प्रतिशत की तेजी आई। इंडसइंड बैंक, मारुति, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक भी लाभ में रहे। हालांकि, नेस्ले, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और लार्सन एंड टूब्रो के शेयरों में गिरावट दिखी।

डॉ. पूनम गुप्ता आरबीआई की नई डिप्टी गवर्नर बनीं

3 साल का कार्यकाल होगा; अभी प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. पूनम गुप्ता को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। वे जनवरी में इस्तीफा दे चुके डिप्टी गवर्नर माइकल पात्र की जगह लेंगी। केबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने पूनम की नियुक्ति को अप्रूवल दिया है। 5 अप्रैल को आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक से पहले ये नियुक्ति की गई है।

पूनम अभी नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकॉनॉमिक रिसर्च की डायरेक्टर और 16वें वित्त आयोग की सदस्य भी हैं। इससे पहले वे नीति आयोग की डेवलपमेंट एडवाइजरी कमेटी और फिक्की की एक्जीक्यूटिव कमेटी की सदस्य रह चुकी हैं। इससे पहले सरकार ने 9 दिसंबर को रेवेन्यू सेक्रेटरी संजय मल्होत्रा को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का नया गवर्नर नियुक्त किया था। उन्होंने आरपीआई के 26वें गवर्नर होंगे और मौजूदा गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह ली थी। दास का कार्यकाल 10 दिसंबर 2024 को पूरा हो रहा था। 11 दिसंबर से मल्होत्रा ने गवर्नर का पद संभाला था। वित्त मंत्रालय में सेक्रेटरी (रेवेन्यू) के रूप में सर्व करने से पहले उन्होंने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग में सचिव का पद संभाला था। मल्होत्रा के पास राज्य और केंद्र सरकार दोनों स्तरों पर फाइनेंस और टैक्सेशन में एक्सपर्टाइज है।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि मार्च में 8 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली , 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में बढ़कर आठ महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। बाजार में बेहतर मांग के कारण कारखाना ऑर्डर और उत्पादन बढ़ने से वृद्धि दर में इजाफा हुआ है। बुधवार को जारी पीएमआई के मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मार्च में 58.1 पर पहुंच गया। यह आंकड़ा फरवरी में 56.3 था। फरवरी में, नए ऑर्डरों और उत्पादन में धीमी वृद्धि के बीच भारत का विनिर्माण पीएमआई 14 महीने के निचले स्तर पर आ गया था। पीएमआई की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि ने फरवरी में खोई हुई जमीन वापस हासिल कर ली है। सर्वेक्षण के अनुसार, मार्च में कुल बिक्री में जुलाई 2024 के बाद से सबसे अधिक वृद्धि देखी गई। इस दौरान कंपनियों में सकारात्मक ग्राहक रुचि, अनुकूल मांग की स्थिति और सफल मार्केटिंग दिखी। 2024-25 वित्तीय वर्ष के अंत में फर्मों ने उत्पादन की मात्रा बढ़ा दी। इससे विनिर्माण की वृद्धि दर आठ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। हालांकि मार्च में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि जारी रही, लेकिन वृद्धि की गति तीन महीने के निचले स्तर पर आ गई। पैनलिस्टों ने अंतरराष्ट्रीय बिक्री के मामले में एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व में हुई वृद्धि का हवाला दिया। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, हालांकि अंतराष्ट्रीय ऑर्डरों में थोड़ी कमी आई है, लेकिन कुल मिलाकर मांग की गति मजबूत बनी हुई है। नए ऑर्डर का सूचकांक आठ महीने के उच्चतम स्तर 61.5 पर पहुंच गया। मजबूत मांग ने कंपनियों को अपने भंडारों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया, जिससे तैयार माल के स्टॉक में तीन वर्षों में सबसे तेज गिरावट आई है।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट

सोना 119 गिरकर 90,996 पर आया चांदी 99,536 किलो बिक रही

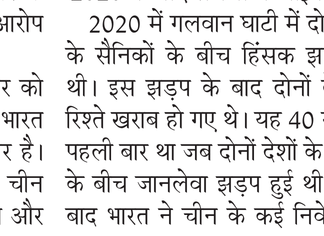

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने और चांदी के दाम में आज यानी 2 अप्रैल को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 119 रुपए गिरकर 90,996 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोना 91,115 रुपए पर था। ये इसका ऑल टाइम हाई भी है। एक किलो चांदी की कीमत 105 रुपए गिरकर 99,536 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 99,641 रुपए प्रति किलो था। चांदी ने पिछले हफ्ते 27 मार्च को 1,00,934 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,990 रुपए है। **मुंबई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,840 रुपए है। **कोलकाता :** 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 85,100 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 92,840 रुपए है। **चेन्नई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,840 रुपए है।

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 14,834 रुपए यानी 40% बढ़कर 90,996 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 13,519 रुपए यानी 15% बढ़कर 99,536 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

अंगदान के लिए कर्मचारी 42 दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश लेने के पात्र

केंद्र ने लोकसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को अंगदान के लिए अधिकतम 42 दिनों का विशेष आकस्मिक अवकाश लेने के पात्र हैं। सरकार ने बुधवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि, भारत सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को अंगदान करने के लिए अधिकतम 42 दिनों का विशेष आकस्मिक अवकाश तय किया है। कार्मिक मंत्रालय की ओर से 2023 में जारी आदेश के अनुसार, जब इस प्रावधान की घोषणा की गई थी, दानकर्ता के अंग को निकालने के लिए सर्जरी के अनुसार, सरकारी पंजीकृत चिकित्सक या डॉक्टर की सिफारिश के अधार पर अधिकतम 42 दिन विशेष आकस्मिक अवकाश देने की बात तय हुई थी। मंत्री ने बताया कि विशेष आकस्मिक अवकाश सामान्यतः अस्पताल में भर्ती होने के दिन से एक बार में लिया सकता है। आदेश के अनुसार, आवश्यकता पड़ने पर सरकारी पंजीकृत चिकित्सक या डॉक्टर की सिफारिश पर सर्जरी से अधिकतम एक सप्ताह पहले इसका लाभ उठाया जा सकता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	मीन मे
चंद्र-	वृष मे
मंगल	मिथुन मे
बुध-	मीन मे
गुरु-	वृष मे
शुक्र-	मीन मे
शनि-	मीन मे
राहु-	मीन मे
केतु-	कन्या मे

लग्नारंभ समय	
मीन....	05-11 बजे
मेष---	06-48 बजे
वृष---	08-32 बजे
मिथुन..	10-33 बजे
कर्क....	12-44 बजे
सिंह---	15-00 बजे
कन्या---	17-04 बजे
तुला----	19-08 बजे
वृश्चिक...	21-18 बजे
धनु......	23-32 बजे
मकर...	01-40 बजे
कुंभ....	03-29 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय - 06-12
सूर्यास्त - 18-26
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी **21:41** तक उपरान्त सप्तमी
मास - चैत्र शुक्ल , गुरुवार **03 April**
नक्षत्र - रोहिणी **07:02** तक उपरान्त मृगशिरा
योग - सौभाग्य **00:01** तक उप शोभन
करण- कौलव **10-41** तक उप तैतिल
विशेष:- व्रत -त्योहार - **स्कंद षष्ठी व्रत**

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 13:52 से 15:24 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	.06:12 - 07:43	शुभ	अमृत	18:26 - 19:56	शुभ
रोग.	07:43 - 09:15	अशुभ	चंचल	19:56 - 21:24	शुभ
उत्पात	09:15 - 10:47	अशुभ	रोग.	21:24 - 22:51	अशुभ
चंचल..	.10:47 - 12:19	शुभ	काल	22:51 - 00:19	अशुभ
लाभ	12:19 - 13:52	शुभ	लाभ.	00:19 - 01:47	शुभ
अमृत	13:52 - 15:24	शुभ	उत्पात	01:47 - 03:14	अशुभ
काल	15:24 - 16:56	अशुभ	शुभ	03:14 - 04:42	शुभ
शुभ	16:56 - 18:26	शुभ	अमृत।	04:42 - 06:12	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है । आपके निवेश पर अच्छा लाभ मिलेगा । किसी भी तरह के विवाद से बचें .आपका स्पष्टीकरण मुद्दों को जटिल ही करेगा ।आप कुछ नया सीखना चाहते हैं,इससे आपको औरो के मुकाबले तरजीह मिलेगी,चाहे आप केवल साधारण रूप से गिटार ही सीखें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ,हो सकता है कि उनके पास भी आपको सुनाने के लिए कोई अच्छी खबर हो ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है । आज से जिन्दगी वापस पटरी पर आती दिख रही है ,प्रियजनों के साथ खुश रहें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें । इस दौरान धीरज से काम लेंगे तो जल्दी ही अपने शुभचिंतकों को भी पहचान जायेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे। जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं | आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे । अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें और चिंतामुक्त हो जाएँ ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आप आज अपनी जीवनशैली में सचमुच कुछ स्वास्थ्यकर बदलाव लाने के लिए प्रेरित होंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें । आप सामान्यत सेहत का ध्यान रखते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

चाईबासा बाल सुधारगृह से बाल कैदियों के भागने का मामला

सात वापस लौटे, 14 की तलाश जारी जांच के लिए रांची से पहुंची टीम

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम), 2 अप्रैल (एजेंसियां)। चाईबासा बाल सुधारगृह से मंगलवार शाम 21 बाल कैदी मेन गेट तोड़कर फरार हो गए। इनमें से 4 बाल कैदी रात 10 बजे वापस लौट आए। वहीं, बुधवार को तीन को बाल सुधारगृह में लाया गया। शेष 14 बाल कैदियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए रांची से महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की निदेशक समीरा एस चाईबासा पहुंचीं। उन्होंने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मामले की जांच की।

मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, एसडीएम संदीप अनुराग टोप्पो और एसडीपीओ बहामन टुटी मौजूद रहे। बाल संरक्षण आयोग के प्रतिनिधि और जिला पदाधिकारी भी वहां उपस्थित थे। डीसी कुलदीप चौधरी ने कहा कि कल शाम जब यह घटना घटी थी, उस

वक्त 21 बच्चे बाहर निकले थे। जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली, हमने और एसपी ने मौके पर पहुंच कर मामले का जायजा लिया। अभी तक उनमें से 7 बच्चों को वापस ले आएगा गया है, बाकी बच्चों को भी पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है। राज्य से और जिले से आई टीम ने निरीक्षण किया है। सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है। जांच में जो भी फैक्ट निकल कर आए हैं, उस पर कार्रवाई जरूर की जाएगी।

चाईबासा बाल सुधारगृह का मेन गेट तोड़कर मंगलवार को 21 बाल कैदी फरार हो गए थे। घटना शाम 6 बजे की है। बाल सुधारगृह की सुरक्षा में होमगार्ड के लाठीधारी जवान तैनात थे। इसी दौरान बाल बंदियों ने सुधारगृह के मेनगेट का ताला तोड़ दिया। बाल बंदियों की संख्या अधिक थी और उन्होंने हाथों में डंडे ले रखे थे। अपने-आपको कमजोर होता देख जवान जान बचाकर वहां से भाग गए।

इसके बाद सुधारगृह से बाहर निकलकर बाल कैदी मुख्य सड़क पर आए और अलग-अलग ग्रुप बनाकर डिलियामार्चा व लड्डू बस्ती की ओर फरार हो गए। घटना के वक्त जेल के मुख्य द्वार के पास भीड़ जुटी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, थोड़ी देर तक बाल कैदियों और बाहर मुख्य द्वार पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के बीच मेनगेट तोड़ने व बचाने की लड़ाई जारी रही। आखिर में बाल बंदी खोलने में कामयाब रहे। चाईबासा-सरायकेला रोड पर बाल सुधार गृह है।

सूदखोरों के चंगुल में फंसा डॉक्टर

16 लाख उधार देकर 30 लाख वसूले, फिर करने लगे 27 लाख की डिमांड, 3 गिरफ्तार

बिलासपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर में सूदखोरों ने एक डॉक्टर को अपने चंगुल में फंसा लिया। पहले आरोपियों ने डॉक्टर को उधार में 16 लाख रुपए दिए, जिसके बदले में ब्याज सहित 30 लाख रुपए वसूल लिए। इसके बाद भी 27 लाख रुपए और देने के लिए डॉक्टर पर दबाव बनाया जा रहा था। पैसे नहीं देने से पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। डॉक्टर की शिकायत पुलिस ने केस दर्ज कर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

ड्रीम इम्पीरिया अपार्टमेंट निवासी डॉ. संजय बंजारे सरकारी अस्पताल में पदस्थ हैं। उनकी पत्नी भी डॉक्टर हैं। उनका परिचय तीन साल पहले आशीष टंडन से हुआ था। वह ब्याज पर रुपए उधार देने का काम करता था। डॉ. संजय को साल 2022 में घरेलू कार्यों को लेकर रुपयों की जरूरत थी। जिस पर आशीष

टंडन ने उन्हें मदद करने कहा, जिसके बाद से साल 2022 से 2023 के बीच कुल 16 लाख रुपए उधार दिए।

इसके एवज में सूदखोर को फोन-पे समेत अन्य माध्यमों से कुल 30 लाख रुपए वापस भी कर दिए। इसके बाद भी सूदखोर अपने साथियों के साथ मिलकर डॉक्टर से ब्याज के तौर पर और 27 लाख रुपए की मांग कर रहा था। सोमवार को आशीष बंजारे अपने साथी सूरज सोनवानी और मनोज बंजारा के साथ घर आया।

उसने पांच लाख रुपए मांगे। रुपए नहीं देने पर हंगामा करने लगा। गाली-गलौज करते हुए उनके मकान को बेचने की धमकी दी। उनके लौटने के बाद डॉक्टर ने थाने जाकर तीनों के खिलाफ शिकायत की। पुलिस ने सभी तथ्यों की जांच के बाद तालापारा निवासी आशीष टंडन, सूरज सोनवानी और जरहाभाठा निवासी मनोज बंजारा को गिरफ्तार किया। तीनों के खिलाफ पुलिस ने कर्जा एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

डॉक्टर ने बताया कि वे ब्याज समेत अब तक वह 30 लाख रुपए लौटा चुके हैं। इसके बाद भी आशीष 27 लाख रुपए और मांग रहा है। आशीष टंडन, मनोज बंजारा और जितेंद्र बंजारा लगातार दबाव बना रहे हैं। उन्होंने डॉक्टर को 20 मार्च को महाराणा प्रताप चौक पर बुलाकर घेर लिया। इस दौरान उन्होंने रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। रविवार को मनोज बंजारा ने फोन कर पांच लाख रुपए मांगे। रुपए नहीं मिलने पर पर परिवार को खत्म करने की धमकी दी।

चीफ-जस्टिस बोले-घर बनवाने का ठेका ले लिया क्या

एडवोकेट-जनरल कह रहे थे डीजे के टकराने से गिरा छज्जा, इससे बच्चे की मौत

बिलासपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में डीजे की तेज आवाज से छज्जा गिरने से बच्चे की मौत मामले में हाईकोर्ट ने केस को जनहित याचिका मानकर सुनवाई की। इस दौरान एडवोकेट जनरल प्रफुल्ल एन भारत ने कहा कि डीजे की आवाज से नहीं, बल्कि डीजे के टकराने से छज्जा गिरा है।

इस पर चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने कहा कि क्या आपने घर बनवाने ठेका ले लिया है। साथ ही बिलासपुर कलेक्टर को शपथपत्र पेश करने का आदेश दिया है। अब इस केस की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी। वाहन चालक और डीजे संचालक को गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल, 30 मार्च यानी रविवार को मल्हार के केंवटपारा में डीजे की तेज आवाज से छज्जा गिरने से 4 बच्चे समेत 10 लोग घायल हो गए। इनमें एक बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। मीडिया में आई इस खबरों पर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने खुद संज्ञान लिया। चीफ सेक्रेटरी सहित अन्य को पक्षकार बनाया गया है। आयोजनकर्ताओं के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। वहीं, डीजे संचालक और ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि आयोजनकर्ताओं में 4 नामजद हैं, जो घटना के बाद से फरार हैं। हाईकोर्ट के क्रिमिनल केस के जानकार एडवोकेट समीर सिंह का कहना है कि जिस तरह से पुलिस ने हादसे का कारण बताया है, उसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की है। इसमें पुलिस की बदनीयती झलक रही है। यह या तो आरोपियों को बचाने पुलिस का षड्यंत्र है या फिर दबाव में की गई एफआईआर है। कोर्ट में ट्रायल के दौरान आरोपियों को इसका लाभ मिलेगा, जिससे आरोपी आसानी से बच जाएंगे। हाईकोर्ट ने कानफोडू डीजे पर प्रतिबंध लगाने सख्त आदेश दिया है, लेकिन केस में पुलिस यह बताने का प्रयास कर रही है कि डीजे की आवाज से हादसा नहीं हुआ है। अगर ऐसा है तो कानून के अनुसार पुलिस को एक्शन लेना चाहिए।

शराब घोटाला केस में 7 अप्रैल तक रिमांड पर कवासी लखमा

रायपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में अब ईओडब्ल्यू पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से पूछताछ करना चाहती है। इसलिए राज्य अन्वेषण ब्यूरो की ओर विशेष कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट की मांग को लेकर आवेदन लगाया गया। जिस पर कोर्ट ने सुनवाई के बाद लखमा को 7 अप्रैल तक रिमांड पर भेज दिया है।

लखमा के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि, गुरुवार को हाईकोर्ट में लखमा की जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी। इससे पहले ही सुनियोजित तरीके से ईओडब्ल्यू ने पूछताछ के लिए एप्लिकेशन लगाया और कोर्ट ने डिमांड पर भेज दिया।

कवासी लखमा ने मीडिया से कहा कि, मैं गरीब आदमी हूं। बस्तर की आवाज विधानसभा में उठाया तो सरकार मुझे परेशान कर रही है। मैं निर्दोष हूं। गरीब आदमी हूं। बता दें कि, ईडी ने 16

जनवरी 2025 को लखमा को गिरफ्तार किया था। वे 21 जनवरी से रायपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं। छत्तीसगढ़ के 2161 करोड़ के शराब घोटाले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 10 मार्च को पूर्व सीएम भूपेश बघेल, उनके करीबी नेताओं और कारोबारियों के 14 ठिकानों पर छापेमारी की थी।

सुबह 7 बजे से शुरू हुई जांच शाम 6 बजे तक 11 घंटे चली। करीब 20 ईडी अफसरों की टीम सीआरपीएफ के जवानों के साथ सीधे पदुम नगर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री के निवास में कार्रवाई चली और टीम शाम 6 बजे टीम लौट गई।

ईडी का आरोप है कि, पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक कवासी लखमा सिंडिकेट के अहम हिस्सा थे। लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। इनसे शराब सिंडिकेट को मदद मिलती थी। वहीं, शराब नीति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे छत्तीसगढ़ में एफएल-10 लाइसेंस की शुरुआत हुई।

ईडी का दावा है कि लखमा को आबकारी विभाग में हो रही गड़बड़ियों की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने बताया कि, 3 साल शराब घोटाला चला। लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलते थे। इस दौरान 36 महीने में लखमा को 72 करोड़ रुपये मिले। ये राशि उनके बेटे हरीश कवासी के घर के निर्माण और कांग्रेस भवन सुकमा के निर्माण में लगे। ईडी ने कहा था कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले से सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है। शराब सिंडिकेट के लोगों की जेबों में 2,100 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध कमाई भरी गई।

पत्नी की हत्या कर फरार पति बच्चे के साथ गिरफ्तार

जमीन बंटवारे को लेकर पत्नी डाल रही थी दबाव, पति ने कुल्हाड़ी से कर दी थी हत्या

पलामू, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पलामू जिले के उंटारी रोड थाना क्षेत्र में पत्नी की हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रंजीत कुमार यादव (27) को उंटारी रोड रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। वह अपने एक साल के बच्चे के साथ भागने की फिराक में था। पुलिस पूछताछ में रंजीत ने बताया कि उसकी पत्नी रिंकी देवी (25) चाचा ससुर से जमीन बंटवारे के लिए लगातार दबाव बना रही थी। मंगलवार की रात जब वह नशे में घर पहुंचा, तो पत्नी ने फिर जमीन बंटवारे की बात छेड़ दी। इस पर गुस्से में आकर रंजीत ने कुल्हाड़ी से वार कर पत्नी की हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी अपने एक साल के बच्चे को लेकर फरार हो गया था।

एलआईसी ऑफिस से करीब 55 लाख की चोरी: लॉकर टूटा मिला

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम), 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मेन ब्रांच-2 से लाखों रुपए की चोरी हुई है। घटना का खुलासा तब हुआ, जब कार्यालय खोला गया और सीसीटीवी काम नहीं कर रहा था। जांच करने पर डीवीआर गायब मिला और लॉकर टूटा पाया गया। लॉकर से करीब 55 लाख रुपए से अधिक की नकदी गायब होने की आशंका है। हालांकि, सही आंकड़ा एलआईसी प्रबंधन और पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। घटना की सूचना मिलते ही बिष्टुपुर पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे कार्यालय परिसर की जांच शुरू कर दी। पुलिस कर्मचारियों से भी पूछताछ कर रही है और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी भी खंगाल रही है।

बुधवार सुबह जब एलआईसी कार्यालय खोला गया, तो कर्मचारियों ने देखा कि सीसीटीवी काम नहीं कर रहा है। इसके बाद जब इंजीनियर ने जांच की, तो डीवीआर गायब मिले। इसी दौरान लॉकर भी टूटा पाया गया और खिड़की खुली हुई थी। इस घटना के बाद पूरे ब्रांच में हड़कंप मच गया।

इस घटना को बेहद पेशेवर ढंग से अंजाम दिया गया है। डीवीआर गायब होने से सीसीटीवी फुटेज नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे जांच में चुनौती आ रही है। हालांकि पुलिस जल्द ही इस मामले को सुलझाने का दावा कर रही है। इस बड़े चोरी कांड ने एलआईसी कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हाथी ने महिला को पटक-पटककर मार डाला

जंगल में सूंड से पकड़कर उखाड़ दिए सिर के बाल, 3 दिन में 3 लोगों को कुचला

बलरामपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में हाथी ने महुआ बीनने जंगल गई पहाड़ी कोरवा महिला को पटक-पटककर मार डाला। हाथी महिला को पैरों से भी कुचला है, जिससे शरीर पर गहरे जख्म हैं। वहीं मृतिका के पति सहित अन्य ग्रामीणों ने भागकर जान बचाई। मामला शंकरगढ़ वन परिक्षेत्र के नावापारा का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतिका का नाम गिद्दी पहाड़ी कोरवा (50) है, जो जगिमा पंचायत की निवासी की निवासी थी। वहीं अगर बलरामपुर जिले में हाथी हमले की बात करें तो पिछले 3 दिनों में हाथियों ने 3 लोगों को मार डाला है। हाथियों की मौजूदगी से लोग दहशत में हैं। दरअसल, 2 अप्रैल यानी बुधवार सुबह को महिला गिद्दी अपने पति सुखू लाल कोरवा और ग्रामीणों के साथ जंगल गई थी। जंगल में सभी लोग महुआ बीन रहे थे, तभी सुबह करीब 6.30 बजे हाथी पहुंचा। इस दौरान महिला महुआ बीनने में बिजी थी, वह हाथी को अपने ओर आता देख नहीं पाई।

महिला ने जैसे ही हाथी को देखा वह हड़बड़ा गई। मौके से भाग नहीं पाई, जबकि पति और ग्रामीण आवाज लगाते रहे। हाथी ने पति और ग्रामीणों के सामने ही महिला को कुचल-कुचलकर और पटक-पटककर मार डाला। वह कुछ नहीं कर पाए।

महिला के पति सुखू लाल ने बताया कि महुआ बीनने के लिए जंगल में झाला (झोपड़ीनुमा घर) बनाए हैं।

उनके साथ ग्रामीण भी महुए के पेड़ों के पास झाला बनाकर रखे हैं। वहीं वे रात को भी रुकते हैं। हाथी ने ग्रामीणों को जमकर दौड़ाया। हाथी ने महिला को सूंड से पकड़ लिया और उठाकर पटक दिया।

सुखू लाल ने बताया कि हाथी ने उसकी पत्नी के सिर के बाल भी उखाड़ दिए।

पटके जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने शोर मचाया तो हाथी वापस जंगल में घुस गया। इसकी सूचना वन विभाग के कर्मियों को दी गई।

चतरा में मॉब लिंचिंग

लूटपाट के दौरान ग्रामीणों से हाथापाई, आरोपी को पकड़ कर ले गए गांव, पीट कर मार डाला

कोडरमा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र में मॉब लिंचिंग का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक सौरू नावाडीह गांव में लूटपाट के आरोप में ग्रामीणों ने एक युवक को पीट-पीटकर मार डाला। मृतक की पहचान लावालौंग थाना क्षेत्र के हेडुम गांव के रहने वाले 20 साल के राजो गंझू के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक लावालौंग साप्ताहिक बाजार से चार लोग बाइक पर सवार हो कर आ वापस गांव लौट रहे थे। इस दौरान हांहे सौरू नावाडीह के बीच जंगल में लूटपाट के ख्याल से तीन लुटेरे जंगल से निकले। उन्होंने बाइक को धक्का मार दिया। इससे बाइक पर सवार हो कर गांव लौट रहे चारो ग्रामीण सड़क पर गिर गए। वे ग्रामीणों के साथ लूटपाट का प्रयास करने लगे। इस बीच दोनों ओर से मारपीट होने लगी। मारपीट के क्रम में लुटेरों ने धारदार हथियार से ग्रामीणों पर वार किया। जिससे दो मुकेश और एक अन्य ग्रामीण जख्मी हो गए।

इसी बीच साप्ताहिक हाट से कुछ और ग्रामीण उसी रास्ते से गुजर रहे थे। ग्रामीणों की संख्या बढ़ता देख दो लुटेरे जंगल का लाभ उठाकर फरार हो गए। ग्रामीणों ने एक लुटेरे राजो गंझू को पड़कर गांव ले आए और उसकी पिटाई कर दी। ग्रामीणों ने उसकी इतनी पिटाई कर दी की उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

राहुल गांधी को छत्तीसगढ़ की ग्राउंड रिपोर्ट देंगे जिलाध्यक्ष

रायपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस अब संगठन को नए तरीके से मजबूत करने की रणनीति बना रही है। लगातार चुनावी हार के बाद पार्टी जिलास्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है। कल 3 अप्रैल को राहुल गांधी छत्तीसगढ़ के सभी जिलाध्यक्षों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान बूथ से लेकर जिले की रिपोर्ट एआईसीसी को देंगे। इस बैठक में जिलाध्यक्ष सीधे राहुल को ग्राउंड रिपोर्ट देंगे यानि संगठन की असल स्थिति से लेकर राजनीतिक समीकरणों तक, सबकुछ। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि क्या हाईकमान का यह सीधा दखल प्रदेश के नेताओं की ताकत कम करेगा? या फिर यह कांग्रेस के नए संगठन मॉडल की शुरुआत है?

राहुल गांधी की रणनीति क्या है?

राहुल गांधी कांग्रेस के संगठन को जिलास्तर से लेकर हाईकमान तक फिर से मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसके तहत, वे पहली बार सीधे जिलाध्यक्षों से संवाद कर रहे हैं। 27 मार्च से देशभर के अलग-अलग राज्यों से जिलाध्यक्षों को बुलाया गया था, ताकि पार्टी की ग्राउंड रिपोर्ट सीधे हाईकमान तक पहुंचे। अब, कल 3 अप्रैल को छत्तीसगढ़ कांग्रेस के जिलाध्यक्षों से मुलाकात होगी, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहेंगे। उनकी योजना संगठन में पावर डिस्ट्रीब्यूशन को बैलेंस करने की भी है, ताकि जिलास्तर पर नेताओं को ज्यादा ताकत मिले, लेकिन हाईकमान की पकड़ भी बनी रहे।

बूथ स्तर तक कांग्रेस को मजबूत करने के इस फॉर्मूले से राहुल प्रदेश नेतृत्व के असर को कम करते हुए संगठन की सीधी मॉनिटरिंग करना चाहते हैं। इससे गुटबाजी पर रोक लग सकती है, लेकिन प्रदेश के बड़े नेताओं की भूमिका कमजोर भी हो सकती है।

रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने बताया कि जिले में बूथ से लेकर सेक्टर, जोन कमेटी और ब्लॉक अध्यक्षों की जो सूची तैयार की गई है, साथ ही यहां की संपत्तियों से संबंधित सारी जानकारी भी एआईसीसी से मंगाई गई है।

उन्होंने कहा, हम साल 2024 से लेकर अब तक हुए सभी कार्यक्रमों की रिपोर्ट देंगे, जिसमें धरना-प्रदर्शन और बैठकों का विवरण भी शामिल होगा।'

बाइक-ऑटो की भिड़ंत, 3 की मौत

डिमना लेक से लौट रहे थे बाइक सवार, वहीं शादी में जा रहा था ऑटो में सवार परिवार

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम), 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जमशेदपुर में दर्दनाक सड़क हादसे में भाई-बहन सहित 3 लोगों की मौत हो गई। सड़क हादसे की यह घटना पटमदा-आसनबनी मेन रोड पर पाती पानी काली मंदिर के पास की है। यहां ऑटो और बाइक सवार की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो सवार कपाली निवासी 28 वर्षीय नसीम अंसारी और उनकी 12 वर्षीय बहन की मौके पर ही मौत हो गई। इनके साथ ही बाइक पर सवार कपाली हांसाडुगी निवासी 22 वर्षीय तनवीर मोमिन ने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे में बाइक सवार तनवीर का साथी अफजल अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले ब्रह्मानंद अस्पताल ले जाया गया। बाद में गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स रांची रेफर कर दिया गया। हादसे में टेंपो में सवार आसमां बीवी और उनकी साढ़े तीन वर्षीय बेटी हाफिया परवीन के पैर टूट गए हैं। टेंपो चालक जमील अंसारी बुरी तरह जख्मी हो गए हैं।

स्टील प्लांट का अफसर डिजिटल अरेस्ट, 49 लाख ठगे

दुर्ग, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दुर्ग-भिलाई में साइबर ठगों ने स्टील प्लांट के अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर 49 लाख रुपए ऐंठ लिए। इसके अलावा दूसरे केस में एप में रेटिंग बढ़ाने के नाम पर सवा 3 लाख रुपए ठगे गए। दोनों फ्रॉड एक ही गिरोह के सदस्यों ने अंजाम दिया। मामला भिलाई नगर और भिलाई-3 थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने एक आरोपी को मुंबई और 2 आरोपियों को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। कोलकाता से पकड़े गए 2 आरोपी झारखंड के रहने वाले हैं, जो साइबर ठगों को म्यूल अकाउंट भी उपलब्ध कराते थे। डिजिटल अरेस्ट का नाम सुनकर और बड़ी कार्रवाई के डर से पीड़ित ने 49 लाख 1196 रुपए अलग-अलग खातों में जमा कर दिए।

महादेव सट्टा, भूपेश बघेल सहित 21 लोगों पर एफआईआर

रायपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। महादेव सट्टा मामले में सीबीआई ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत 21 लोगों पर भ्रष्टाचार, ठगी और जुआ एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। जिन लोगों पर केस दर्ज किया गया है इनमें महादेव सिंडिकेट से जुड़े सदस्य, कारोबारी, पुलिस अधिकारी और राजनेता शामिल हैं।

सीबीआई ने यह एफआईआर 18 दिसंबर 2024 को रजिस्टर्ड की थी, लेकिन मंगलवार देर रात से इसकी चर्चा है। किन केसों में जांच के बाद सीबीआई ने यह एफआईआर दर्ज की है? 1 अप्रैल को ये सोशल मीडिया पर वायरल क्यों हो रही है?

राज्य सरकार की सिफारिश पर छत्तीसगढ़ पुलिस की फाइलों में रजिस्टर्ड महादेव सट्टा के 12 केसों की जांच सीबीआई अफसर कर रहे हैं। इन केसों की जांच के दौरान सीबीआई के अफसरों को गड़बड़ी मिली और उसके बाद प्रदेश में छापा मार कार्रवाई शुरू की गई। सीबीआई जिन केसों को आधार बनाकर जांच कर रही है, उसमें ईडी और ईओडब्ल्यू पूर्व में जांच कर चुकी है। ईडी इन केसों की जांच के दौरान आरोपियों की संपत्ति अटैच भी कर चुकी है। जिन केसों की जांच में नेता-अफसर-कारोबारियों का सिंडिकेट फंसा है, वे रायपुर के गंज, सिविल लाइन, टिकरापारा, जांजगीर-चांपा, सक्ती और सूरजपुर में रजिस्टर्ड है।

सीबीआई ने कुछ दिन पहले ही देश के चार राज्यों में रेड मारी और 60 ठिकानों में दबिश दी थी। जिन राज्यों में जांच की गई, उसमें छत्तीसगढ़, दिल्ली, एमपी और पश्चिम बंगाल शामिल है।

सीबीआई के अफसरों ने छत्तीसगढ़ में 13 लोगों के दो दर्जन से ज्यादा ठिकानों में दबिश दी। जिन लोगों के यहां सीबीआई अफसरों ने जांच की उनमें पूर्व सीएम भूपेश बघेल, विधायक देवेंद्र यादव समेत पुलिस अधिकारी और कारोबारी शामिल थे।

बुर्का पहनकर रायपुर के कपड़ा-शोरूम में 30 लाख की चोरी

रायपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर के श्री शिवम कपड़ा शोरूम में 30 लाख की चोरी हुई है। चोर शोरूम के भीतर बुर्का पहनकर घुसा। वहां के कर्मचारियों से बातचीत की। फिर अचानक चोर लोगों की नजरों से गायब हो गया। अगले दिन सुबह शोरूम के काउंटर का लॉकर टूटा मिला। चोर ने करीब 30 लाख रुपए चोरी कर लिए थे। इसके बाद आरोपी 5वें माले की छत से रस्सी के सहारे शोरूम से बाहर निकला और भाग गया। पुलिस के अनुसार उतरते समय रस्सी भी टूट गई। चोर तीसरे माले तक पहुंचा था। तभी धड़ाम से जमीन पर गिर गया। जिससे चोर के पैर टूटने की आशंका है। पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पंडरी का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, चोरी की पूरी घटना 31 मार्च और 1 अप्रैल की देर रात हुई है। चोर शोरूम के भीतर रात करीब 9:30 बजे दाखिल हुआ था। कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि उसने बुर्का पहना हुआ था। उस पर शक भी हुआ लेकिन वह अचानक गायब हो गया। कुछ देर उसे खोजने के बाद सभी कर्मचारी शोरूम बंद करके घर चले गए।

जोशुआ रॉ एजेंट या कुछ और पाकिस्तानी आईएसआई ने एक अन्य भारतीय के खिलाफ चली कुलभूषण जाधव वाली चाल

इस्लामाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने एक बार फिर से भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया है। आईएसआई के किराए के एजेंट सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स से लेकर यूट्यूब तक पर भारत के नागरिक अजीत जॉन जोशुआ के खिलाफ दुष्प्रचार तेज कर दिया है। पाकिस्तानी दावा कर रहे हैं कि अजीत जॉन जोशुआ भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के एजेंट हैं और पाकिस्तान के अंदर आतंकी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और बलूचों को भड़का रहे हैं। पाकिस्तानी सेना की इस चाल का भारत ने करारा जवाब दिया है। भारत ने साफ कह दिया है कि पाकिस्तानी फर्जी दावा कर रहे हैं और अजीत जॉन रॉ के एजेंट नहीं बल्कि बेंगलुरु में एक क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी हैं। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान अजीत जॉन के खिलाफ कुलभूषण जाधव वाली चाल चल रहा है जो इस समय पाकिस्तान की जेल में हैं।

पाकिस्तानी आईएसआई के सोशल मीडिया एजेंट अपनी पोस्ट में दावा कर रहे हैं कि अजीत जोशुआ बलूच लिबरेशन आर्मी की मदद कर रहे हैं और ईरान में बीएलए के लोगों से मुलाकात की है। हाल ही में बलूचों ने पाकिस्तानी सेना पर भीषण हमला किया था और 100 से ज्यादा सैनिकों को मार दिया था। पाकिस्तान के इस दुष्प्रचार पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने करारा जवाब दिया है। भारत सरकार ने बताया कि जोशुआ भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी हैं और इस समय बेंगलुरु में तैनात हैं। जोशुआ ने साल 2014 में भारतीय विदेश सेवा को ज्वाइन किया था और इस समय वह क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय बेंगलुरु में तैनात हैं।

पाकिस्तान के सूचना मंत्री जान अचजई ने भी दावा किया कि जोशुआ रॉ के एजेंट हैं और ईरान में भारतीय खुफिया एजेंसी के काम को देखते हैं। वहीं एक्स पर भारत विरोधी पाकिस्तानी सेना के दुष्प्रचार को फैलाने के लिए कुख्यात अल्फा इंटेल ने लिखा, 'रॉ अधिकारी अजीत जॉन जोशा की ईरान में पहचान हुई है। अजीत रॉ के एक सीनियर अधिकारी हैं और उन्हें विदेश सेवा में नाम के लिए शामिल किया गया है। अजीत इस समय ईरान में हैं। अजीत ने हाल ही में बीएलए के कमांडर बशीर जेब और अल्लाह नजर से मुलाकात की है ताकि ईरान-पाकिस्तान की सीमा पर आतंकी गतिविधियों को भड़काया जा सके।' असल में पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि भारत बलूचिस्तान में आतंकवाद को भड़का रहा है और बीएलए को मदद दे रहा है। बीएलए के लोगों ने चीनियों पर हमला किया है।

भारत सरकार ने पाकिस्तान के इस दावे को पुरजोर तरीके से खारिज किया है। विश्लेषकों का कहना है कि आईएसआई कुलभूषण जाधव 2.0 दोहराने की तैयारी कर रही है ताकि भारत को दुनियाभर में बदनाम किया जा सके। कुलभूषण जाधव भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी हैं और साल 2016 से ही वह पाकिस्तानी सेना की हिरासत में हैं।

कुलभूषण ईरान में अपना काम करते थे और वहीं से उनका आईएसआई ने अपहरण कर लिया था। पाकिस्तान की एक सैन्य अदालत ने भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को मौत की सजा सुनाई है।

बांग्लादेश में इस्लामी सरकार और शरिया के लिए कट्टरपंथी जुटे

शेख हसीना के हटने के बाद कट्टरपंथियों के निशाने पर अल्पसंख्यक और महिलाएं

ढाका, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना को बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल करने में मदद करने वाले इस्लामी कट्टरपंथी अब अपने असली मकसद पर लौट आए हैं।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की अनदेखी के बीच इस्लामी कट्टरपंथी फिर से सक्रिय हो गए हैं। इन पर हसीना सरकार ने प्रतिबंध लगाए थे। वे बांग्लादेश को अधिक कट्टरपंथी दिशा में धकेलने के काम में जुट गए हैं।

एक शहर में धार्मिक कट्टरपंथियों ने घोषणा की कि युवा महिलाएं अब फुटबॉल नहीं खेल सकतीं। दूसरे शहर में, उन्होंने पुलिस को एक ऐसे व्यक्ति को छोड़ने के लिए मजबूर किया जिसने सार्वजनिक रूप से अपने बाल न ढकने के कारण एक महिला को परेशान किया था, फिर उसे फूलों की माला पहनाई।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक रैली में कट्टरपंथी प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार इस्लाम का अपमान करने वाले किसी भी व्यक्ति को मौत की सजा नहीं देती है, तो वे अपने हाथों से उसे मौत की सजा देंगे।

नए संविधान का मसौदा तैयार कर रहे विभिन्न राजनीतिक दलों के अधिकारियों ने माना कि इस दस्तावेज में बांग्लादेश की परिभाषित विशेषता के रूप में धर्मनिरपेक्षता को समाप्त कर दिया जाएगा। इसके स्थान पर बहुलवाद को स्थापित किया जाएगा।

बांग्लादेश में हसीना की सरकार गिरने के बाद रात को देशभर में अहमदिया मुस्लिम संप्रदाय के पूजा स्थलों पर भीड़ ने हमले किए। अहमदिया समुदाय अभी भी डर में जी रहा है। उनके प्रार्थना हॉल में उपस्थिति लगभग आधी रह गई है।

खुद ठगा हुआ महसूस कर रही हैं आंदोलन में शामिल छात्राएं

कट्टरपंथियों की मनमानी से सबसे ज्यादा दुखी छात्राएं हैं, जिन्होंने हसीना को सत्ता से हटाने के आंदोलन में साथ दिया था। उन्हें उम्मीद थी कि एकदलीय शासन की जगह लोकतांत्रिक खुलेपन की व्यवस्था लाएगा, लेकिन अब वे ठगा हुआ महसूस कर रही हैं।

ढाका यूनिवर्सिटी की 29 वर्षीय छात्रा शेख तस्नीम अफरोज एमी ने कहा, हम विरोध प्रदर्शनों में सबसे आगे थे। हमने सड़क पर अपने भाइयों की रक्षा की। अब 5-6 महीने बाद पूरी बात बदल गई है।'

बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में महिलाओं का अहम स्थान है। देश के वर्क फोर्स में महिलाओं की हिस्सेदारी 37% है, जो दक्षिण एशिया में सबसे अधिक है। महिलाकर्मियों को डर है कि 15 वर्षों के बाद चरमपंथी ताकतें सत्ता में आ जाती है तो उनके लिए चुनौतियां बढ़ जाएंगी।

ट्रम्प प्रशासन में मैट व्हिटेकर नाटो के लिए अमेरिकी राजदूत बने

सीनेट ने नियुक्ति को मंजूरी दी

वाशिंगटन, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार देर रात मैट व्हिटेकर को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नाटो में अमेरिकी राजदूत के रूप में पुष्टि कर दी। व्हिटेकर ट्रम्प के पहले कार्यकाल में न्याय विभाग में सेवा दे चुके हैं। उनके पास विदेश नीति या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अनुभव नहीं हैं। सीनेट में उन्हें 52-45 के वोट से मंजूरी मिली।

ट्रम्प के पहले कार्यकाल में व्हिटेकर, अटॉर्नी जनरल जेफ सेशंस के चीफ ऑफ स्टाफ थे। 2016 के चुनाव में रूसी दखल की जांच से सेशंस ने खुद को अलग कर लिया था।

इसके बाद व्हिटेकर को कार्यवाहक अटॉर्नी बनाया गया था। ट्रम्प की वापसी के बाद उन्हें न्याय विभाग में बड़ी जिम्मेदारी देने पर विचार हुआ था।

हालांकि अब उन्हें नाटो में राजदूत बनाया गया है।

तैमूर रेपिस्ट, औरंगजेब जिया उल हक जैसा था

पाक एक्सपर्ट का मुगलों पर बड़ा दावा, पाकिस्तानी मुस्लिमों को जमकर सुनाया

इस्लामाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के कई हिस्सों, खासतौर से महाराष्ट्र में हालिया समय में मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर विवाद देखने को मिला है। एक फिल्म में औरंगजेब का चरित्र दिखाए जाने के बाद कुछ संगठनों ने उसकी कब्र तक उखाड़ देने की मांग की है। इसके बाद औरंगजेब के समय की व्यवस्था और धार्मिक नीतियों पर सोशल मीडिया पर चर्चा चल पड़ी है। भारत में चल रही इस बहस पर पाकिस्तान से भी प्रतिक्रिया आई है। पाकिस्तान की पत्रकार आरजू काजमी और लेखक सलमान रसीद ने इस मुद्दे पर बात की है।

आरजू काजमी से बात करते हुए सलमान ने कहा कि मुगल, खिलजी, तैमूर, गजनी ये सब भारतीय नहीं थे। ये लोग अफगानिस्तान, ईरान और अरब से आए थे। इन लोगों का ध्यान भारत की दौलत पर था, इससे ज्यादा इनका कोई मकसद नहीं था। उन्होंने इन बादशाहों को आदर्श की तरह देखने वाले लोगों की भी आलोचना की है। सलमान ने कहा कि बेहतर हीरो हमारी ही धरती के लोग होने चाहिए।

सलमान रसीद ने तैमूर पर बात करते हुए दावा किया कि वह बहुत बुरा इंसान और रेपिस्ट था। उसने बहुत से लोगों को मारा, जिसमें बड़ी तादाद मुसलमानों की ही थी। तैमूर के बेटे ने भी महिलाओं के साथ ज्यादती की। ये बहुत क्रूर लोग थे और इनको रेपिस्ट कहा जाना चाहिए। सलमान ने कहा कि पता नहीं क्यों बहुत से मुसलमान उसको अच्छी निगाह से देखते हैं, ये वहशी आदमी था।

मुगलों पर सलमान रसीद ने कहा, 'मुगलों में बाबर को कम वक्त के लिए शासन करने का मिला और उसके बाद आया हुमायूं बहुत सीधा था, उसे कुछ आता ही नहीं। अकबर ने लंबे वक्त तक राज किया लेकिन वो दौर ठीक निकला। ऐसा इसलिए क्यों अकबर पढ़ा लिखा नहीं था। हालांकि अकबर के बाद के मुगल बादशाह बिल्कुल अच्छे नहीं थे।

सलमान ने कहा कि मुगलों ने कितने मंदिर गिराए, इसकी सही जानकारी सामने नहीं है। यहां तक कि ताजमहल के भी मंदिर होने का दावा किया जाता है। हालांकि इसमें कितनी सच्चाई ये है, ये पता नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां तक लोगों को जबरन मुसलमान बनाने की बात है तो ये मुगलों से पहले के समय में ज्यादा हुआ। औरंगजेब के जमाने में जजिया टैक्स जैसी चीजें हुईं लेकिन जबरन मुसलमान करना पहले हुआ है।

सलमान का मानना है कि औरंगजेब 17वीं सदी का जिया उल हक था। जो राष्ट्रपति रहते हुए 80 के दशक में पाकिस्तान में जिया ने किया, वही उस वक्त औरंगजेब ने किया। उसके समय में समाज में बहुत फटाव आया। समाज को बांटने का जो काम औरंगजेब ने किया, वह बहुत खराब था। औरंगजेब में तारीफ करने जैसा कुछ नहीं था।

पाकिस्तान में मुसलमानों के खुद से अरबों को जोड़ने की भी सलमान ने आलोचना की है।

यूरोप में बढ़ता जा रहा पुतिन का डर

जर्मनी का दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार विदेश में सेना भेजने का फैसला

बर्लिन, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जर्मनी ने एक बेहद अहम कदम उठाते हुए लिथुआनिया में 5,000 सैनिकों की तैनाती की है। जर्मनी का ये कदम खास है क्योंकि दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार उसने विदेशी धरती पर अपने सैनिकों को भेजने का फैसला लिया है।

यूक्रेन में युद्ध के बाद रूस के बढ़ते खतरे को देखते हुए जर्मनी ने ये फैसला लिया है। ऐसा करते हुए जर्मनी की कोशिश नाटो सहयोगियों के साथ मिलकर यूरोप के पूर्वी हिस्से की सुरक्षा को मजबूत करने की है। जर्मनी की ओर से मंगलवार को इसका ऐलान किया गया है।

जर्मनी ने कहा है कि लिथुआनिया में 5,000 सैनिकों की एक बख्तरबंद ब्रिगेड तैनात की जाएगी। जर्मनी की सेना लिथुआनिया में स्थायी रूप से तैनात रहेगी।दूसरे विश्व युद्ध के बाद जर्मनी ने कभी भी स्थायी तौर पर किसी दूसरी देश में अपनी सेना की तैनाती नहीं है। तकरीबन आठ दशक में पहली बार जर्मनी अपने सैनिकों को विदेश में तैनात कर रहा है। जर्मनी का मानना है कि रूसी फौजें यूक्रेन पर नहीं रुकेंगी बल्कि दूसरे यूरोपीय मुल्कों तक भी पहुंचेंगी। ऐसे में जर्मनी को यह कदम उठाना पड़ा है।

द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे विश्व युद्ध के बाद जर्मनी ने युद्ध से दूरी बनाकर रखने की नीति को अपना रखा था।

रूस के पिछले तीन वर्षों में यूक्रेन में युद्ध और पुतिन की यूरोप को लेकर आक्रामक नीति के चलते जर्मनी को अपनी पॉलिसी बदलने पर मजबूर किया है। जर्मनी अब नाटो के साथ मिलकर यूरोप की रक्षा करेगा। जर्मनी के ब्रिगेडियर जनरल क्रिस्टोफ हूबर के नेतृत्व में लिथुआनिया में यूनिट की तैनाती की गई है।

कैलिफोर्निया में महिला खेलों में ट्रांसजेंडर एथलीट के भाग लेने पर बैन नहीं लगेगा

ट्रम्प की पार्टी का बिल खारिज

कैलिफोर्निया, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया ने ट्रांसजेंडर एथलीटों के महिला खेलों में भाग लेने पर बैन लगाने वाले बिल खारिज कर दिए हैं। इन बिल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के विधायकों ने पेश किया था।

राज्य विधानसभा की आर्ट्स, एंटरटेनमेंट, स्पोर्ट्स और टूरिज्म समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने मंगलवार को रिपब्लिकन विधायकों के दो बिलों को लंबी बहस और चर्चा के बाद खारिज कर दिया।

समिति के अध्यक्ष क्रिस वार्ड ने कहा कि ये बिल ट्रांसजेंडर युवाओं के अधिकारों पर बड़े हमले का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि ये नियम ट्रांस लड़कियों के लिए भी अपमानजनक हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें अपने लिंग का प्रमाण देने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

बलूचिस्तान में बीएलए के हाथों शर्मिंदगी का बदला या नई साजिश?

पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर में पार किया एलओसी, मिली मौत

इस्लामाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार को पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार की है। सीजफायर का उल्लंघन करते हुए पाकिस्तानी फौज ने भारत की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की और गोलीबारी की। पाक फौज के साथ आतंकियों ने भी घुसपैठ की कोशिश की है। अधिकारियों का कहना है कि कृष्णा घाटी ब्रिगेड ने पाक फौज और आतंकियों की गोलीबारी का कड़ा जवाब दिया है। घुसपैठ और गोलीबारी की घटना के बाद भारतीय सेना, सीआरपीएफ और कश्मीर पुलिस मिलकर कठुआ के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रही है। इस क्षेत्र में आतंकियों के छुपे होने का अंदेशा है।

पाक फौज की ओर से घुसपैठ की कोशिश ऐसे समय में हुई है, जब वह घर में घिरी हुई है। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी फौज पर हमले हो रहे हैं। पाक फौज ने बलूचिस्तान में ट्रेन हाईजैक के लिए भी भारत को जिम्मेदार ठहराया है। ऐसे में इसे पाकिस्तानी सेना की खीज में उठाए कदम की तरह भी देखा जा रहा है। ये पाक सेना की बलूचिस्तान में शर्मिंदगी से बचने की कोशिश या फिर कोई नई साजिश भी हो सकती है। हालांकि भारतीय फौज ने पाक सेना और आतंकियों के मंसूबों को नाकाम किया है। मंगलवार को कृष्णा घाटी सेक्टर में एलओसी पार से पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ के कारण माइन ब्लास्ट हुआ। यह तब हुआ जब पाकिस्तानी सेना के जवान और आतंकी सीमा पार कर घुसपैठ कर रहे थे। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की और युद्धविराम का उल्लंघन किया। सीमा पर स्थिति फिलहाल नियंत्रण में बताई गई है। मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए और कुछ दूसरे भागने में कामयाब रहे हैं। खुफिया रिपोर्टों से पता चला है कि इलाके में 20 घुसपैठिए कठुआ, बिल्लावर, मल्हार और बनी के जंगलों में हो सकते हैं। पुलिस ने क्षेत्र से छह लोगों को आतंकियों की मदद के आरोप में गिरफ्तार किया है। भारतीय सेना के अधिकारियों का कहना है कि आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा बलों ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें। सेना के सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के कृष्णा घाटी सेक्टर में घुसपैठ की कई असफल कोशिशें की हैं। इसमें उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। फरवरी के पहले सप्ताह के दौरान भी पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की और विस्फोट किया।

ब्रह्मोस के बाद चीन के पड़ोसी ने खरीदा ड्रैगन का काल

अमेरिका से पहुंचेंगे 20 एफ-16 फाइटर जेट, जिनपिंग की बढ़ेगी टेंशन

मनीला, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका ने फिलीपींस को एफ-16 लड़ाकू विमान बेचने के फैसले को मंजूरी दी है। इस डील के तहत 5.58 अरब डॉलर में अमेरिका से फिलीपींस को 20 एफ-16 जेट मिलेंगे। यह ऐसे समय में आया है, जब फिलीपींस का पड़ोसी चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका और फिलीपींस सहयोगी है। फिलीपींस की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वॉशिंगटन ने इस सौदे को सहमति दी है। फिलीपींस को 20 एफ-16 जेट के साथ इनके उपकरण भी इस समझौते में अमेरिका से मिलेंगे। एक्सपर्ट का मानना है कि इससे फिलीपींस की वायुसेना की क्षमता बढ़ेगी और वह समुद्री क्षेत्र में बेहतर निगरानी कर पाएगा। फिलीपींस ने हाल ही में भारत से ब्रह्मोस मिसाइल भी खरीदी हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने फिलीपींस के साथ एफ-16 जेट बिक्री सौदा दोनों देशों के बीच हुई संधि के तहत किया है। विदेश विभाग ने अपने बयान में कहा कि यह बिक्री एक रणनीतिक साझेदार (फिलीपींस) की सुरक्षा में सुधार करेगी जो दक्षिण पूर्व एशिया में राजनीतिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण शक्ति है। अमेरिका का एफ-16 बहु-भूमिका वाला लड़ाकू विमान है। यह जेट हवा से हवा में और हवा से सतह पर हमले में खुद को साबित कर चुका है। अमेरिका के फिलीपींस को एफ-16 जेट देने का मकसद एशिया में चीन विरोधी ताकतों को मुकाबला करना है। फिलीपींस और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर में लंबे समय से टकराव चल रहा है। बीजिंग इस महत्वपूर्ण जलमार्ग के पूरे हिस्से पर अपना दावा करता है। हालांकि एक अंतरराष्ट्रीय अदालत ने इस दावे को खारिज कर दिया है। अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करते हुए चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने की कोशिश में है।

फिलीपींस को हाल ही में भारत से ब्रह्मोस मिसाइल भी मिली हैं। फिलीपींस ने ब्रह्मोस खरीदने के लिए 2022 में भारत से डील की थी। भारत ने इसी साल मिसाइल की पहली खेप फिलीपींस को सौंपी है। फिलीपींस भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने वाला पहला एशियाई देश है। ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे भारत और रूस ने मिलकर बनाया है। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल है।

इसे जमीन, समुद्र और हवा से लॉन्च किया जा सकता है। यह 290 किलोमीटर तक के लक्ष्य को भेद सकती है। इसकी रफ्तार 2,900 किलोमीटर प्रति घंटा है। ऐसे में यह किसी भी देश की सेना के लिए एक असरदार हथियार है। वहीं एफ-16 भी दुनिया का ताकतवर जेट है।

रक्षा मंत्री कैट्ज बोले- गाजा में इजरायल ने सैन्य अभियान का विस्तार किया

खान यूनिस पर हमलों में 17 मरे

यरूशलम, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज ने बुधवार को कहा कि गाजा पट्टी में इजरायल का सैन्य अभियान विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी क्षेत्र में यह आक्रमण आतंकवादियों और उनके बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए किया जा रहा है। अभियान के तहत बड़े क्षेत्रों पर कब्जा किया जा रहा है, जिन्हें इजरायल के सुरक्षा क्षेत्रों में जोड़ा जाएगा। नासिर अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, खान यूनिस शहर पर रातभर हवाई हमलों में 17 लोग मारे गए हैं। कैट्ज ने कहा कि इजरायल की सुरक्षा परिधि उत्तरी और पूर्वी गाजा में सीमा के साथ लगती है और दशकों से देश की रक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इसका उपयोग क्षेत्र के पास रहने वाले अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किया जाता है। रक्षा मंत्री कैट्ज ने गाजावासियों से हमास को खदेड़ने की अपील की, जिसने अभी भी 59 लोगों को बंधक बना रखा है। इन बंधकों में 24 के अभी भी जीवित होने का अनुमान है। हालांकि, शेष बंधकों को युद्धविराम और अन्य समझौतों के तहत रिहा किया जा चुका है। कैट्ज ने बाकी बंधकों को वापस करने को कहा। इजरायल ने गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर खान यूनिस पर रातभर हवाई हमले किए।

सीरिया के टी 4 एयर बेस पर कब्जा कर रहा तुर्की

एस-400 मिसाइलें कर सकता है तैनात, 'खलीफा' के प्लान से खतरे में इजरायल

दमिश्क, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। तुर्की की सेना ने एचटीएस राज आने के बाद सीरिया के तियास या टी 4 एयर बेस पर कब्जा करने के लिए प्रयास शुरू कर दिया है। यही नहीं तुर्की की सेना यहां पर शक्तिशाली एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने जा रही है। माना जा रहा है कि तुर्की सीरिया के इस एयरबेस पर कुछ समय के लिए रूसी एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर सकता है जिसे अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट का काल कहा जाता है। बताया जा रहा है कि इस एयरबेस पर निर्माण कार्य को शुरू करने के लिए भी योजना बनने लगा है। मिडिल ईस्ट आई की रिपोर्ट के मुताबिक बशर अल असद के भागने के बाद गत दिसंबर महीने से ही तुर्की और सीरिया के बीच रक्षा समझौते को लेकर बातचीत चलने लगी थी।

इस समझौते में कहा गया है कि सीरिया की नई सरकार की रक्षा के लिए तुर्की हवाई सपोर्ट देगा और सैन्य सुरक्षा देगा। सीरिया की एचटीएस की सरकार के पास वर्तमान समय में कोई सेना नहीं है। इससे पहले तुर्की के अधिकारियों ने सीरिया में सैन्य उपस्थिति की संभावना को कम करके दिखाने की कोशिश की थी और कहा था कि ऐसा कुछ नहीं होने जा रहा है। हालांकि पर्दे के पीछे से दोनों के बीच बातचीत जारी रही।

सीरिया में तुर्की की सेना की मौजूदगी को इजरायल अपने लिए बड़े खतरे के रूप में देखता है। तुर्की के खलीफा एर्दोगान को सीरिया बड़े मौके के रूप में दिख रहा है। सीरिया में सेना तैनात करके वह अपना इस इलाके में दबदबा बढ़ाना चाहते हैं। इससे उनका ऑटोमन साम्राज्य को फिर से वापस लाने का सपना पूरा होता दिख रहा है। रूस और ईरान के सीरिया से हटने के बाद खालीपन आ गया है और इसको एर्दोगान भरना चाहते हैं।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की तबीयत बिगड़ी

अस्पताल में भर्ती

कराची, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की तबीयत बिगड़ गई है। इसके बाद कराची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के हवाले से मंगलवार को बताया कि 69 साल के आसिफ अली जरदारी को बुखार और संक्रमण की शिकायत हुई है। इस वजह से उन्हें कराची से करीब 300 किलोमीटर दूर नवाबशाह से अस्पताल लाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति जरदारी की कई मेडिकल जांच की गई और डॉक्टर उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। वह सोमवार को ईद की नमाज अदा करने के लिए नवाबशाह गए थे। इससे पहले रविवार को उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं के साथ बैठक भी की थी। समाचार एजेंसी पीटीआई ने पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपीपी) के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने टेलीफोन पर राष्ट्रपति जरदारी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

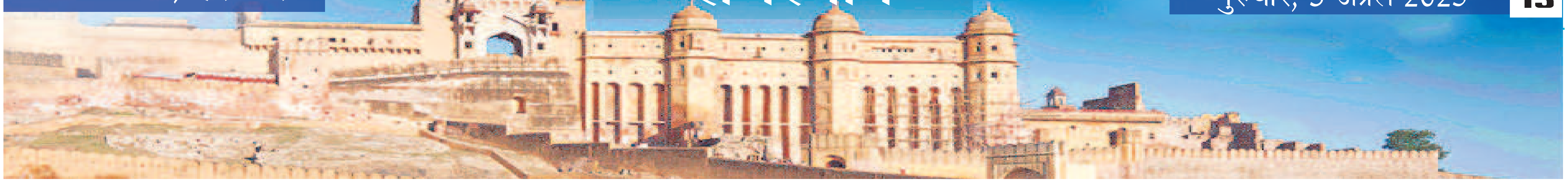

वक्फ संशोधन विधेयक पर राजस्थान में गरमाई सियासत

डिप्टी सीएम बैरवा ने कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

जयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में आज वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पेश किया गया, जिससे देशभर में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। इस बिल पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बहस होने की संभावना है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने इस बिल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष केवल लोगों को भड़काने का काम करता है और यह बिल किसी समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी के हित में है।

प्रेमचंद बैरवा ने विपक्ष पर किया हमला

राजस्थान के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी नेता प्रेमचंद बैरवा ने जयपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल केवल और केवल लोगों को भड़काने का काम करते हैं। वक्फ संशोधन विधेयक किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे समाज के हित में लाया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी धर्मों और समाज के हर वर्ग के हित में काम कर रहे हैं, लेकिन विपक्ष बिना किसी आधार के लोगों को भड़काने का काम करता है। आगे कहा कि विपक्ष इस बिल पर राजनीति कर रहा है, जबकि इसका मकसद वक्फ संपत्तियों की पारदर्शिता सुनिश्चित करना और उनके दुरुपयोग को रोकना है।

दरगाह के उत्तराधिकारी ने किया समर्थन

इस बीच, अजमेर दरगाह प्रमुख के उत्तराधिकारी और ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के चेयरमैन सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने वक्फ संशोधन विधेयक का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह बिल वक्फ संपत्तियों की पुरानी खामियों को दूर करेगा और उनकी लूट को रोकेगा।

चिश्ती ने कहा कि हम लंबे समय से इस संशोधन का इंतजार कर रहे थे। यह बिल पारित होने से वक्फ संपत्तियों के सही प्रबंधन में मदद मिलेगी और गरीब मुसलमानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

लोकसभा में बिल पर 8 घंटे की चर्चा तय

सोमवार दोपहर संसद में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने पेश किया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बिल पर चर्चा के लिए 8 घंटे का समय निर्धारित किया है। इसमें एनडीए को 4 घंटे 40 मिनट और विपक्ष को बाकी का समय मिला है।

विपक्षी दलों ने इस विधेयक पर कड़ी आपत्ति जताई है और इसे 'समुदाय विशेष के खिलाफ' बताया है। वहीं, सरकार का कहना है कि बिल केवल पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से लाया गया है और इसका किसी धर्म या समुदाय से कोई लेना-देना नहीं है। बता दें, वक्फ संशोधन विधेयक पर आज देर रात तक मतदान होने की संभावना है। यदि यह बिल लोकसभा में पारित हो जाता है, तो इसे राज्यसभा में भेजा जाएगा।

क्या है वक्फ संशोधन विधेयक 2025?

गौरतलब है कि यह विधेयक वक्फ बोर्ड की संपत्तियों के पारदर्शी और प्रभावी प्रबंधन पर केंद्रित है। सरकार का दावा है कि इससे भ्रष्टाचार और संपत्तियों की हेराफेरी पर रोक लगेगी। इसमें वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने और उनके सही इस्तेमाल के लिए नए प्रावधान शामिल किए गए हैं। विपक्ष का तर्क है कि इससे वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता प्रभावित होगी।

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को कुलगुरु ने गद्दी पर बैठाया

मंत्रोच्चारण और शंखनाद के बीच रस्म निभाई; घोड़े की आरती उतारी; एकलिंगनाथजी के दर्शन किए

उदयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को कुलगुरु डॉ. वागीश कुमार गोस्वामी ने बुधवार को गद्दी पर बैठाया। मंत्रोच्चारण और शंखनाद के बीच यह रस्म निभाई गई। इसके बाद लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने अपने कुलगुरु समेत तमाम संत-महात्माओं का आशीर्वाद लिया। गद्दी की पूजा-अर्चना कर विराजमान होने के बाद लक्ष्यराज सिंह ने श्रीएकलिंगनाथजी की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। धूणी दर्शन किए। इसके बाद अश्व पूजन किया। शाम को उन्होंने एकलिंगनाथजी मंदिर में दर्शन कर शोक भंग की रस्म निभाई। भगवान जगदीश मंदिर में दर्शन के बाद यह रस्म पूरी होगी।

उदयपुर के सिटी पैलेस परिसर में सुबह करीब 9:30 बजे हवन-पूजन शुरू हुआ था। ओडिशा के डिप्टी सीएम और लक्ष्यराज सिंह के ससुर कनकवर्धन सिंह, जाने-माने कवि-एक्टर शैलेश लोढ़ा सहित तमाम लोग उदयपुर सिटी पैलेस में सुबह ही पहुंच चुके थे। सिटी पैलेस स्थित नौ चौकी महल के राय आंगन में सभी लोग सफेद रंग के कपड़े पहनकर आए। लक्ष्यराज सिंह ने सफेद कपड़ों में विधि-विधान से गद्दी उत्सव की परंपरा निभाई। इस दौरान लक्ष्यराज के बेटे हरितराज सिंह ने संतों का आशीर्वाद लिया।

सिटी पैलेस के शंभु निवास में दोपहर करीब 3 बजे लक्ष्यराज सिंह ने बेटे हरितराज के साथ अश्व पूजन किया। पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ पूजन करवाया। मेवाड़ में राजतिलक या फिर गद्दी पर विराजने की रस्म के साथ ही अश्व पूजन की परंपरा भी निभाई जाती है। मान्यता है कि अश्व को स्वामी भक्ति का प्रतीक माना जाता है। युद्ध के समय अश्व भी अपने राजा को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महाराणा प्रताप का घोड़ा चेतक था, जिसने हल्दीघाटी युद्ध में घायल होकर भी महाराणा प्रताप को युद्ध भूमि से सुरक्षित बाहर निकाला था। इसलिए मेवाड़ का पूर्व राजपरिवार विशेषकर राजतिलक या गद्दी विराजने के अलावा विशेष त्योहारों पर भी अश्व पूजन करता है।

घोड़ा मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार का ही होता है। पूर्व राजपरिवार की अश्वशाला सिटी पैलेस और शिकारबाड़ी में है। महाराणा करण सिंह ने 1620-1628 ईस्वी में घोड़ों का अस्तबल बनाया था। हालांकि मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार में अस्तबल की परंपरा 1500 साल से भी पुरानी है।

सड़क निर्माण पर हंगामा, लोग एकजुट हुए तो ठेकेदार ने मांगी माफी

नेता प्रतिपक्ष ने की जांच की मांग

अलवर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर के ट्रांसपोर्ट नगर में घटिया सड़क निर्माण को लेकर सोमवार को स्थानीय लोगों में आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने ठेकेदार प्रवीण चौधरी को घेर लिया और घटिया निर्माण कार्य को लेकर तीखी बहस हुई। भीड़ इतनी आक्रोशित हो गई कि हाथापाई की नौबत आ गई। हालात बिगड़ते देख ठेकेदार ने हाथ जोड़कर माफी मांग ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम के कमिश्नर सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। मिट्टी को साफ किए बिना ही सड़क बनाई जा रही थी, जिससे कुछ ही दिनों में यह टूट जाएगी। वहीं, वार्ड पार्षद हेतराम यादव पर भी कमीशन लेने के आरोप लगे, जिससे जनता का गुस्सा और बढ़ गया।

वार्ड पार्षद हेतराम यादव ने कहा कि एनकेप योजना के तहत 4 करोड़ 61 लाख रुपये की लागत से सड़क, नाली और इंटरलॉकिंग का काम स्वीकृत हुआ था, लेकिन ठेकेदार ने मनमाने तरीके से घटिया निर्माण शुरू कर दिया। हमने इसे रोकने की कोशिश की फिर भी ठेकेदार ने अनदेखी की और मिट्टी के ऊपर ही डामरीकरण शुरू कर दिया। जनता की बढ़ती नाराजगी को देखते हुए नगर निगम कमिश्नर मौके पर पहुंचे और मामले को शांत करने का प्रयास किया। लोगों की मांग थी कि निर्माण कार्य को तुरंत रोका जाए और गुणवत्ता की जांच कराई जाए। स्थानीय नागरिकों ने विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि शिकायत के बावजूद न तो ठेकेदार ने ध्यान दिया और न ही नगर निगम अधिकारियों ने समय पर कार्रवाई की।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौके पर पहुंचे और भ्रष्टाचार पर उठाए सवाल

जब मामला तूल पकड़ने लगा तो नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने जनता की जागरूकता की सराहना करते हुए कहा कि मैं ट्रांसपोर्ट नगर के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि वे अपने हक के लिए खड़े हुए। जब इतनी घटिया सड़क बनाई जा रही है, तो यह साफ दर्शाता है कि सरकार में बड़ा भ्रष्टाचार चल रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल सस्पेंड किया जाना चाहिए और ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने जिला कलेक्टर से फोन पर बात कर इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने प्रशासन से निर्माण कार्य को तुरंत रोकने और सही तरीके से पूरा कराने का निर्देश देने की अपील की। इस विरोध के बाद नगर निगम अधिकारियों ने जनता को आश्वासन दिया कि पूरे मामले की जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य को सही तरीके से नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

पंचायत चुनावों को लेकर हाईकोर्ट ने सरकार को लगाई फटकार, पूछा- कब होंगे चुनाव?

जयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने भजनलाल सरकार से 6,759 ग्राम पंचायतों के चुनावों के स्थगन को लेकर सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने सरकार से स्पष्ट रूप से पूछा है कि राज्य में पंचायत चुनाव आखिर कब कराए जाएंगे? जस्टिस इंद्रजीत सिंह की खंडपीठ ने इस संबंध में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं। दरअसल, जस्टिस इंद्रजीत सिंह की खंडपीठ ने इस मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को निर्देश दिया कि 4 फरवरी 2025 के आदेश की पालना करते हुए पंचायत चुनाव का स्पष्ट शेड्यूल प्रस्तुत किया जाए। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 7 अप्रैल 2025 तय की है।

याचिकाकर्ता गिरिराज सिंह देवंदा की ओर से पेश अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने अदालत में आपत्ति जताई कि सरकार ने पिछले आदेशों के बावजूद पंचायत चुनावों की कोई स्पष्ट समय-सीमा तय नहीं की है। उन्होंने कहा कि सरकार को कोर्ट के आदेश का अनुपालन करना चाहिए था, लेकिन इसके हलफनामे में किसी निश्चित चुनाव कार्यक्रम का उल्लेख नहीं किया गया। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में प्रस्तुत अपने जवाब में चुनाव स्थगन को उचित ठहराने के लिए तीन प्रमुख कारण बताए हैं। पहला तो ये कि प्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव एक साथ कराने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जो यह अध्ययन करेगी कि एक साथ चुनाव कराने से धन, श्रम और समय की कितनी बचत होगी और इससे स्थानीय निकायों को कैसे सशक्त किया जा सकता है। वहीं, दूसरा तर्क बताया कि पिछली सरकार ने कई नए जिले बनाए थे, जिनमें से 9 जिलों को वर्तमान सरकार ने समाप्त कर दिया। अब पूरे प्रदेश में पंचायतों का पुनर्गठन और नगरीय निकायों का परिसीमन किया जा रहा है, इसलिए चुनावों को अभी स्थगित किया गया है। इसके अलावा सरकार का कहना है कि उसने राजस्थान पंचायत राज अधिनियम, 1994 की धारा 95 के तहत प्रशासकों की नियुक्ति की है। यह प्रावधान वैकल्पिक है, जिससे सरकार यह तय कर सकती है कि प्रशासकों की नियुक्ति कैसे की जाए।

बताते चलें कि हाईकोर्ट का रुख अब और सख्त हो सकता है, क्योंकि सरकार ने पूर्व आदेशों का स्पष्ट अनुपालन नहीं किया है। यदि अगली सुनवाई 7 अप्रैल को सरकार चुनावों की कोई निश्चित तिथि प्रस्तुत नहीं करती, तो कोर्ट द्वारा कड़ा रुख अपनाया जा सकता है। याचिकाकर्ताओं के वकील प्रेमचंद देवंदा का कहना है कि राज्य सरकार ने 16 जनवरी 2025 को एक अधिसूचना जारी कर 6,759 पंचायतों के चुनाव स्थगित कर दिए, जो संविधान के अनुच्छेद 243E, 243K और राजस्थान पंचायत राज अधिनियम 1994 की धारा 17 का उल्लंघन है।

अलवर साइबर सेल के पुलिसकर्मियों पर मारपीट और छेड़छाड़ का आरोप, पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार

अलवर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर साइबर सेल के पुलिसकर्मियों पर एक लॉ स्टूडेंट के साथ मारपीट, छेड़छाड़ और उसका मोबाइल छीनने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता का कहना है कि उसने कई बार पुलिस से मदद की गुहार लगाई, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई।

पीड़िता के अनुसार, किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम और मोबाइल नंबर का दुरुपयोग कर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी अकाउंट बना लिए थे। इन अकाउंट्स को डिलीट करवाने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए वह साइबर सेल पहुंची थी, लेकिन वहां उसकी समस्या का समाधान करने के बजाय पुलिसकर्मियों ने उसके साथ बदसलूकी की।

पीड़िता का आरोप है कि साइबर सेल में मौजूद पुलिसकर्मियों ने न सिर्फ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, बल्कि उसके साथ मारपीट और छेड़छाड़ भी की। यही नहीं, उसका मोबाइल छीन लिया गया और उसे धमकाने की भी कोशिश की गई। पीड़िता ने बताया कि जब स्थानीय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, तो वह न्याय की तलाश में अतिरिक्त जिला कलेक्टर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची। लेकिन वहां भी उसे एक घंटे तक बैठाए रखा गया और उसकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया।

इस घटना के बाद पीड़िता ने उच्च अधिकारियों से न्याय की मांग की है। उसने दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो वह न्याय के लिए आगे की लड़ाई लड़ेगी। यह मामला न केवल पुलिस की कार्यशैली बल्कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है।

कांस्टेबल पर हिरासत में डेढ़ लाख रुपए ऐंठने का आरोप, एसपी से की गई शिकायत

जैसलमेर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के नेहरो की नाड़ी निवासी मोहनलाल ने सांचौर थाने के एक पुलिस कांस्टेबल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित का कहना है कि धोखाधड़ी के एक मामले में बाड़मेर पुलिस की मदद से सांचौर पुलिस ने उसे 14 मार्च को गिरफ्तार किया था। इस दौरान सांचौर ले जाते समय एक कांस्टेबल ने तीन अज्ञात व्यक्तियों की मदद से डराकर अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए उसके खाते से 1.60 लाख रुपये निकाल लिए।

पीड़ित मोहनलाल का आरोप है कि 15 मार्च को सांचौर पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर लिया गया और फिर 16 मार्च को जेल भेज दिया गया। 20 मार्च को उसकी जमानत हुई, जिसके बाद उसने बाड़मेर एसपी को ज्ञापन सौंपकर आरोपी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बाड़मेर एसपी नरेंद्रसिंह मीना ने बताया कि आरोपी के खाते से पैसे निकाले जाने की शिकायत मिली थी, जिसे जांच के लिए जालोर एसपी को भेज दिया गया है। वहीं, जालोर एसपी ज्ञानचंद यादव ने कहा कि मामले की जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पिता ने दोगुने उम्र के आदमी को बेची नाबालिग बेटियां

5 लाख में कर दी शादी, जबरदस्ती करता रहा पति, अब कोर्ट ने दोनों को सुनाई सजा

बारां, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। विशेष न्यायाधीश पोक्सो-2 सोनिया बेनीवाल ने दो नाबालिग बेटियों को बेचने के आरोप में एक आरोपी को 14 साल के कठोर कारावास और खरीदकर बलात्कार करने के दो आरोपियों को 20-20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। प्रकरण में पिता व पति समेत तीन जनों को सजा सुनाई गई है।

विशेष लोक अभियोजक पोक्सो अरविन्द त्यागी ने बताया कि जिले के छीपाबड़ौद थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता को वर्ष 2021 में उसके पिता ने पांच लाख रुपए लेकर सुरेश से उसकी मर्जी के खिलाफ शादी करा दी थी। उस समय पीड़िता कक्षा 9वीं में पढ़ती थी और सुरेश उससे दोगुनी उम्र का था।

उसकी बहन की शादी 2017 में की थी। दीदी ने चाइल्ड हेल्पलाइन पर फोन कर इसकी जानकारी दी तो चाइल्ड लाइन ने उन्हें बाल कल्याण समिति के माध्यम से स्वाधारगृह में छोड़ दिया। वहां से एक दिन पिता व ताऊ ले आए और 13 नवंबर की रात ससुराल वालों को बुलाकर जबरदस्ती वैन में डालकर बहन को ससुराल व उसे उसके ससुराल भेज दिया।

वहां पति सुरेश, तेजराज व कन्हैया पीड़िता के साथ जबरदस्ती करते थे।

पीड़िता ने उक्त आरोप लगाते हुए 23 दिसंबर 2021 को छीपाबड़ौद पुलिस को पर्चा बयान दिया। इस पर पुलिस ने अनुसंधान कर न्यायालय में चालान पेश किया।

गवाहों के बयान के बाद न्यायालय ने आरोपित पिता को 14 साल का कठोर कारावास व 30 हजार रुपए के अर्थदंड व अभियुक्त बद्रीलाल व सुरेश को 20-20 वर्ष के कठोर कारावास व प्रत्येक को कुल 6 लाख 11 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।

नाकाबंदी के दौरान 86.9 किलो डोडा पोस्त के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

सिरोही, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस एवं डीएसटी टीम ने उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर मोरस चौकी के सामने कार में छिपाकर ले जाया जा रहा 86.9 किलो डोडा पोस्त जब्त किया है। इसके साथ ही एस्कॉर्टिंग कर रही एक अन्य कार के साथ 2 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए डोडा पोस्त की कीमत 13 लाख रुपए बताई गई है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पिंडवाड़ा थानाधिकारी भवानीसिंह राजावत एवं उपनिरीक्षक राजेन्द्रसिंह की अगुवाई में पुलिस एवं डीएसटी टीम द्वारा उदयपुर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर मोरस चौकी के सामने नाकाबंदी की गई थी। उस दौरान उदयपुर की ओर से आ रही एक कार को एस्कॉर्टिंग का संदेह होने पर पीछे से आ रही कार की तलाशी ली गई, जिसमें छिपाकर ले जाया जा रहा 86.9 किलो डोडा पोस्त बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद डोडा पोस्त जब्त कर छोगाराम पुत्र कानाराम रेबारी एवं कालूराम पुत्र बालूराम रेबारी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। जब्त किए गए डोडा पोस्त की कीमत 13 लाख रुपए बताई गई है। अब पुलिस आरोपियों से पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह डोडा पोस्त कहां से लाया गया था और कहां ले जाया जा रहा था।

देशी पिस्टल के साथ आरोपी गिरफ्तार, पुलिस अवैध हथियारों के नेटवर्क का पर्दाफाश करने में जुटी

जयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़. जयपुर रेंज आईजी अजयपाल लाम्बा और डीआईजी सह पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के आदेश पर अवैध हथियारों के खिलाफ चल रहे धरपकड़ अभियान में सरूण्ड थाना पुलिस ने सफलता हासिल की है। पुलिस ने अपराध की दुनिया में कदम रखने की फिराक में घूम रहे एक युवक को अवैध हथियार सहित रंगे हाथों पकड़ा लिया। सरूण्ड थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अवैध देशी पिस्टल के साथ आरोपी को धर दबोचा। इस गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस अब अवैध हथियारों के नेटवर्क का पर्दाफाश करने में जुट गई है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा व वृताधिकारी राजेन्द्र कुमार बुरडक के निर्देशन में थानाधिकारी सरूण्ड बाबूलाल मीणा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम को मुखबिर से गुप्त सूचना मिली कि एक संदिग्ध युवक पुरुषोत्तमपुरा जाने वाले रास्ते पर पुराने तिबारे के पास हथियार के साथ घूम रहा है।

पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। आरोपी को भनक लगते ही वह भागने लगा, हालांकि पुलिस की घेराबंदी इतनी मजबूत थी कि चंद सेकंड में ही उसे धर दबोचा। जब तलाशी ली गई तो आरोपी राहुल उर्फ पपला पुत्र लखीराम योगी (18) निवासी महणपुर थाना बानसूर की कमर में छिपी एक देशी पिस्टल बरामद हुई।

पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि हथियार कहां से आया। पूछताछ में आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और न ही लाइसेंस या परमिट दिखा पाया। पुलिस ने तुरंत आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी की गिरफ्तारी में कांस्टेबल जगत सिंह की विशेष भूमिका रही। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ में अब यह पता लगाया जा रहा है कि यह अवैध हथियार कहां से आया और किन लोगों के संपर्क में था।

आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर हमले में 11 घायल

मामले में शामिल एक दर्जन से ज्यादा बदमाशों को दबोचा

सीकर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के अजीतगढ़ क्षेत्र के गढ़टकनेत की डाला वाली ढाणी में कुख्यात बदमाश को पकड़ने गई पुलिस पर वहां मौजूद आरोपी और अन्य लोगों ने हमला कर दिया। हमले में अजीतगढ़ थाने के एसएचओ मुकेश सेपट और खंडेला थाने के एसएचओ इंद्रजीत यादव सहित 11 पुलिसकर्मी घायल हो गए। बदमाशों ने पुलिस की तीन गाड़ियों को भी तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार पुलिस जब बदमाश महिपाल को पकड़ने डाला वाली ढाणी पहुंची तो वहां आरोपी के परिचित के यहां शादी समारोह चल रहा था, इसी दौरान समारोह में मौजूद आरोपी और अन्य लोगों ने पुलिस को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की, इसके बाद मौके पर पहुंची खंडेला पुलिस के साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को बदमाशों के चंगुल से छुड़वाया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद से पुलिस ने पूरे इलाके में दबिश देना शुरू कर दिया। रातभर चली कार्रवाई के बाद पुलिस बदमाशों को काबू करने में सफल रही। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी भुवन भूषण यादव भी रातभर मोर्चा संभाले रहे और पुलिस की कार्रवाई की निगरानी करते रहे।

पुलिस ने इलाके में सख्त रुख अपनाया और एक दर्जन से अधिक बदमाशों को हिरासत में लिया है। घटना के बाद से गढ़टकनेत की डाला वाली ढाणी पुलिस छावनी में तब्दील हो गई है और पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए जुटी हुई है और अब मुख्य आरोपी महिपाल और उसके साथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

बिजली विभाग में लाइनमैन और कारीगरों की भूमिका महत्वपूर्ण : सुल्तानिया

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया ने कहा कि बिजली विभाग में लाइनमैन और कारीगरों का काम महत्वपूर्ण है। सभी उपभोक्ता समूहों को लगातार बिजली आपूर्ति की गारंटी देने के लिए सरकार या उच्च प्रबंधन द्वारा लागू किए गए उपायों के बावजूद, संगठन की सफलता और प्रतिष्ठा जमीनी स्तर पर काम करने वाले कर्मियों के कार्यों और आचरण पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में बढ़ती मांग के जवाब में, पिछले तीन महीनों में विभिन्न उपायों को लागू किया गया है, जिसमें ग्रेटर हैदराबाद में विश्वसनीय आपूर्ति बनाए रखने के लिए नए बिजली ट्रांसफार्मर, वितरण ट्रांसफार्मर और अतिरिक्त फीडर की स्थापना शामिल है। गर्मियों की तैयारियों को संबोधित करने के लिए उपमुख्यमंत्री, मुख्य प्रबंध निदेशकों के साथ-साथ मुख्य अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं के साथ कई बैठकें हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रयास को जारी रखते हुए, सभी सर्किलों में फील्ड-स्तरीय कर्मचारियों के साथ विशेष बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया गया, ताकि लाइनमैन और कारीगर तैयार किए जा सकें, जो फील्ड स्तर पर बिजली विभाग का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके हिस्से के रूप में, बंजारा हिल्स सर्कल क्षेत्राधिकार के भीतर सभी कर्मचारियों के साथ जीटीएस कॉलोनी में जेनको सभागार में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में, श्रमिकों से सुझाव और सलाह ली गई। इस अवसर पर, सुल्तानिया ने उल्लेख किया कि इस यासंगी सीजन के दौरान, बिजली की मांग 1%,162 मेगावाट तक पहुंच गई है। उन्होंने बढ़ी हुई मांग के बावजूद बिना किसी समस्या के आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों को श्रेय दिया। यासंगी सीजन की मांग अब कम होने के साथ, ग्रामीण सर्किलों में बिजली की मांग कम हो रही है, जबकि शहरी सर्किलों में, गर्मी के प्रभाव के कारण यह धीरे-धीरे बढ़ रही है।

मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि पिछले साल की तुलना में इस साल गर्मियों में अधिकतम तापमान में और भी अधिक वृद्धि हो सकती है। इस प्रकार, अप्रैल और मई के दौरान ग्रेटर हैदराबाद में बिजली की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। पिछले साल ग्रेटर हैदराबाद में अधिकतम मांग 4,352 मेगावाट दर्ज की गई थी, लेकिन इस साल यह 5,000 मेगावाट से अधिक हो सकती है। सरकार इस मांग को पूरा करने के लिए तैयार है, और क्षेत्र स्तर के कर्मचारियों को सतर्क रहने और हर उपभोक्ता के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की सलाह दी गई है। तेलंगाना लिमिटेड के दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुशर्रफ फारुकी ने गर्मियों की तैयारियों पर बोलते हुए कहा कि पिछले अनुभवों को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि आने वाले दिनों में ग्रेटर हैदराबाद के सभी सर्किलों में समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। तेलंगाना ट्रांसको के सीएमडी कृष्ण भास्कर, टीजीएसपीडीसीएल के निदेशक डॉ. नरसिम्हुलु, साईं बाबा, नंद कुमार, सुधा माधुरी, मुख्य अभियंता चक्रपाणि, अधीक्षण अभियंता, मंडल अभियंता और बंजारा हिल्स सर्कल के सभी कर्मचारियों ने बैठक में भाग लिया।

सरकार ने शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ाई

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी भूमि नियमितीकरण योजना (एलआरएस) को जनता से मिली खराब प्रतिक्रिया के बाद, राज्य सरकार ने एलआरएस शुल्क और शुल्क के भुगतान की तिथि को 25 प्रतिशत की छूट के साथ 30 अप्रैल तक बढ़ाने का फैसला किया है। इस संबंध में बुधवार को आदेश जारी किए गए। इस साल फरवरी में कांग्रेस सरकार ने राज्य भर में अस्वीकृत और अवैध लेआउट में भूखंडों को नियमित करने की घोषणा की थी। तदनुसार, एलआरएस 2020 के तहत आवेदनों को मंजूरी देने के आदेश जारी किए गए, जहां लगभग 16 लाख आवेदन अनुमोदन के लिए लंबित हैं। एलआरएस 2020 के अनुसार नियमितीकरण शुल्क और अन्य शुल्क लगाने के अलावा, सरकार ने इस पर 25 प्रतिशत की छूट की भी पेशकश की।

एलआरएस के माध्यम से अपने खजाने को भरने की राज्य सरकार की योजनाएँ वांछित परिणाम देने में विफल रहीं, क्योंकि 31 मार्च की अंतिम तिथि से पहले इस प्रस्ताव का लाभ उठाने के लिए बहुत से लोग आगे नहीं आए। एलआरएस योजना 31 अगस्त से 31 अक्टूबर, 2020 के बीच दायर किए गए लगभग 25 लाख आवेदनों के लिए लागू की गई थी। तदनुसार, सरकार को उम्मीद थी कि एलआरएस आवेदन प्रसंस्करण से लगभग 10,000 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न हो सकता है।

विधायक व जिला अतिरिक्त कलेक्टर ने चावल वितरण का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चावल वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ सेरीलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र के चंदा नगर स्थित जीएचएमसी समारोह हॉल में सेरिलिंगमपल्ली विधायक अरीके पुडी गांधी व जिला अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने किया। बाद में लाभार्थियों को चावल वितरित किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र को सन्ना चावल योजना से लाभ मिलेगा और सरकार ने सन्ना चावल वितरण कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सफेद राशन कार्ड वाले सभी लाभार्थी सन्ना चावल से साथ संतोषजनक भोजन का आनंद ले सकें। बताया गया कि इस चावल योजना के तहत प्रत्येक परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को 6 किलो चावल उपलब्ध कराया जाता है। अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी रूप से शुरू किए गए उत्तम चावल के वितरण में किसी भी प्रकार की कमी न हो, इसके लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। यह सुझाव दिया गया कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक योजनाबद्ध दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए कि जिले में सभी राशन दुकानों में चावल का छोटा स्टॉक उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी दुकान में चावल की कमी की शिकायत नहीं आनी चाहिए। इस कार्यक्रम में एमबीसी उपस्थित रहेंगे। चेयरमैन जयपाल यादव, जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी जी. श्रीनिवास, नागरिक आपूर्ति प्रबंधक गोपीकृष्ण, स्थानीय पार्षद, संबंधित अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

मंत्री नामपल्ली अदालत में उपस्थित हुए

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री (आईटी और उद्योग) दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू बुधवार को कालेश्वरम परियोजना में जमीन और घर खोने वाले परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग करने पर पूर्व बीआरएस सरकार द्वारा दर्ज मामले की सुनवाई के लिए नामपल्ली अदालत में उपस्थित हुए। 201% में, पेद्दपल्ली जिले के बसंतनगर पुलिस ने श्रीधर बाबू के साथ-साथ हरकारा वेणुगोपाल, अन्नय्या गौड, शशि भूषण काचे और नौ अन्य लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए थे।

न्यायिक कार्यवाही के हिस्से के रूप में, मंत्री ने न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित करने के बावजूद, पिछली सरकार ने आईपीसी धारा 14% (दंगा), 353 (लोक सेवक पर हमला), 42% (नुकसान पहुंचाना) और धारा 149 (गैरकानूनी सभा) के तहत आरोप दर्ज किए थे।

नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से धोखाधड़ी करने के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट पुलिस ने बुधवार को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सरकारी नौकरी और हाउसकीपिंग की नौकरी का वादा करके नौकरी के इच्छुक लोगों को धोखा देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि कुकटपल्ली स्थित लकी सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक के. मल्लेश और फर्म के पर्यवेक्षक वी. अलीमेलु ने मीरपेट के लेनिन नगर सहित विभिन्न स्थानों पर बैठकें आयोजित की थीं और उपयुक्त नौकरियों का वादा किया था।

कांस्टेबल ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

खम्मम, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नेलाकोंडापल्ली पुलिस स्टेशन में कार्यरत एक पुलिस कांस्टेबल की खम्मम के श्रीनिवास नगर इलाके में तेज गति से आ रही ट्रेन के आगे कूदकर कथित तौर पर मौत हो गई। जिले के वायरा मंडल के रेब्बावरम निवासी बंदी कृष्णा (39) मंगलवार शाम को घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे।

सामंथा ने वनों की कटाई के विरोध का किया समर्थन

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांचा गच्चीबावली में वनों की कटाई से क्षेत्र के तापमान पर पड़ने वाले प्रभाव पर एक रिपोर्ट साझा करते हुए, टॉलीवुड अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने जैव विविधता से भरपूर भूमि को साफ करने के खिलाफ समर्थन जताया। इंस्टाग्राम पर सामंथा ने एक ऑनलाइन याचिका पोस्ट की जिसमें भूमि नीलामी के फैसले को वापस लेने का अनुरोध किया गया है। वन भूमि के निकट रहने वाली कीर्ति सी द्वारा दायर याचिका के अनुसार, भूमि की नीलामी से प्रत्यक्ष रूप से समृद्ध जैव विविधता को खतरा होगा, तथा अप्रत्यक्ष रूप से लोगों का जीवन भी खतरे में पड़ेगा। उसमें लिखा है कि अपनी पारिस्थितिकी-विविधता के लिए प्रसिद्ध कांचा गच्चीबावली, सिर्फ़ एक जंगल नहीं है, बल्कि एक हरा फेफड़ा है, एक प्राकृतिक सिंक जो समग्र वायु गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान देता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करता है। कार्बन डाइऑक्साइड की विशाल मात्रा को अवशोषित करके, वन ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ़ हमारी लड़ाई में महत्वपूर्ण हैं। याचिका, जिस पर पहले से ही 97,740 हस्ताक्षर हैं, ने संबंधित अधिकारियों से टीजीआईआईसी द्वारा कांचा गचीबोवली वन भूमि की प्रस्तावित नीलामी को वापस लेने का पुरजोर अनुरोध किया। याचिका में कहा गया है कि हमारे पर्यावरण की सुरक्षा न केवल एक नैतिक प्रतिबद्धता है, बल्कि अस्तित्व के लिए भी जरूरी है। याचिका में और लोगों से इस याचिका में शामिल होने का अनुरोध किया गया है। राज्य सरकार ने हाल ही में कांचा गाचीबोवली में 400 एकड़ भूमि की नीलामी करने का निर्णय लिया और नीलामी-पूर्व प्रक्रिया के तहत भूमि को समतल करने के अलावा पेड़ों को साफ करने का काम भी शुरू कर दिया।

टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने कर्मचारियों के बच्चों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने अपने कर्मचारियों के बच्चों को सम्मानित किया है। इन बच्चों ने टीजीपीएससी ग्रुप-1 पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ रैंक हासिल की है। हाल ही में घोषित ग्रुप-1 के नतीजों में नारायणपेट डेपोना के कंडक्टर एरुकली श्रीनिवास की बेटी वीणा को 118वीं रैंक, टीआई-2 के पद पर कार्यरत वाहिद की बेटी फहीमिना फैज को 126वीं रैंक, वानापर्थी डिपो में कार्यरत टीआई-2 एस. बाल रेड्डी, कंडक्टर बी. पुष्पलताला के बेटे राघवेंद्र रेड्डी को 143वीं रैंक हासिल हुई है। बुधवार को हैदराबाद बस भवन में ग्रुप-1 में चमकने वाली वीना, फहीमिना फैज़, राघवेंद्र रेड्डी और उनके परिवार के सदस्यों को टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार, द्वारा सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने अद्वितीय प्रतिभा दिखाकर ग्रुप-1 की नौकरी पाने वालों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि आरटीसी कर्मचारियों के बच्चों ने ग्रुप-1 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसे राज्य स्तरीय सिविल सेवा का पैमाना माना जाता है। उन्हें सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में अपने माता-पिता की सेवा का पालन करने और प्रतिबद्धता, समर्पण और अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में सीपीएम उषा देवी, डिप्टी सीपीएम सिरिशा, नारायणपेट डीएम लावण्या और अन्य ने भाग लिया।

तीन बच्चों की हत्या मामले में मां ही दोषी

संगारेड्डी, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने पिछले शुक्रवार को अमीनपुर कॉलोनी में जहर से हुई तीन बच्चों की मौत के रहस्य को सुलझा लिया है। सूत्रों के अनुसार, उनकी मां ही दोषी पाई गई। अब तक की जांच से पता चला है कि अवुरिन्जिन्थला राजिता (40) का एक व्यक्ति के साथ विवाहेतर संबंध था और उसने गुरुवार रात दही चावल में जहर मिलाकर अपने तीन बच्चों, साई कृष्णा (12), मधु प्रिया (10), गौतम (8) और पति चेन्नई को मारने का फैसला किया। हालांकि, चेन्नईया ने दही चावल खाने से परहेज किया और बच गया। शुरुआत में पुलिस को चेन्नईया पर शक हुआ क्योंकि उसने जहरीला खाना खाने से परहेज किया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि एक निजी स्कूल में शिक्षिका के तौर पर काम करने वाली रजिता की हाल ही में एक व्यक्ति से दोस्ती हुई थी।

महिला ने केपीएचबी में की आत्महत्या, पति पर प्रताड़ना का आरोप

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अपने पति और ससुराल वालों के कथित उत्पीड़न से परेशान एक महिला ने मंगलवार को केपीएचबी स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, ए सौजन्या (29) की शादी एस रजनीकांत रेड्डी से हुई थी और उनका तीन साल का एक बेटा भी है।

परिवार केपीएचबी फेज-3 में रहता है। पिछले दो सालों से रजनीकांत सौजन्या को परेशान कर रहे हैं और उनकी निष्ठा पर संदेह कर रहे हैं। इसके बाद एक साल पहले सौजन्या ने अपनी नौकरी भी छोड़ दी और घर पर ही रहने लगी लेकिन पिछले कुछ दिनों से सौजन्या के पति और ससुराल वाले उसे छोटी-छोटी बातों पर परेशान कर रहे थे।

राज्यपाल को श्री सीताराम कल्याणम में आमंत्रित किया गया

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सीताराम कल्याणम का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जा रहा है। आयोजकों ने इस महोत्सव में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को आमंत्रित किया है। भाग्यनगर श्री रामनवमी उत्सव समिति ने बुधवार को राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की और निमंत्रण दिया। आयोजकों ने राज्यपाल को बताया कि भगवान राम का विवाह सीताराम बाग स्थित सीताराम मंदिर में हर साल भव्य रूप से आयोजित किया जाता है, जिसका इतिहास लगभग 300 साल पुराना है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि उन्हें आमंत्रित किये जाने पर खुशी है। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की। इसके बाद सभी सदस्यों का नाम लेकर परिचय कराया गया और उन्हें बधाई दी गई। राज्यपाल से मुलाकात करने वालों में भाग्यनगर श्री रामनवमी उत्सव के अध्यक्ष डॉ. भगवंत राव, महासचिव गोविंद राठी, उपाध्यक्ष मेट्टू वैकुंटम, कोषाध्यक्ष श्रीराम व्यास, सदस्य राम राजू और विश्व हिंदू परिषद तेलंगाना राज्य अभियान के अध्यक्ष पागुडाकुला बालास्वामी शामिल थे।

सरदार सरवई पपन्ना गौड़ा बहुजन योद्धा थे : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश डोत्रे ने कहा कि सरदार सरवई पपन्ना गौड़ एक बहुजन राज्य योद्धा थे। बुधवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (राजस्व) डेविड अधिकारियों, गौड़ा संगम के नेताओं और पिछड़ा वर्ग व जाति संगठनों के नेताओं के साथ जिला केन्द्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन कांफ्रेंस हॉल में आयोजित पुण्यतिथि समारोह में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित किया, पापन्ना गौड़ के चित्र पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि वह एक योद्धा थे जिन्होंने राज्य की संप्रभुता के लिए लड़ाई लड़ी और एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने जमींदारों के अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि सरदार सर्वाई पापन्ना गौड़ समाज के कमजोर वर्गों के लिए आत्मसम्मान के प्रतीक हैं और हम सभी को ऐसे महापुरुषों के इतिहास को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रभारी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सजीवन, जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति गौड़, गौड़ा संगम नेता बालेश गौड़, सुदर्शन गौड़, महिला संघ अध्यक्ष अन्नपूर्णा, पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधि, गौड़ा संगम नेता व अन्य लोग शामिल हुए।

बीडीएल ने दर्ज किया रिकार्ड टर्नओवर

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान लगभग 3300 करोड़ रुपये (अनंतिम और अलेखापरीक्षित) बिक्री मूल्य का कारोबार दर्ज करते हुए पिछले वित्तीय वर्ष के 2369 करोड़ के कारोबार के मुकाबले लगभग 40% की रिकार्ड वृद्धि की है।

इसमें वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान की गई लगभग 1200 करोड़ रुपये (अनंतिम और अलेखापरीक्षित) की अब तक की सर्वाधिक निर्यात बिक्री भी शामिल है जो पिछले वित्तीय वर्ष 161 करोड़ रुपये की थी और इसमें भी लगभग 640 प्रतिशत की निर्यात बिक्री की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज हुई है।

शास्त्रीय गायिका मालविका आनंद न्यू जर्सी में 'उगादि वेदुकालु' में देंगी प्रस्तुति

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की शास्त्रीय एवं भक्ति गायिका तथा आकाशवाणी की श्रेणीबद्ध कलाकार मालविका आनंद को तेलुगु फाइन आर्ट्स सोसायटी, न्यूजर्सी, अमेरिका द्वारा 12 अप्रैल को न्यूजर्सी में आयोजित होने वाले 'उगादि वेदुकालु' में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया है। आठ अलग-अलग भाषाओं में गाने वाली मालविका ने भारत और विदेशों में 650 से ज़्यादा संगीत कार्यक्रम किए हैं। उन्होंने प्रसिद्ध मैसूर पैलेस में भी प्रदर्शन किया है। दशहरा महोत्सव और तिरुपति में आयोजित विश्व तेलुगु सम्मेलन में भी मालविका ने प्रस्तुति दी। हैदराबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी भी मालविका की प्रस्तुतियों में शामिल थी। यह दूसरी बार है जब मालविका को अमेरिका आमंत्रित किया गया है, इससे पहले उन्हें एपीटीए तेलुगु एसोसिएशन द्वारा अटलांटा में प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया था। वह तिरुमाला में प्रतिष्ठित नाद नीराजनम स्टेज पर भी प्रदर्शन कर चुकी हैं।

अमीरपेट स्थित श्री बालाजी राजस्थानी भवन में ठा.स्व.श्री अचलसिंहजी राजपुरोहित की श्रद्धांजलि सभा में पुष्प अर्पित करते हुए बीआरएस पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, पूर्व पार्षद शेषुकुमारी, पाबुसिंह, गुलाबसिंह, किरनसिंह, मुकेशसिंह, नवीनसिंह, हेमन्तसिंह, भगवतसिंह, जब्बरसिंह, जोरसिंह, विजयसिंह जाणुंदा, परबतसिंह, सुमितसिंह, हरिसिंह, जनकसिंह, साहिल राजपुरोहित व समाज बन्धु। (फोटो: परबत सोलंकी)

मीठे पेय पदार्थों और नमकीन खाद्य पदार्थों पर अतिरिक्त स्वास्थ्य कर लगाने की वकालत

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) के नेतृत्व में भारत के शीर्ष अनुसंधान संस्थानों के एक संघ ने किशोरों में मोटापे और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) से निपटने के उपाय के रूप में उच्च वसा, चीनी और नमक (एचएफएसएस) खाद्य पदार्थों और चीनी से मीठे पेय पदार्थों (एसएसबी) पर स्वास्थ्य कर लगाने और टेलीविजन और इंटरनेट जैसे सभी प्रारूपों में बच्चों के लिए ऐसे खाद्य उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है।

गरीबों को बढ़िया चावल बांटना फायदेमंद है : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद , 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकार चावल के माध्यम से गरीबों को काफी लाभ पहुंचा रही है। बुधवार को जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) डेविड ने आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र के विधायक कोवा लक्ष्मी और अन्य अधिकारियों के साथ रेबेना मंडल केंद्र में एक सस्ते मूल्य की दुकान पर राशन कार्ड लाभार्थियों को बढ़िया चावल वितरित किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकार राज्य में पात्र राशन कार्ड धारकों को बढ़िया चावल वितरित करेगी और जन कल्याण के तहत गरीबों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में 314 नागरिक आपूर्ति दुकानों के माध्यम से प्रत्येक राशन कार्ड धारक को निःशुल्क चावल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज और कल जिले की सभी सस्ती दरों की दुकानों के माध्यम से चावल उपलब्ध कराने के लिए सभी प्रबंध किए जा रहे हैं तथा ग्राम पंचायतों के विशेष अधिकारियों और पंचायत सचिवों की देखरेख में वितरण की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने कहा कि राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी, नाम काटे व जोड़े जा सकेंगे तथा चावल वितरण के दौरान लाभार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चावल वितरण प्रक्रिया में यदि किसी प्रकार की अनियमितता बरती गई तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी तथा चावल वितरण करने वाले नागरिक आपूर्ति स्टोरों पर कार्डधारकों के लिए छाया व पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र की बैठक में बोलते हुए विधायकों ने कहा कि सरकार जरूरतमंद गरीबों का पेट भरने के लिए एक महत्वाकांक्षी चावल वितरण कार्यक्रम शुरू करेगी और उत्सव के माहौल में सभी पात्र लोगों को यह चावल उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि सरकार पात्र राशन कार्ड धारकों को परिवार के प्रत्येक सदस्य को 6 किलो मुफ्त चावल उपलब्ध कराएगी और प्रत्येक कार्ड धारक को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि चावल का वितरण उचित ढंग से हो और कार्डधारकों को चावल उपलब्ध कराया जाए तथा नए राशन कार्ड जारी किए जाएं और उन्हें भी चावल उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाएं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अधिकारी बिक्षापति, तहसीलदार राम मोहन राव, प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के अध्यक्ष रंगू महेश, संबंधित अधिकारी, नेता और अन्य लोग शामिल हुए।

ऑनलाइन सट्टेबाजी के आदी व्यक्ति ने की आत्महत्या

निजामाबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद का एक व्यक्ति ऑनलाइन सट्टेबाजी के दबाव में आ गया। निजामाबाद ग्रामीण मंडल के अकुला कोंडुरु गांव में मंगलवार को एक सट्टेबाजी ऐप पर 3 लाख रुपये हारने के बाद 25 वर्षीय आकाश ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली। आकाश पिछले चार महीनों से सट्टे की लत से जूझ रहा था। उसकी दुखी पत्नी और पांच महीने का बेटा भी उसकी लत का शिकार हो गए थे।

केबीआर माई गणेश पूजा की आरती करते हुए सुरेंद्र अग्रवाल (गोयल) गोपाल बलदेवा राजेंद्र अग्रवाल, विट्ठल दास, भोज रेड्डी बाबूलाल केडिया, शीतल केडिया, संध्या राधेश्याम, प्रमोद सरायवाला, अशोक लाकोटिया, शशैया, प्रवीण अग्रवाल, मोहन मित्तल, राहुल सिंगल।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जसप्रीत बुमराह अभी नहीं खेल पाएंगे आईपीएल

वापसी की तारीख बढ़ी, 10 अप्रैल तक लौट सकता है खिलाड़ी

मुंबई, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह का IPL 2025 में अभी खेल पाना मुश्किल लग रहा है. उन्हें लेकर नई अपडेट आई है, जिसके मुताबिक अभी उनकी वापसी पर सस्पेंस है. वहीं एक और गेंदबाज आकाशदीप को लेकर खबर है कि वो 10 अप्रैल तक क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर सकते हैं. बुमराह को लेकर पहले खबर थी कि वो 1 अप्रैल से मुंबई इंडियंस को जॉइन कर लेंगे. मगर अब अपडेट है कि उनके कमबैक की तारीख अभी निर्धारित नहीं है. उनकी वापसी में मिड-अप्रैल तक का वक्त लग सकता है.

ऐहतियात बरतते हुए बुमराह को और आराम

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह पूरी तरह से फिट हैं. लेकिन बीसीसीआई की मेडिकल टीम को लगता है कि तुरंत से उनके वर्कलोड को बढ़ाना फिर से खतरे को दावत देने जैसा हो सकता है. लिहाजा उन्होंने बुमराह को अभी और आराम देने का फैसला किया है. इस फैसले के पीछे इंग्लैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज भी है, जो कि आईपीएल 2025 के ठीक बाद होनी है.

बुमराह की वापसी की तारीख निर्धारित नहीं

बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में लिखा गया कि बुमराह की इंजरी थोड़ी सीरियस है. ऐसे में उन्हें फिर से स्ट्रेस फ्रैक्चर ना हो, उसका ख्याल रखा जा रहा है. बुमराह खुद भी उसे लेकर काफी सावधान हैं.

उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में गेंदबाजी शुरू कर दी है. मगर उन्हें अभी पूरे लय में लौटने में वक्त लग सकता है. फिलहाल कोई तारीख उनकी वापसी की निर्धारित नहीं है. लेकिन, संभव है कि मिड अप्रैल तक वो लौटें. सूत्रों ने आकाशदीप को लेकर कहा कि वो 10 अप्रैल तक वापसी कर सकते हैं.

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद नहीं खेले बुमराह और आकाशदीप

जसप्रीत बुमराह अपनी लोअर बैक इंजरी से उबर रहे हैं, जो उन्हें ऑस्ट्रेलिया में सिडनी टेस्ट के बीच में हुई थी. वहीं आकाशदीप को भी बैक इंजरी की शिकायत है. दोनों ही खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के उस दौरे के बाद किसी भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में खेलते नहीं दिखे हैं. इंजरी के चलते ही बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम इंडिया से बाहर रहे थे.

'नोटबुक' ने कराया एलएसजी के इस खिलाड़ी का नुकसान

पंजाब किंग्स से मैच के बाद जेब से कटे रुपये

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। नोटबुक... पास में रखना और उसमें चीजें नोट डाउन करते रहना अच्छी बात होती है. लेकिन, हम जिस नोटबुक की बात कर रहे हैं, उसने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाड़ी का नुकसान करा दिया है. दरअसल, ये नोटबुक एक सेलिब्रेशन है, जो क्रिकेट के मैदान पर अक्सर कई खिलाड़ी करते दिख जाते हैं. एलएसजी के दिग्वेश राठी ने भी 1 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले मैच में वही सेलिब्रेशन किया था. मगर मैच के बाद पता चला कि वो मजा उनके लिए सजा बन गई है. वैसा कर उन्होंने आईपीएल का नियम तोड़ा है और जिसके चलते उन पर फाइन लगाया गया है.

मैच फीस में कटौती के साथ मिली ये सजा

दिग्वेश राठी पर उनकी मैच की फीस का 25 फीसद जुर्माना लगा है. मतलब इतने पैसे उनकी जेब से काटे जाएंगे. इस जुर्माने के अलावा एलएसजी के खिलाड़ी के खाते में 1 डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है. मैच रेफरी ने दिग्वेश राठी को लेवल 1 का दोषी पाया है. किसी खिलाड़ी को अगर लेवल 1 का दोषी पाया जाता है तो उस केस में मैच रेफरी का फैसला ही मान्य और अंतिम होता है.

दिग्वेश राठी को भारी पड़ा 'नोटबुक सेलिब्रेशन'

अब सवाल है कि जिस गलती के लिए दिग्वेश राठी को जुर्माना और 1 डिमेरिट पॉइंट का नुकसान झेलना पड़ा, वो मैच के दौरान हुई कब? तो ऐसा पंजाब किंग्स की इनिंग के तीसरे ओवर में देखने को मिला, जब दिग्वेश राठी ने ओपनर प्रशांत आर्या को आउट किया. दिग्वेश राठी के उस ओवर की 5वीं गेंद पर प्रशांत आर्या का आसान सा कैच शार्दुल ठाकुर ने लपक लिया. विकेट मिलते ही दिग्वेश राठी ने नोटबुक सेलिब्रेशन करते हुए प्रशांत आर्या को डगआउट की ओर जाने का इशारा किया. और, यही गलती भारी पड़ गई.

पंजाब किंग्स को दोनों विकेट दिग्वेश ने लिए

दिग्वेश राठी ने उसके बाद मैच में एक और विकेट प्रभसिमरन सिंह का लिया, जिसने श्रेयस अय्यर के साथ उनकी 84 रन की पार्टनरशिप को तोड़ा. एलएसजी ने मैच में बस यही दो विकेट पंजाब किंग्स के गिराए और ये दोनों दिग्वेश राठी ने लिए. उन्होंने 4 ओवर में 30 रन देकर 2 विकेट लिए.

लखनऊ ने पंजाब के सामने जीत के लिए 172 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे उसने 22 गेंद पहले चेज कर लिया और मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया.

पंजाब से हारी एलएसजी, इधर संजीव गोयनका की ऋषभ पंत पर उठी उंगली

फैंस बोले- आ गई केएल राहुल की याद

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। 1 अप्रैल को खेले मुकाबले में पंजाब किंग्स से मिली हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका और उनकी टीम के कप्तान ऋषभ पंत की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. इस तस्वीर में संजीव गोयनका को पंत पर उंगली उठाए देख फैंस ने कयास लगाने शुरू कर दिए हैं. उन्हें IPL के पिछले सीजन वाले दिन याद आ रहे हैं. आईपीएल 2024 में गोयनका हार के बाद अपने कप्तान को सरेआम डांटने-फटकारने के लिए चर्चा में रहे थे. और, अब उनका कुछ वैसा ही अंदाज और मिजाज आईपीएल 2025 में भी नजर आ रहा है. कम से कम सामने आई तस्वीरों से तो यही लगता है.

पंजाब ने लखनऊ को 8 विकेट से हराया

लखनऊ सुपर जायंट्स के होम ग्राउंड पर खेले मुकाबले में पंजाब किंग्स ने 8 विकेट से जीत दर्ज की. पहले खेलते हुए एलएसजी ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 171 रन बनाए. जवाब में 172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स ने 2 विकेट खोकर उसे 17वें ओवर में ही चेज कर लिया. इस तरह एक ओर जहां पंजाब किंग्स अब तक खेले अपने दोनों मैच जीतने में कामयाब रही. वहीं लखनऊ को अब तक खेले 3 मैचों में दूसरी हार से दो-चार होना पड़ा.

संजीव गोयनका और ऋषभ पंत की तस्वीर वायरल

सोशल मीडिया पर पंत के साथ वायरल हो रही ताजा तस्वीर से यही जान पड़ता है कि एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका अपनी टीम के उसी खराब परफॉर्मेन्स से आहत हैं. वैसे संजीव गोयनका के उंगली उठाने की एक बड़ी वजह ऋषभ पंत की फ्लॉप बल्लेबाजी भी हो सकती है.

पंत को एलएसजी ने 27 करोड़ की आईपीएल इतिहास की सबसे महंगी बोली लगाकर खरीदा था. लेकिन, वो अब तक खेले तीनों मैचों में नाकाम रहे हैं. उन्होंने उन 3 मैचों में उतने रन भी नहीं बनाए, जितनी गेंदें खेली है. ऋषभ पंत के बल्ले से 3 मैचों में निकले सिर्फ 17 रन कहीं से भी उन्हें मिल रहे 27 करोड़ की रकम को जस्टिफाई करते नहीं दिखते.

फैस बोले- आ गई केएल राहुल की याद!

बहरहाल, ऋषभ पंत और संजीव गोयनका की वायरल हो रही इस तस्वीर ने फैंस को केएल राहुल की तो याद दिला ही दी है. क्योंकि, आईपीएल के पिछले सीजन में राहुल भी उसी जगह पर खड़े थे. जहां आईपीएल 2025 में ऋषभ पंत हैं.

आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स का अगला मैच राजस्थान रॉयल्स से है, जिसे जीतने की वो पूरी कोशिश करना चाहेंगे. लेकिन, साथ ही पंत पर भी अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव रहेगा.

आईपीएल में सुनील गावस्कर को क्यों याद आया अपना विवादित बयान

ऋषभ पंत की टीम को लेकर कही बड़ी बात

मुंबई,, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर को बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए जाना जाता है। वह सख्त शब्दों में खिलाड़ियों को हिदायत देते हैं और कई बार अपनी नाराजगी भी इस तरह बयान करते हैं कि विवाद खड़ा हो जाता है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के समय ऋषभ पंत के लिए ऐसा ही बयान दिया था जो कि काफी वायरल हुआ। उन्होंवे पंत के शॉट के लिए स्टुपिड, स्टुपिड, स्टुपिड शब्दों का प्रयोग किया। आईपीएल में एक बार फिर उन्हें अपने इन शब्दों का इस्तेमाल किया और इस बार पंत की टीम के मैच के दौरान यह हुआ।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए सीजन की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम ने दो मैच खेले हैं लेकिन उन्हें एक में ही जीत हासिल हुई है। हालांकि तीनों मैचों में टीम की बल्लेबाजी काफी अग्रेसिव है। ऐसा कहा जा रहा है कि इसकी वजह टीम की कमजोर गेंदबाजी है।

लखनऊ और पंजाब के मैच के दौरान सुनील गावस्कर से भी यही सवाल किया गया। गावस्कर ने कहा, 'काश आपने मुझसे ये सवाल कुछ समय पहले पूछा होता क्योंकि मैंने ऋषभ पंत के साथ थोड़ा समय बिताया है, और मैं उनसे ज़रूर पूछता कि क्या यही वजह है कि आप लोग इस तरह से खेल रहे हैं। शायद उन्होंने जवाब दिया होता, बेवकूफ़, बेवकूफ़, बेवकूफ़ सवाल।"

गावस्कर यह कहकर यह कहकर हंसने लगे। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि जब आप निकोलस पूरन और मिचेल मार्श को देखते हैं, तो वह स्वाभाविक रूप से आक्रामक खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वे इसी तरह खेलते हैं और यह देखना बहुत रोमांचक है। और फिर ऋषभ पंत भी निचले क्रम में आते हैं।

न्यूजीलैंड ने दूसरा वनडे 84 रन से जीता

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज जीती

मिचेल हे ने नाबाद 99 रन बनाए

हैमिल्टन, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में पाकिस्तान को 84 रन से हरा दिया। इसी के साथ कीवी टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज भी जीत ली। टीम सीरीज में 2-0 से आगे है।

हैमिल्टन में बुधवार को खेले गए मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 292 रन बनाए। 293 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाक टीम 41.2 ओवर में 208 रन पर ऑलआउट हो गई।

न्यूजीलैंड के मिचेल हे ने नाबाद 99 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 5 अप्रैल को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा।

मिचेल हे ने 4 कैच भी पकड़े

न्यूजीलैंड के लिए 7वें नंबर पर बैटिंग करने उतरे मिचेल हे ने 78 बॉल पर नाबाद 99 रन बनाए। उनके अलावा मुहम्मद अब्बास ने 41, निक केली ने 31 और हेनरी निकोल्स ने 22 रन बनाए। मिचेल ने 4 कैच भी पकड़े। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद वसीम और सुफियान मुकीम ने 2-2 विकेट लिए। फहीम अशरफ, अकिफ जावेद और हारिस रऊफ को 1-1 विकेट मिला।

सियर्स ने 5 विकेट झटके

293 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम के लिए फहीम अशरफ और नसीम शाह ने अर्धशतक लगाए। फहीम ने 80 बॉल पर 73 और नसीम ने 44 बॉल पर 51 रन की पारी खेली। लेकिन, दोनों खिलाड़ी अपनी टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहें। न्यूजीलैंड के लिए बेन सियर्स ने 5 और जैकब डफी ने 3 विकेट झटके। नाथन स्मिथ और विल ओरूर्क को 1-1 विकेट मिला।

न्यूजीलैंड ने पहला वनडे 73 रन से जीता था

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पहले वनडे में 73 रन से हराया था। 3 मैचों वाली वनडे सीरीज का पहला मुकाबला शनिवार को न्यूजीलैंड के नापियर में खेला गया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर फिल्डिंग चुनी। कीवी टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 344 रन बनाए थे। 345 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम 44.1 ओवर में 271 रनों पर सिमट गई।

कोरोना काल में ट्रॉफियां बेचकर की थी मदद

अब 20 साल के गोल्फर अर्जुन भाटी को मिलेगा यूथ अवॉर्ड

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। गोल्फर अर्जुन भाटी की उम्र तो महज 20 साल है, लेकिन इस उम्र में उन्होंने गोल्फ कोर्स और उसके बाहर ऐसी उपलब्धियों को अंजाम दिया कि भारत सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड देने का फैसला लिया। तीन बार के जूनियर विश्व गोल्फ चैंपियन अर्जुन 150 के करीब ट्रॉफियां जीत चुके हैं। वर्ष 2020 में जब पूरी दुनिया और देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब अर्जुन ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 4.30 लाख रुपये की राशि दान में दी थी। यह राशि उन्होंने अपनी 102 ट्रॉफियां और वह जूते, जिन्हें उन्होंने पहनकर जूनियर विश्व चैंपियनशिप जीती थी, बेचकर जुटाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके इस प्रयास को सराहते हुए सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ की थी। अर्जुन को बुधवार को राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड दिया जाएगा।

राष्ट्रीय यूथ अवॉर्ड से सम्मानित होने पर भारतीय गोल्फर अर्जुन भाटी ने कहा, मैं इस पुरस्कार के लिए बहुत आभारी हूं और यह मेरे परिवार और मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मेरे प्रयासों ने फल दिया है। मैं नौ साल का था जब मैंने अपने स्कूल में पहली बार गोल्फ खेला था। मैं पिछले 11 सालों से खेल रहा हूं और यह यात्रा बहुत अच्छी रही है। मेरे सफर में मुझे बहुत से समर्थक मिले हैं। मुझे यह खेल बहुत पसंद है।

अर्जुन बताते हैं कि वह इन दिनों ब्रिटिश ओपन की तैयारियों में जुटे हैं। बीते वर्ष भी वह इस चैंपियनशिप के क्वालिफायर में खेले थे, लेकिन एक स्ट्रोक से मुख्य टूर्नामेंट में खेलने से रह गए थे। टाइगर वुड्स और विराट कोहली को आदर्श मानने वाले अर्जुन ने नौ साल की उम्र में गोल्फ खेलना शुरू किया था। वह ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी ग्रींस गोल्फ कोर्स में रहते हैं।

अर्जुन ने कहा, टाइगर वुड्स बहुत लंबे समय से मेरी प्रेरणा रहे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से विराट कोहली को पसंद करता हूं। मुझे उनके खेल के प्रति समर्पण, फिटनेस स्तर, काया और मानसिकता बहुत पसंद है। वह देश के सभी युवाओं के लिए बहुत प्रेरणादायक हैं। वह बहुत प्यारे और सच्चे इंसान हैं और उनका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। विराट कोहली फाउंडेशन कई अलग-अलग विषयों के लगभग 40 बच्चों की मदद करता है। उन्होंने देश के लिए जो कुछ किया है, मैं उसकी प्रशंसा करता हूं। मेरा भविष्य का लक्ष्य भारत के लिए ओलंपिक स्वर्ण पदक लाना है। मैं हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

2016 में पहली बार जूनियर विश्व चैंपियन बनने वाले अर्जुन के मुताबिक यूथ अवॉर्ड उन्हें और अच्छा करने की प्रेरणा देगा। विराट कोहली फाउंडेशन 2019 से उनकी मदद कर रहा है। उनका सपना देश के लिए ओलंपिक पदक जीतना है और इसके लिए वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

बॉक्सर अमित पंघाल की अंशुल से सगाई

नवंबर में होगी शादी

रोहतक, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के मायना गांव के ओलंपिक में दो बार भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके बॉक्सर अमित पंघाल जींद की अंशुल से सगाई के बंधन में बंध गए। अमित की मां ऊषा देवी व पिता विजेंद्र ने संवाद न्यूज एजेंसी से हुई बातचीत में बेटे की शादी की खुशी साझा की। जीवन की नई पारी की शुरुआत कर रहे बॉक्सर की सगाई से परिवार में खुशी का माहौल है।

उन्होंने बताया कि बेटे अमित ने अंशुल के साथ जींद के निजी पैलेस में सगाई की है। समारोह में दोनों के परिवार व एक-दो खास दोस्त ही शामिल हुए। अमित का भाई अजय विदेश गया हुआ है। वह अक्तूबर तक लौटेगा। इसके बाद नवंबर में अमित व अंशुल की शादी होगी।

अमित पंघाल ने बताया कि अंशुल से पहले मुलाकात या जान पहचान नहीं थी। उनके पिता विजेंद्र व अंशुल के पिता दोनों दोस्त हैं। उनके पिता कुलदीप किसान हैं व मां सीमा जींद अस्पताल में नर्स हैं। बड़ा भाई विवेक यूके में पढ़ाई करता है। अंशुल ने बीकॉम की पढ़ाई की है। उन्होंने भारतीय वायु सेना की परीक्षा पास की है। अभी वह भारतीय वायु सेना की ही तैयारी कर रही हैं।

अमित की उपलब्धियां

वर्ष 2018 में एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीता। 2019 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। दो बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। 2021 एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2017 एशियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

एल-क्लासिको मुकाबले के लिए दोनों टीमों का ऐलान

पुयोल बार्सिलोना और फिगो रियल मैड्रिड की कप्तानी करेंगे; 6 अप्रैल को मुंबई में खेला जाएगा मैच

मुंबई, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बार्सिलोना और रियल मैड्रिड लीजेंड्स के बीच मुंबई में 6 अप्रैल को खेले जाने वाले मुकाबले के लिए दोनों टीमों के स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। यह पहली बार होगा जब रियल मैड्रिड और बार्सिलोना दोनों के पूर्व खिलाड़ी भारत में एल-क्लासिको मैच में खेलेंगे। कार्ल्स पुयोल बार्सिलोना लीजेंड्स की कप्तानी करेंगे, जबकि लुइस फिगो को रियल मैड्रिड लीजेंड्स का कप्तान बनाया गया है। 6 अप्रैल को 55,000 दर्शकों की क्षमता वाले डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो स्पेनिश क्लब के बीच होने वाला फैंडली मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा।

***दोनों टीमें* - रियल मैड्रिड लीजेंड्सः** लुइस फिगो (कप्तान), पेड्रो कॉन्ट्रेरास, किको कैसिला, फ्रांसिस्को पावोन, फर्नांडो सानज, अगस्टिन गार्सिया, पेड्रो मुनिटिस, रूबेन डे ला रेड, एंटोनियो 'टोनी' डेल मोरल सेगुरा, जॉर्ज जोको ओस्टिज, इवान पेरेज, जीजस एनरिक वेलास्को मुनोज, जोस लुइस कैबरेरा, जुआन जोस ओलाल्ला फर्नांडीज, डेविड बराल टोरेस, क्रिश्चियन करेम्ब्यू, फर्नांडो मोरिएंटेस, पेपे, माइकल ओवेन

बार्सिलोना लीजेंड्सः कार्ल्स पुयोल (कप्तान), जीसस एंजॉय, विटोर बाया, जोफ्रे माटेउ, फर्नांडो नवारो, रॉबर्टो ट्रैशोरस, जेवियर सविओला, फिलिप कोकू, फ्रैंक डी बोअर, जियोवानी सिल्वा, रिवाल्डो, मार्क वैलिएंटे हर्नांडेज, लुडोविक गिउली, रिकार्डो क्वारेस्मा, गैज्का मेंडिएटा, सर्जी बारजुआन, जावी, जोस एडमिलसन गोम्स डी मोरेस, पैट्रिक क्लुइवर्ट।

विश्व मुक्केबाजी कप में भारत की खराब शुरुआत

लक्ष्य चाहर पहले ही दौर में बाहर

खेल डेस्क, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पहले विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के अभियान की शुरुआत खराब रही जब लक्ष्य चाहर 80 किलोवर्ग के पहले मुकाबले में मेजबान ब्राजील के वांडरले परेरा से हार गए। मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैंपियन चाहर को प्री क्वार्टर फाइनल में पेरिस ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप 2023 के रजत पदक विजेता परेरा ने सर्वसम्मति से लिए गए फैसले में 5-0 से हराया।

चाहर के लिए यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिए। उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाए, जबकि चाहर के 135 अंक रहे। भारत के जादूमणि सिंह एम (50 किलो), निखिल दुबे (75 किलो) और जुगनू (85 किलो) दूसरे दिन चुनौती पेश करेंगे।

जादूमणि का सामना पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप के उपविजेता ब्रिटेन के एलिस ट्राउब्रिज से होगा।

निखिल की टक्कर ब्राजील के काउ बेलिनी से होगी जबकि जुगनू फ्रांस के अब्दुलाये टी से खेलेंगे। विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित यह पहला टूर्नामेंट है।

विश्व मुक्केबाजी को फरवरी में ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता मिली है। पेरिस ओलंपिक के बाद भारत के एलीट मुक्केबाज भी पहली बार प्रतियोगिता में उतरे हैं। इसमें पहली बार के विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू किए गए नए भारवर्गों में खेलेंगे।

पिछड़ा वर्ग संघों ने 42 प्रतिशत आरक्षण की मांग की

सीएम रेवंत रेड्डी, सांसद असदुद्दीन ओवैसी, कनिमोझी, सुप्रिया सुले ने भाग लिया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ राष्ट्रीय समिति के तत्वावधान में पिछड़ा वर्ग (बीसी) समूहों ने बुधवार को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया और मांग की कि केंद्र सरकार संविधान की नौवीं अनुसूची में इसे शामिल करके 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करे। पिछड़ा वर्ग समूहों ने कांग्रेस समेत सभी दलों को धरने में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्री कोंडा सुरेखा और पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी हनुमंत राव और अन्य ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इसके अलावा, एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, सांसद कनिमोझी, सुप्रिया सुले और अन्य नेता भी अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। नेताओं ने जोर देकर कहा कि तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित विधेयक, जो बीसी आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत करता है, को भी संसद में मंजूरी दी जानी चाहिए और लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना कराने का भी आह्वान किया और मौजूदा 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के भीतर बीसी महिलाओं के लिए एक उप-कोटा स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने टिप्पणी की कि स्थानीय निकायों और विधानसभाओं में आरक्षण सुरक्षित करने के लिए जनसंख्या जनगणना को समझना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि आरक्षण के इस मुद्दे से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अवगत करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अदालतों ने कहा है कि ज्ञात जनसंख्या गणना के बिना आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। परिणामस्वरूप, कांग्रेस पार्टी ने जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना कराने का निर्णय लिया है। रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि मंडल आयोग ने 52 प्रतिशत वंचित समूहों को 2% प्रतिशत आरक्षण आवंटित करने की सिफारिश की थी। हालांकि, उन्होंने भाजपा पर मंडल आयोग के खिलाफ साजिश रचने और विपक्ष में कमंडल यात्रा शुरू करने का आरोप लगाया। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछड़े वर्गों (बीसी) की चिंताओं को बढ़ाने के लिए नई दिल्ली में एक प्रदर्शन आयोजित किया गया था।मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि यदि केंद्र आरक्षण बढ़ाने का फैसला करता है, तो कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में 10 लाख समर्थकों के साथ इकट्ठा होंगे। उन्होंने संकेत दिया कि देश भर में आरक्षण में संभावित वृद्धि के बारे में अंततः प्रधानमंत्री का निर्णय है। रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री से तेलंगाना को अपने आरक्षण बढ़ाने का अवसर देने पर विचार करने का आग्रह किया।

रेवंत रेड्डी ने चेतावनी देते हुए कहा, "हम राष्ट्रीय राजधानी में केवल पिछड़ी जातियों के आरक्षण की वकालत करने के उद्देश्य से आए हैं। लेकिन, हम इस मामले को लेकर दोबारा दिल्ली नहीं आएंगे। इसके बजाय, हम सड़कों पर विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे और 10 लाख प्रतिभागियों के साथ परेड ग्राउंड में एक बड़ा प्रदर्शन करेंगे।"

कांग्रेस ने एचसीयू की विरासत को ध्वस्त किया : एमएलसी कविता

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता एमएलसी कविता ने आज कांग्रेस पार्टी की चुनिंदा बुलडोजर कार्रवाई की आलोचना की। यह अमीरों को बचाती है, गरीबों को निशाना बनाती है और एचसीयू भूमि विवाद के बीच कमजोर करती है। जबकि पार्टी बीआरएस पर माईहोम रामेश्वर राव जैसे प्रभावशाली व्यक्तियों का पक्ष लेने का झूठा आरोप लगाती है, लेकिन उनके खिलाफ जांच या कार्रवाई करने का साहस नहीं रखती है।

इसके बजाय, कांग्रेस एचसीयू को बाधित करने, गरीबों और कमजोरों को दंडित करने और शक्तिशाली लोगों को बचाने पर ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार हैदराबाद विश्वविद्यालय (एचसीयू) की भूमि को जब्त करने का बेशर्म प्रयास कर रही है, जबकि अदालत के स्पष्ट फैसले में पुष्टि की गई है कि भूमि सही मायने में विश्वविद्यालय की है। यह भूमि, जिसे मूल रूप से इंदिरा गांधी ने दिया था और बीआरएस द्वारा संरक्षित है, 25 वर्षों से एक लंबी कानूनी लड़ाई का केंद्र रही है। न्यायालय ने अब एचसीयू के पक्ष में फैसला सुनाया है, फिर भी कांग्रेस सरकार यह दावा करने के लिए परिणाम में हेराफेरी कर रही है कि यह भूमि विश्वविद्यालय की नहीं, बल्कि सरकार की है। बीआरएस नेता ने कहा कि यदि कांग्रेस प्रशासन वास्तव में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भूमि चाहता है, तो उसे हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय को पहले आवंटित 39% एकड़ भूमि का उपयोग करना चाहिए, जिससे 400 एकड़ की क्षतिपूर्ति हो सके। इसके बजाय, यह एचसीयू के 2,500 एकड़ परिसर को निशाना बना रहा है, जिससे इसकी समृद्ध जैव विविधता और शांतिपूर्ण शैक्षणिक वातावरण को खतरा है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में पहले से ही विकास के लिए पर्याप्त भूमि है, और एचसीयू की भूमि को बुलडोजर से गिराना केवल पर्यावरण संरक्षण और शैक्षणिक पवित्रता के प्रति कांग्रेस की उपेक्षा को दर्शाता है।

कविता ने कहा कि सरकार को न्यायालय के निर्णय का सम्मान करना चाहिए और एचसीयू की भूमि और पर्यावरण को संरक्षित करना चाहिए। तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करना और शैक्षणिक संस्थानों को बुलडोजर से गिराना केवल कांग्रेस की वास्तविक प्राथमिकताओं को प्रकट करता है।

भारत ने लोकोमोटिव उत्पादन में बना नया कीर्तिमान

लोकोमोटिव उत्पाद में अमेरिका और यूरोप को पीछे छोड़ा

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। देश में रेलवे लोकोमोटिव का उत्पादन बढ़कर 1681 हो गया है जो संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के कुल लोको उत्पादन से भी अधिक है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के सभी लोकोमोटिव इकाइयों की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए रेलवे बोर्ड के प्रवक्ता ने कहा कि पिछले साल भारत में 1472 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ था। इस तरह इस वर्ष पिछले साल की तुलना में 19% अधिक लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ है। मेड इन इंडिया की अवधारणा को मजबूत करने के उद्देश्य से लिए गए निर्णयों के आलोक में देश में लोकोमोटिव का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। 2004 से 2014 तक की अवधि में देश में कुल 4695 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ था जिसका राष्ट्रीय वार्षिक औसत 469.5 रहा।

जबकि 2014 से 2024 के बीच देश में 9168 रेलवे लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ और वार्षिक औसत करीब 91% रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1681 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ है। इस वर्ष चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में 700, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स में 477, पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स में 304, मधेपुरा में 100 और मरहौरा में 100 लोकोमोटिव का उत्पादन हुआ है। देश में सबसे अधिक लोकोमोटिव मालगाड़ियों को चलाने के लिए उत्पादित किए गए। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बनाए गए 1681 लोकोमोटिव में डब्ल्यूएजी 9/9 एच लोकोमोटिव 1047, डब्ल्यूजी 9 एचएच लोकोमोटिव 7,डब्ल्यूजी 9 टीबिन 148, डब्ल्यूपी 5 लोकोमोटिव 2, डब्ल्यूपी 7 लोकोमोटिव 272, एनसीआर लोकोमोटिव 5, डब्ल्यूपी 12 बी लोकोमोटिव 100, डब्ल्यूडीपी 4जी/6जी लोकोमोटिव 100 शामिल रहे।

सिरसिल्ला में कार में फंसा लड़का बचाया गया

राजन्ना-सिरसिल्ला, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को सिरसिल्ला कस्बे में एक लड़के को कार के दरवाजे अपने आप बंद हो जाने के कारण आधे घंटे तक कार में ही रहने को मजबूर होना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, थंगल्लापल्ली मंडल के ओबुलापुर निवासी विष्णु ने दूध का पैकेट खरीदने के लिए गांधी चौक पर अपनी कार रोकी थी।

वह अपने बेटे को कार में ही छोड़कर उतर गया। हालांकि, गाड़ी के दरवाज़े अपने आप बंद हो गए, जिससे लड़के को अपने पिता के लौटने से पहले आधे घंटे तक गाड़ी के अंदर ही रहना पड़ा। तब तक स्थानीय लोगों ने गाड़ी की खिड़कियों के शीशे नीचे खींचकर दरवाज़े खोल दिए थे।

अगले 15 दिनों में एसएलबीसी सहायता गतिविधियां पूरी हो जाएंगी-पोंगुलेटी

> मृतकों के परिजनों को जल्द मुआवजा

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग में दुर्घटना के संबंध में राहत कार्य अगले 10-15 दिनों में पूरा हो जाएगा, नलगोंडा-खम्मम जिलों को हरा-भरा किया जाएगा। राज्य के राजस्व, आवास और सूचना नागरिक संबंध मंत्री श्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने खुलासा किया कि क्रिस्टानी नदी का पानी अगले ढाई साल में उपलब्ध होगा।

उन्होंने बुधवार को सी टनल के खतरे का निरीक्षण करने के बाद श्रीशैलम में पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार सुरंग और अन्य 105-110 मीटर में राहत अभियान तेजी से चल रहा है। खुदाई पूरी होते ही समस्या समाप्त हो जायेगी। जिस इलाके में हादसा हुआ, वहां 250 मीटर तक पत्थर और मिट्टी जमा हो गई थी। पिछले 40 दिनों से विभिन्न संगठनों के %00-800 विशेषज्ञ अधिकारियों की देखरेख में दिन-रात काम कर रहे हैं। वर्तमान में 550-560 लोग नवीनतम उपकरणों के साथ राहत कार्य जारी रख हुए हैं। सुरंग में भारी ड्रिलिंग मशीन से लोहे और अन्य वस्तुएं चिपक जाने के कारण वहां से मिट्टी हटाना मुश्किल और खतरनाक हो गया है। हालांकि, हमने ऐसी व्यवस्था की है कि जो लोग राज्य सरकार की सहायता गतिविधियाँ ले रहे हैं, उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। सीएम रेवंत रेड्डी ने आदेश दिया कि कलेक्टर, विशेष पर्यवेक्षक शिवशंकर लोटेती, आपदा प्रबंधक, एसपी आदि हर समय उपलब्ध रहें। इस घटना में अभी तक दोनों के शव मिले हैं। शेष लोगों के परिजनों को मुआवजा दिलाने के लिए कलेक्टर को निर्देशित किया गया।

इस खतरे के संदर्भ में, हम भविष्य में टन के खनन के संबंध में किसी भी नुकसान से बचने के लिए पूर्ण उपाय करेंगे। यह परियोजना दिवंगत मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी के विचारों से शुरू हुई और हम इस इंदिराम्मा सरकार के दौरान सिंचाई का पानी उपलब्ध कराएंगे। एसएलबीसी सुरंग हादसा 22 फरवरी को हुआ था। हादसे में आठ मजदूर शामिल थे गिरे हुए पत्थरों और टीबीएम के हिस्सों को वेल्डिंग करके सुरंग से हटाया जा रहा है और वहां जमा मिट्टी, चट्टान के ढेर, गाद और झरने के पानी को समय-समय पर हटाया जा रहा है।

हाई कोर्ट ने कांचा गच्चीबावली भूमि पर सभी कार्यों पर लगा दी रोक

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय की कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति रेणुका यारा की जनहित याचिका पीठ ने बुधवार को कांचा गच्चीबावली में विवादित 400 एकड़ भूमि पर पेड़ों की कटाई या किसी अन्य कार्रवाई सहित सभी कार्यों पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए, जिस पर हैदराबाद विश्वविद्यालय और राज्य सरकार पिछले लगभग एक सप्ताह से बहस कर रहे हैं। यह रोक गुरुवार को जारी रहने वाली सुनवाई पूरी होने तक है।

पीठ ने तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) के माध्यम से नीलामी के लिए सेरिलिंगमपल्ली मंडल में कांचे गाचीबोवली में 400 एकड़ भूमि रखने के राज्य सरकार के प्रस्तावित कार्य से संबंधित मामले की सुनवाई की थी। जुड़वां शहरों के एक सेवानिवृत्त वैज्ञानिक कलापाल बाबू राव ने रिट याचिका दायर कर राजस्व विभाग द्वारा जारी 26 जून, 2024 के जीओ एमएस संख्या 54 के अनुसरण में 400 एकड़ वन भूमि को नष्ट करने की राज्य की कार्रवाई को गैरकानूनी और वन संरक्षण अधिनियम 1980 का उल्लंघन घोषित करने के लिए अदालत से निर्देश देने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता ने वन संरक्षण नियम 2023 के नियम 16(1) के तहत वन भूमि, जिसमें वन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं, का समेकित रिकॉर्ड तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन न करने में अधिकारियों की निष्क्रियता के बारे में भी शिकायत की थी, जिसे गैरकानूनी, मनमाना और असंवैधानिक बताया गया था। आगे यह भी कहा गया कि राज्य अशोक कुमार शर्मा बनाम भारत संघ के मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि राज्य की कार्रवाई विनाशकारी थी और उन्होंने कांचे गाचीबोवली गांव के एसवाई नंबर 25 में 400-जीटीएस की वन भूमि को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 35 के तहत राष्ट्रीय उद्यान घोषित करने के लिए अदालत से निर्देश देने की मांग की थी।

केसीआर ने मेदक और निज़ामाबाद के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी रजतोत्सव महासभा की तैयारियों की पृष्ठभूमि में, पार्टी प्रमुख के.चंद्रशेखर राव ने बुधवार को एर्रावेली निवास पर मेदक और निज़ामाबाद जिलों के प्रमुख नेताओं के साथ एक तैयारी बैठक की। इस बैठक में बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर, पूर्व मंत्री, विधायक हरीश राव, एमएलसी देशपति श्रीनिवास, विधायक सिद्दीपेट जिला पार्टी अध्यक्ष के. प्रभाकर रेड्डी, संगारेड्डी जिला पार्टी अध्यक्ष चिंता प्रभाकर, माणिक राव, मेदक जिला पार्टी अध्यक्ष पद्मा देवेंद्र रेड्डी, एमएलसी डॉ. यादव रेड्डी, सुनीता लक्ष्मा रेड्डी, पूर्व एमएलसी शेरी सुभाष रेड्डी, पूर्व विधायक क्रांति किरण, भूपाल रेड्डी, पार्टी नेता जयपाल रेड्डी, आदर्श रेड्डी और अन्य उपस्थित थे। बैठक में संयुक्त निज़ामाबाद जिले के नेता भी शामिल हुए. पूर्व मंत्री और विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी, पूर्व विधायक बाजीरेड्डी गोवर्धन, गणेश बिगाला गुप्ता, गम्पा गोवर्धन, जजुला सुरेंद्र, हनुमंत शिंदे, निज़ामाबाद जिला पार्टी अध्यक्ष आशना गिरजीवन रेड्डी, कामारेड्डी जिला पार्टी अध्यक्ष मुजीबुद्दीन, आयशा शकील अहमद और अन्य ने भाग लिया।

महबूबनगर जिले में तेंदुए के हमले बढ़े

मंगलवार रात भैंस की मौत

महबूबनगर, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणपेट जिले के मरिकल मंडल में तेंदुए के हमले की एक और घटना सामने आई है, मंगलवार रात माधवरम गांव में एक तेंदुए ने एक भैंस को मार डाला। रिपोर्टों के अनुसार, किसान कुरुवा वेंकटेश की भैंस को एक खंभे से बांध दिया गया था और बुधवार की सुबह उसका शव पाया गया, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

मरिकल मंडल में तेंदुए के हमले नियमित रूप से हो रहे हैं। 29 जनवरी को जिन्नाराम गांव में तेंदुए ने कई बकरियों को मार डाला था और 3 फरवरी को पुसलापडु गांव में गोल्ला नरसिमुलु के एक भैंसे पर हमला करके उसे मार डाला था। 15 मार्च को धनवाडा में एक और भैंसा मारा गया था। घबराए हुए ग्रामीण वन विभाग के अधिकारियों से मांग कर रहे हैं कि वे आस-पास के गांवों में फैले डर को देखते हुए तुरंत तेंदुए को पकड़ें। वन अधिकारियों ने ग्रामीणों को सलाह दी है कि वे अपने घरों के पास मवेशियों को खंभों से नहीं बांधें और लोगों को चेतावनी दी है कि वे तेंदुए को नुकसान न पहुँचाएं।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को मेडचल के सुचित्रा 'एक्स' रोड पर एक लापरवाही से चलाई जा रही कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, अज्ञात पीड़ित की उम्र चालीस वर्ष बताई जा रही है, वह बोवेनपल्ली से मेडचल की ओर जा रहा था, तभी यह दुर्घटना घटी। सुचित्रा के पास पहुंचने पर तेज गति व लापरवाही से चलाई जा रही कार ने आगे चल रही बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पेटबशीराबाद पुलिस जांच कर रही है।

अतिरिक्त कार्य घंटों की करें व्यवस्था : एमडी

टैंकर बुकिंग के लंबित मामलों को निपटाने के निर्देश

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कुछ क्षेत्रों में पानी के टैंकर बुकिंग की बढ़ती पेंडेंसी को ध्यान में रखते हुए, हैदराबाद मेट्रो जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के प्रबंध निदेशक, अशोक रेड्डी ने अधिकारियों को पेंडेंसी को निपटाने के लिए अतिरिक्त कार्य घंटों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक करने वाले अशोक रेड्डी ने कहा कि लगातार छुट्टियों और त्योहारों के कारण कुछ इलाकों में टैंकर बुकिंग पेंडेंसी बढ़ गई है। हालांकि टैंकर बुकिंग में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई, लेकिन ड्राइवरों के छुट्टी पर चले जाने से शेखपेट, शपुरनगर, बुदवेल, आसिफनगर, एनटीआर नगर, भवानी नगर, चिलकलगुडा, शपुरनगर-2, मौला अली, गजुलारामम, एर्रागड्डा, गचीबोवली-2, वेंगलराव नगर, येलारेड्डीगुडा, वेंकटगिरि फिलिंग स्टेशनों में सौ से ज्यादा टैंकर पेंडेंसी बढ़ गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इन लंबित टैंकरों को पहुंचाने के लिए अगले दो दिनों तक अतिरिक्त घंटे काम करने की व्यवस्था करें। अधिकारियों को दो शिफ्टों में टैंकर पहुंचाने और उसी के अनुसार पानी की आपूर्ति की व्यवस्था करने को कहा गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे दिन में घरेलू जरूरतों के लिए और रात में व्यावसायिक जरूरतों के लिए टैंकर पहुंचाने की व्यवस्था करें।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने की एचसीए प्रमुख के इस्तीफे की मांग

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार सुबह राजीव गांधी स्टेडियम (उप्पल) में प्रदर्शन किया, जो सनराइजर्स हैदराबाद के लिए चल रहे आईपीएल घरेलू मैचों का स्थल है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष ए जगन मोहन राव के इस्तीफे की मांग की। वे आईपीएल टिकटों की कथित तौर पर कालाबाजारी और वास्तविक प्रशंसकों को टिकट खरीदने और मैच देखने का उचित मौका न दिए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने एचसीए अध्यक्ष का पुतला भी जलाया। यह कदम जाहिर तौर पर सनराइजर्स हैदराबाद और एचसीए के बीच कॉम्पलीमेंट्री पास के वितरण को लेकर हुए विवाद के मद्देनजर उठाया गया है, जिसमें एचसीए पर 'ब्लैकमेलिंग' का आरोप लगाया गया था। हालांकि, यहां यह उल्लेख किया जा सकता है कि मंगलवार को दोनों पक्षों के बीच हुई बैठक में इस विवाद को सुलझा लिया गया।

राजीव विकास योजना के मीसेवा केंद्रों पर 7 दिनों में 13.45 लाख आवेदन

6.2 लाख आवेदनों को मंजूरी दी गई

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव युवा विकास योजना 2025 के शुभारंभ के बाद, तेलंगाना में मीसेवा केंद्रों को केवल सात दिनों में 13.45 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह पहली बार था जब आवेदनों की इतनी बड़ी संख्या संसाधित की गई, जो राज्य में नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए तैनात मजबूत तकनीकी बुनियादी ढांचे को दर्शाता है। यह योजना एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के युवाओं को स्वरोजगार के लिए 3 लाख (सब्सिडी के साथ) तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। आवेदकों को आय और जाति प्रमाण पत्र जमा करने होंगे, जिन्हें मीसेवा केंद्रों पर लागू किया जाना है। इन प्रमाण पत्रों को फिर मंडल राजस्व अधिकारियों (एमआरओ) द्वारा सत्यापित और अनुमोदित और जारी किया जाता है।

नागरिकों ने इस प्लेटफ़ॉर्म का सक्रिय रूप से उपयोग किया है। अब तक, मीसेवा पोर्टल के माध्यम से एमआरओएस द्वारा 6.2 लाख आवेदनों को मंजूरी दी गई है। (26 मार्च 1 अप्रैल, 2025) के बीच 26 मार्च: 1,75,000 प्राप्त ,72,000 स्वीकृत, 27 मार्च: 2,10,000 प्राप्त , 95,000 स्वीकृत, 28 मार्च: 1,90,000 प्राप्त, 88,000 स्वीकृत, 29 मार्च: 2,15,000 प्राप्त, 1,02,000 स्वीकृत, 30 मार्च: 1,65,000 प्राप्त, 71,000 स्वीकृत, 31 मार्च: 2,20,000 प्राप्त , 1,00,000 स्वीकृत 1 अप्रैल: 1,70,000 प्राप्त 92,000 स्वीकृत हुए। कुल 13,45,000 प्राप्त हुए और इनमें 6,20,000 स्वीकृत किए गए। मीसेवा तेलंगाना सरकार द्वारा एक अग्रणी डिजिटल शासन पहल है, जो नागरिकों को केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न सरकारी सेवाओं तक आसान पहुँच प्रदान करती है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, मीसेवा का उद्देश्य पारदर्शिता, दक्षता और नागरिक सहभागिता को बढ़ाना है, जिससे शासन अधिक सुलभ और जवाबदेह बन सके।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.